आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,सोमवार 16 दिसंबर 2024 ■ पौष कृष्ण पक्ष-1 ■ वर्ष- 40 ■ अंक-256 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 17 दिसंबर 2024 ■ मूल्य 1.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, 6 की मौत

बालोद,16 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक सड़क हादसे में छह लोगों की जान चली गई। सात लोग घायल हो गए। यह हादसा आज सुबह डोंडी थाना क्षेत्र में हुआ। भानुप्रतापपुर-दल्ली राजहरा रोड पर चौरहापड़ाव के पास एक ट्रक ने एसयूवी कार को टक्कर मार दी। कार विपरीत दिशा से आ रही थी, इसके कारण यह हादसा हुआ है। डोंडी थाना क्षेत्र के भानुप्रतापपुर-दल्लीराजहरा मार्ग पर सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही एक एसयूवी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घायलों को इलाज के लिए राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, कार सवार लोग डोंडी के कुम्हार में एक रिश्तेदार के घर छठी कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। ये लोग अपने गांव गुरेदा जा रहे थे। चौरापावड़ के पास ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में छह लोगों की तत्काल मौत हो गई। हादसे को लेकर एएसपी अशोक जोशी ने बताया कि घटना के बाद से ट्रक चालक फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। वहीं पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला है। घटना में ट्रक और कार दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं घायल हुए लोगों के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

जल जीवन मिशन में अनियमितता पर घिरे पीएचई मंत्री

रायपुर,16 दिसंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ध्यानाकर्षण पर चर्चा के दौरान जल जीवन मिशन में अनियमितता का मुद्दा उठा. पीएचई मंत्री अरुण साव ने बताया कि पहले जल स्त्रोत की व्यवस्था करने के बाद ढांचा बनाए जाने के नियम है. लेकिन प्रदेश में 994 टंकियां बनाने के बाद अब जल स्त्रोत की व्यवस्था की जा रही है.

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने ध्यानाकर्षण पर चर्चा के दौरान जल जीवन मिशन में अनियमितता का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि धमतरी जिले के कई गांवों में गड़बड़ी की गई. ग्रामीणों को नल कनेक्शन नहीं मिला. इस पर पीएचई मंत्री अरुण साव ने कहा कि कोविड के कारण योजना के क्रियान्वयन में विलंब हुआ. योजना के तहत अब तक 39 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन दिया गया है. इस पर अजय चंद्राकर ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत सरकार की वेबसाइट और आपके द्वारा दिए आंकड़े में अंतर है. पहले जल स्त्रोत की व्यवस्था करनी चाहिए थी, या टंकी ढांचा का निर्माण करना था. इसके साथ ही उन्होंने इस संदर्भ में भारत सरकार की गाइडलाइन जानकारी मांगी. मंत्री अरुण साव ने कहा कि पहले जल स्त्रोत की व्यवस्था करने के बाद ढांचा बनाए जाने के नियम है. अजय चंद्राकर ने कहा कि कितने गांव में टंकी ढांचा, बिना जल स्त्रोत के तैयार हुए हैं. मंत्री ने कहा कि 994 टंकियां तैयार हैं, इनमें जल स्त्रोत की व्यवस्था की जा रही है. भाजपा विधायक भावना बोहरा और कांग्रेस विधायक अंबिका मरकाम ने भी ध्यानाकर्षण में जल जीवन मिशन में गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया.

विस में उठा सरकारी जमीन की अफरा-तफरी का मुद्दा

रायपुर,16 दिसंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान सरकारी जमीन की अफरा-तफरी का मुद्दा सदस्यों ने उठाया. राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने शिकायतों की जांच कलेक्टर से कराने की आश्वासन दिया. प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू होते ही बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने बिलासपुर जिले में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा का मुद्दा उठाया. कहा कि जिले के कई जगहों पर भूमि पर अवैध कब्जा हुआ है. इस पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने बताया कि 2021 से 2024 सरकारी भूमि पर कब्जे की 563 शिकायतें प्राप्त हुई. इस पर सदस्य ने सवाल किया कि कितने अफसरों पर कार्यवाही हुई. इस पर मंत्री ने कहा कि अभी पट्टा वितरण नहीं हुआ. पिछली सरकार में गलत ढंग से गलत पट्टा बंटा हो तो उसकी जांच कराएंगे. विधायक धरमजीत सिंह ने कहा कि सरकारी जमीन की अफरा-तफरी हुई है. इस पर राजस्व मंत्री टंक राम ने कहा कि शिकायतों की जांच कलेक्टर से कराएंगे.

विरोध के बाद भी नेहरू ने संविधान में कई बदलाव किए: सीतारमण

नई दिल्ली,16 दिसंबर। सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के तहत दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की कार्यवाही फिर से शुरू हुई. आज और कल, लोकसभा के बाद यहां संविधान पर बहस होगी. राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यह चर्चा बहुत महत्वपूर्ण होगी. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में बहस की शुरुआत की, वहीं शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि वर्तमान सरकार संविधान के खिलाफ काम कर रही है. उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, संसद, भारत के चुनाव आयोग और राजभवन, जो संविधान का संरक्षक होना चाहिए, उनकी भूमिका देश के हित में नहीं है. राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा कि विपक्ष और जनता के विरोध के बाद भी जवाहर लाल नेहरू ने संविधान में कई बदलाव किए, प्रेस की आजादी भी छीनी गई, और अगर सरकार 400 से अधिक सीटें जीतती, तो चर्चा का विषय ÷संविधान को बदलना क्यों आवश्यक है÷ होता. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी के दबाव में भारत का संविधान खतरे में है. राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा कि विपक्ष और जनता के विरोध के बाद भी जवाहर लाल नेहरू ने संविधान में कई बदलाव किए, जिसमें प्रेस की आजादी भी शामिल थी. कांग्रेस पर हमला करते हुए निर्मला सीतारमण ने इमरजेंसी का जिक्र करते हुए कहा, ÷कांग्रेस ने नियमों का उल्लंघन करते हुए कानून बदला और लोकसभा का कार्यकाल 6 साल कर दिया. पूरे विपक्ष को जेल भेज दिया. इसके बाद यह सब बदलाव हुआ. क्या यह सही तरीका था. 1950 में सुप्रीम कोर्ट ने कम्युनिस्ट पत्रिका क्रॉस रोड्स और आरएसएस की पत्रिका ÷ऑर्गनाइजर÷ के पक्ष में फैसला दिया, लेकिन इसके बाद तत्कालीन अंतरिम सरकार ने इनकी स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए संविधान में संशोधन किया. निर्मला सीतारमण ने कहा कि नेहरू विरोधी कविता लिखने के लिए मशहूर गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी और अभिनेता बलराज साहनी को जेल होना पड़ा था, इससे कांग्रेस ने संविधान का कितना दुरुपयोग किया पता चलता है.

केंद्रीय गृहमंत्री ने शहीद जवानों के लिए लिखा संदेश

रायपुर,16दिसंबर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरे का आज दूसरा दिन है. अपने बस्तर दौरे के बीच उन्होंने शहीद जवानों के लिए संदेश लिखा है. उन्होंने छत्तीसगढ़ पुलिस के विजिटर्स बुक में लिखा कि आज प्रकृति के गोद में बसे बस्तर में राज्य और देश की सुरक्षा के लिए अमर शहीद के स्मारक पर उनको श्रद्धांजलि दी. शहीदों के सर्वोच्च बलिदान के चलते जो आज बस्तर नक्सली मुक्ति की राह पर है. उनके बलिदान पर सतत नमन करता हूं. यह लिख कर उन्होंने आज की तारीख डाली और अपना सिग्नेचर किया है.

तबलावादक जाकिर हुसैन का निधन

नई दिल्ली,16 दिसंबर। तबला वादक जाकिर हुसैन ने 73 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके परिवार ने सोमवार को यह जानकारी दी। परिवार ने बताया कि इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से उत्पन्न जटिलताओं के कारण सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में हुसैन का निधन हो गया। हुसैन को अपनी पीढ़ी का सबसे महान तबला वादक माना जाता है, उनकी पत्नी एंटोनिया मिनेकोला और बेटियां अनीसा कुरैशी और इसाबेला कुरैशी हैं। 9 मार्च 1951 को जन्मे हुसैन महान तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के पुत्र थे। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वह अपने पीछे एक असाधारण विरासत छोड़ गए हैं, जिसे दुनिया भर के अनगिनत संगीत प्रेमी संजोकर रखेंगे, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक रहेगा। अपने छह दशक के करियर में हुसैन ने कई प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय कलाकारों के साथ काम किया। 1973 में उन्होंने अंग्रेजी गिटारवादक जॉन मैकलॉघलिन, वायलिन वादक एल शंकर और तालवादक टीएच 'विक्कू' विनायकराम के साथ एक संगीत प्रोजेक्ट पर काम किया, जिसमें भारतीय शास्त्रीय और जैज को एक ऐसे फ्यूजन में लाया गया जो अब तक अज्ञात था।

100 करोड़ की जमीन हथियाने बनाया फर्जी डेथ सर्टिफिकेट

रायपुर,16 दिसंबर। नवा रायपुर स्थित लगभग 40 एकड़ जमीन पर कब्जा करने फर्जी भाई बनकर नामांतरण आवेदन लगाने वाले मध्यप्रदेश के एक दवा कारोबारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दिल्ली के उद्योगपति परिवार की महिला श्रीमती कमलेश जैन की करीब 100 करोड़ की कीमत वाली जमीन को हथियाने महिला का फर्जी डेथ सर्टिफिकेट पेश किया था। इस साजिश को अंजाम देने वाले चिचली नरसिंगपुर निवासी रजनीश कुमार जैन 68 वर्ष को पुलिस ने कोर्ट में पेश करके पूछताछ हेतु रिमांड पर लिया है। इस आरोपी के पीछे भू माफिया के गैंग के होने की आशंका है, क्योंकि करीब सौ करोड़ की कीमती जमीन को फर्जीवाड़ा करके हथियाने की छह महीने में दूसरी बार कोशिश हुई है। पहली बार श्रीमती कमलेश जैन की जगह पर किसी पुरुष को खड़े करके फर्जी आधार कार्ड व गवाहों के जरिये उक्त जमीन की रजिस्ट्री भिलाई निवासी अनवर आलम के नाम पर करा ली गई थी। उस मामले में जमीन विक्रेता से लेकर गवाह तक फर्जी निकले थे। उस मामले में अनवर आलम को राखी पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेजा था। वह मामला कोर्ट में फिलहाल विचाराधीन है। लेकिन अब फर्जीवाड़े के दूसरे मामले में फर्जी डेथ सर्टिफिकेट और जाली वसीयतनामा पेश करके खुद को श्रीमती कमलेश जैन का भाई बताने वाला आरोपी रजनीश कुमार जैन पुलिस के हत्थे चढ़ा है। पुलिस अब उसके जरिये धोखाधड़ी की आपराधिक साजिश में शामिल लोगों तक पहुंचेगी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक रायपुर में एक जैन परिवार से आरोपी दवा कारोबारी रजनीश कुमार जैन की रिश्तेदारी है। उसी ने नवा रायपुर के तांदुल की चालीस एकड़ जमीन के बारे में जानकारी दी और यहां बुलाया। आशंका है कि उसी की योजना के तहत आरोपी रजनीश के नाम पर श्रीमती कमलेश जैन का फर्जी वसीयतनामा और फर्जी डेथ सर्टिफिकेट बनाया गया। आरोपी ने मंदिर हसौद तहसीलदार के समक्ष जमीन का अपने नाम पर नामांतरण करने आवेदन लगाया। जिसमें कई गवाहों ने दस्तखत भी किए हैं। इस आवेदन का पता चलने पर श्रीमती कमलेश जैन रायपुर आईं और खुद को जीवित बताते हुए आवेदन पर आपत्ति दर्ज की। 6 अगस्त 2024 को नामांतरण आवेदन तहसीलदार मंदिरहसौद ने निरस्त कर दिया।

कुएं से निकलती जा रहीं मूर्तियां

लखनऊ,16दिसंबर। यूपी के संभल में कुएं की खुदाई के दौरान कई मूर्तियों के अवशेष मिले हैं। संभल के खग्गू सराय में 1978 के दंगों के बाद से बंद मंदिर को अब खोला गया है। इस मंदिर का नाम सम्भलेश्वर महादेव मंदिर रखा गया है। इसी मंदिर के पास यह कुआं मिला है। प्रशासन इसकी खुदाई करा रहा है। सोमवार को खुदाई के दौरान भगवान कार्तिकेय की संगमरमर, भगवान गणेश जी और पार्वती जी की मिट्टी की मूर्ति निकली। इसके बाद प्रशासन ने खुदाई का काम रोक दिया। डीएम ने मंदिर और कुएं की कार्बन डेटिंग के लिए एएसआई को पत्र लिखा है। उधर, संभल के खग्गुसराय में 46 साल के लंबे इंतजार के बाद कार्तिक महादेव मंदिर के कपाट खुलने से लोगों में खुशी का माहौल है। सोमवार को भी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही श्रद्धालु वहां जुटे हुए हैं। मंदिर मिलने और खोले जाने के बाद से ही यह सिलसिला चल रहा है। श्रद्धालुओं ने रविवार की सुबह भगवान शिव का रूद्राभिषेक किया तो दिन में हनुमान जी को चोला चढ़ाया गया। शाम को हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ के साथ ही भगवान को भोग लगाया गया और फिर भंडारे का आयोजन किया गया। कल डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया, एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई समेत कई प्रमुख अधिकारियों ने मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की थी। दूसरी तरफ मंदिर के पास पटे पड़े कुएं की खुदाई कर उसे दस फीट गहरा कर दिया गया। मंदिर पर हुए अतिक्रमण को हटाने का काम भी चल रहा है। शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद संभल में प्रशासन-पुलिस का सर्च अभियान हर रोज नए खुलासे कर रहा है। शनिवार को अभियान के दौरान खग्गुसराय इलाके में टीम पहुंची थी। जहां टीम को एक मंदिर दिखाई दिया था। जिसकी पड़ताल की तो पता चला कि यह मंदिर 1978 में हुए दंगे के बाद से बंद है। डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया ने मंदिर के कपाट खुलवाए तो एएसपी श्रीश्चंद्र और सीओ अनुज चौधरी अंदर घुसे। मंदिर के बाहर कुआं भी था। जिसे खुदाई कर खुलवा दिया गया। इस मंदिर में भगवान शिव और हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित मिली थी। 46 साल बाद मंदिर के कपाट खुलने के बाद हिंदू समुदाय के लोगों में खुशी का माहौल है। सोमवार को सुबह से ही मंदिर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई है। पूजा-अर्चना का दौर जारी है। मंदिर की साफ-सफाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, और कुएं की खुदाई कर उसको गहरा किया जा रहा है जहां से अब मूर्तियों के अवशेष मिले हैं। खुदाई का काम फिलहाल रोक दिया गया है। मंदिर का सुरक्षा तंत्र भी मजबूत किया गया है, क्योंकि अब मंदिर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं.

मुर्गी के जिंदा चूजा को निगल गया युवक,मौत

अंबिकापुर,16दिसंबर। अंबिकापुर से एक चकित कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक युवक जिंदा मुर्गी के बच्चे को निगल गया। बताया जा रहा है कि तंत्र-मंत्र के फेर में उसने निगला होगा? बता दें, जिंदा चुजें को निगलने के बाद युवक को सांस लेने में दिक्कत हुई और अस्पताल में उसने दम तोड़ दी। ये पूरा मामला अंबिकापुर दरिमा थाना क्षेत्र का है। ग्राम छिंदकालो में आनंद कुमार यादव (35) अपने पूरे परिवार के साथ रहता था। पोस्टमार्टम हुआ तो डाक्टर भी चकित रह गए। डाक्टरों ने मीडिया को बताया कि पहली बार उन्होंने ऐसा पोस्टमार्टम किया है। गले में जब चीरा लगाया तो मृत युवक के गले से साबूत चूजा निकला। डाक्टरों ने बताया कि युवक ने जिंदा चूजा निगला था और गले में फंसने की वजह से उसकी मौत हो गई। डाक्टरों ने बताया कि श्वांस नली एवं खाने की नाली के बीच चूजा फंसा हुआ था। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आनंद कुमार यादव की शादी को पांच साल हो गये थे। बच्चे नहीं होने से वो तंत्र-मंत्र के फेर में फंसा हुआ था। पुलिस आशंका जता रही है कि किसी तांत्रिक के कहने पर ही उसने जिंदा चूजा निगला होगा। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस मृत युवक के परिजनों से भी पूछताछ कर रही है।

धान खरीदी पर गरमाया सदन,हंगामा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में शून्यकाल के दौरान विपक्ष ने उठाया प्रदेश में धान खरीदी का मुद्दा उठाया. विपक्ष की मांग पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई. इसके साथ ही विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए हंगामा मचाना शुरू कर दिया. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने हस्ताक्षेप करते हुए हंगामा को शांत कराया. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने धान खरीदी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि धान खरीदी में ऑनलाइन और ऑफलाइन के चक्कर में किसान परेशान हैं. 16 दिसम्बर हो गया है, लेकिन अब तक एक-तिहाई धान नहीं खरीदा गया. धान खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था है. प्रदेश में बहुत सारे धान खरीदी केंद्र ऐसे हैं, जहां खरीदी नहीं हो रही है.

भूपेश बघेल ने कहा कि प्रदेश में किसानों को बारदाने की व्यवस्था नहीं हो रही है. राइस मिलर का पेमेंट नहीं मिल रहा है. इसके साथ ही उन्होंने धान खरीदी में किसानों की परेशानी पर सदन में चर्चा कराने की मांग की. विपक्ष के आरोपों पर सत्ता पक्ष से अजय चंद्राकर ने कहा कि राइस मिलर का भुगतान कांग्रेस शासनकाल से अटका हुआ है.

अमित शाह को पूर्व नक्सलियों ने बताया

शादी से पहले जबरदस्ती कराई जाती है नसबंदी

रायपुर,16 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने आए पूर्व नक्सलियों ने नक्सली आंदोलन से जुड़े कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इन पूर्व नक्सलियों ने बताया कि माओवादी नेताओं के निर्देश पर नक्सली कैडर को शादी करने से पहले नसबंदी करवानी पड़ती है। उनका कहना है कि नक्सल संगठन में यह अनिवार्य प्रक्रिया है, ताकि कैडर अपने परिवार और बच्चों के मोह में न पड़ें और आंदोलन की प्राथमिकता बनी रहे। पूर्व नक्सलियों ने बताया कि सीपीआई (माओवादी) के नेता इस प्रक्रिया को नसबंदी के रूप में संदर्भित करते हैं, जो संगठन के कैडर के लिए एक सामान्य शब्द है। तेलंगाना के एक पूर्व नक्सली ने बताया कि उसे भी शादी से पहले नसबंदी करवाने का आदेश मिला था, लेकिन बाद में जब उसने आत्मसमर्पण किया और मुख्यधारा में शामिल हुआ, तो उसने एक ऑपरेशन करवाकर नसबंदी को उलट दिया, जिसके बाद वह पिता बनने में सफल हुआ। इसके साथ ही, एक पूर्व नक्सली ने यह भी साझा किया कि उसे शादी करने से पहले नसबंदी करवाई गई थी और उसके बाद पुलिस मुठभेड़ में उसके पति की मौत हो गई, जिसके बाद उसने आत्मसमर्पण किया।

प्रियंका गांधी का फिर दिखा 'फिलिस्तीन प्रेम'

नई दिल्ली,16 दिसंबर। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी का 'फिलिस्तीन प्रेम' एक बार फिर से देखने को मिला है। लोकसभा सांसद, जिस बैग को लेकर संसद पहुंचीं थी, उस पर Palestine लिखा हुआ था। इस बैग के जरिए एक बार फिर प्रियंका गांधी ने फिलिस्तीन को लेकर संदेश देने की कोशिश की है और वो फिलिस्तीन के समर्थन में हैं। ऐसा पहली बार नहीं कि प्रियंका गांधी ने फिलिस्तीन का समर्थन किया है। हाल ही में भारत में आए फिलिस्तीन के राजदूत Abed Elrazeg Abu Jazer से उन्होंने मुलाकात की थी। फिलिस्तीनी राजदूत ने प्रियंका गांधी को वायनाड लोकसभा चुनाव में जीत की बधाई दी थी। इस मुलाकात में प्रियंका गांधी ने फिलिस्तीन के साथ अपना समर्थन साफ तौर पर झलकाया था।

संक्षेप

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बलरामपुर,16 दिसंबर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत जावर गांव के पास आज सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. चांदो मुख्य मार्ग पर एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल पर सवार 2 लोगों को टक्कर मार दी. हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और घायल को तत्काल एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां घायल का इलाज जारी है. मौके पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई है. जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान महेंद्र पैकरा और घायल व्यक्ति की पहचान नमन लकड़ा के रूप में की गई है. फिलहाल पुलिस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच जुटी हुई है.

फांसी पर लटकी मिली छात्रा की लाश

बिलासपुर,16 दिसंबर। बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र में रहने वाली छात्रा घर पर फांसी के फंदे पर लटकी मिली, परिजन उसे फंदे से उतारकर अपोलो हॉस्पिटल लेकर पहुंचे. जहां डाक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना पर सरकंडा पुलिस मामले की जांच कर रही है. पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि छात्रा ज्यादा समय तक मोबाइल चलाती थी. आशंका है कि परिजनों ने मोबाइल ले लिया तो उसने आत्मघाती कदम उठाया होगा, फिलहाल मामले की जांच जारी है. बता दें कि सरकंडा थाना क्षेत्र के वसंत विहार के पास रहने वाली एंजल जैसवानी 9 वीं कक्षा की छात्रा थी. शनिवार की रात वह अपने कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिली, परिजनों ने फंदा काटकर छात्रा को अपोलो हॉस्पिटल पहुंचाया. वहां पर डाक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर पुलिस को सूचना दी. इस पर पुलिस ने रविवार को शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया. पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि छात्रा मोबाइल पर ज्यादा समय बिताती थी. परिजन उसे मना करते हुए पढ़ाई पर ध्यान देने कहा करते थे. शनिवार को उससे मोबाइल ले लिया था. आशंका है कि मोबाइल के कारण छात्रा ने आत्मघाती कदम उठाया होगा. फिलहाल मामले की जांच चल रही है, जांच के बाद पूरा मामला स्पष्ट हो सकेगा.

पाकिस्तान की हार का जश्न मना रहा देश

नई दिल्ली,16 दिसंबर। 16 दिसंबर को भारत में विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो सैनिकों के शौर्य और जज्बे को सलाम करने का दिन है. 1971 में, पाकिस्तान की सेना ने भारत की वीरता के आगे आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे बांग्लादेश को आजादी मिली. युद्ध 13 दिन चला था. 16 दिसंबर 1971 की ऐतिहासिक जीत आज भी देशवासियों को जोश और उत्साह से भर देती है. देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1971 के युद्ध में शामिल हुए वीर जवानों के शौर्य और बलिदान को सलाम किया है.

सड़क पर पलटी तेज रफ्तार कार

कवर्धा,16 दिसंबर। शहर में रफ्तार का कहर देखने को मिला है. एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई. हादसे में 5 से अधिक लोग घायल हो गए हैं. घायलों को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. वहीं वाहन के परखच्चे उड़ गए है. घटना कवर्धा थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र की है. जानकारी के अनुसार, ग्राम महाराजपुर के सोनपुर चौक में बीती रात हादसा हुआ है. जहां कार सवार 5 से ज्यादा लोग हादसे में घायल हो गए हैं. मौके पर 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया. रफ्तार काफी तेज होने से वाहन क्षतिग्रस्त हो गई. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

एक नजर

दूसरे प्रदेश के लोगों की जांच जारी

भिलाई, 16 दिसंबर। भिलाई बिना सूचना के निवास कर रहे अन्य प्रदेशों के लोगों की जांच का सिलसिला तीसरे दिन भी चला भिलाई नगर, दुर्ग कोतवाली, मोहन नगर, पद्मनाभपुर, जेवरा सिरसा चौकी, सुपेला और जामुल थाना क्षेत्र में जांच की गई। तीसरे दिन पुलिस ने कुल 88 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की वहीं तीन दिन में लगभग 600 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है पुलिस की टीम ने भिलाई नगर थाना क्षेत्र के तालपुरी कालोनी के पारिजात ब्लाक, दुर्ग क्षेत्र में सराफा लाइन, मैथिली पारा, गांधी चौक, दुर्गा चौक, तकिया पारा व लुचकी पारा, पद्मनाभपुर, जेवरा सिरसा में जांच की वहीं जामुल थाना क्षेत्र के ढांचा भवन, आम्रपाली वनांचल सिटी, अटल आवास जामुल, ढौर, नवातरिया, खेदामारा और दामाद पारा में बाहर से आकर रह रहे लोगों की जांच की गई सुपेला थाना क्षेत्र में संडे मार्केट व फरीद नगर और बोरिया मार्केट में भी जांच अभियान चलाया गया। बाहर से आकर पुलिस को जानकारी दिए बिना यहां रहने वालों के खिलाफ शुरू किए गए अभियान के दौरान पुलिस सभी के दस्तावेजों की जांच कर रही है पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि उनके यहां जो भी किरायेदार निवासरत हैं, उनका पूर्ण विवरण अपने नजदीकी थाना या चौकी में अनिवार्य रूप से दें। यदि जानकारी नहीं दी जाती है और जांच में यह पाया जाता है कि किरायेदार के पास उसके प्रमाणीकरण के लिए कोई आवश्यक दस्तावेज नहीं है तो किरायेदार के साथ-साथ मकान मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी अब तक लगभग 600 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भिलाई नगर, दुर्ग कोतवाली, मोहन नगर, जामुल थाना क्षेत्र में जांच।

जान से मारने की कोशिश,गिरफ्तार

भिलाई, 16 दिसंबर। भिलाई धमधा थाना क्षेत्र के ग्राम अछोली में पानी सोख्ता गड्ढा को लेकर विवाद में कैलाश वर्मा ने पड़ोसी मानू राम लोधी पर पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जलाकर जान से मारने की कोशिश की धमधा पुलिस ने आरोपित के खिलाफ हत्या का प्रयास की धारा के तहत प्राथमिकी कर गिरफ्तार किया है पीड़ित गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है अछोली निवासी आरोपित कैलाश वर्मा ने पड़ोसी मानू राम लोधी पर पेट्रोल छिड़ककर आग के हवाले कर दिया शाम को दोनों के बीच पानी सोख्ता गड्ढा को लेकर विवाद चल रहा था इसके बाद आवेश में आकर आरोपित अपने घर से बोतल में रखा पेट्रोल लाया और पीड़ित पर छिड़ककर उसे आग लगा दी पीड़ित की पत्नी अंजू वर्मा ने पानी डालकर आग को बुझाया और उसे अस्पताल लेकर गई। घटना में पीड़ित मानू का दाहिना हाथ, गला, पेट, आंख और चेहरा झुलस गया है पत्नी ने रिपोर्ट दर्ज कराई ।

ट्रेन यात्री से मोबाइल छीन लिया

भिलाई, 16 दिसंबर। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर एक बदमाश ने एक यात्री का मोबाइल छीन लिया पीड़ित ट्रेन के भीतर बैठा हुआ ट्रेन के खुलते ही आरोपित ने खिड़की से हाथ अंदर डालकर मोबाइल छीन लिया पीड़ित ने घर पहुंचकर अपने बेटे को इसकी जानकारी दी इसके बाद सीतामढ़ी बिहार जीआरपी से शिकायत की गई सीतामढ़ी जीआरपी ने मामला दर्ज कर उसे दुर्ग भेजा है दुर्ग जीआरपी, आरोपित की पतासाजी कर रही है पुलिस ने बताया कि ग्राम व पोस्ट कुम्हारा विशनपुर थाना डुमरा जिला सीतामढ़ी बिहार निवासी मनीष कुमार झा अपने पिता विनोद झा के हाथ से मोबाइल छीनने की रिपोर्ट दर्ज कराई है पीड़ित विनोद 11 दिसंबर को सिकंदराबाद - एक्सप्रेस से दुर्ग से रवाना हुआ था जैसे ही ट्रेन खुली, किसी अज्ञात आरोपित ने खिड़की से हाथ अंदर डालकर पीड़ित के हाथ से मोबाइल छीन लिया पीड़ित कुछ कर पाता, इसके पहले ट्रेन स्टेशन से निकल चुकी थी सीतामढ़ी जीआरपी ने प्राथमिकी कर मामले को दुर्ग भेजा है ।

साइबर क्राइम से बचने सुरक्षा से जुड़े उपायों को अपनाएं : विज

भिलाई, 16 दिसंबर। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच द्वारा साइबर युद्ध और साइबर योद्धा विषय पर कार्यशाला के मुख्य अतिथि गोलोक बिहारी राय राष्ट्रीय संगठन महामंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान परिदृश्य के डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियां जैसे धोखाधड़ी,फेक न्यूज,गलत सूचना और साइबर बुलिंग से भारत की आंतरिक सुरक्षा को ख़तरा तथा सामान्य नागरिक एवं छात्र छात्राओं खासकर युवाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। अतिविशिष्ट डॉ टोपलाल वर्मा संघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रांत ने कहा कि साइबर सुरक्षा का मतलब है, कंप्यूटर सिस्टम, नेटवर्क, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य को साइबर हमलों से बचाना। साइबर सुरक्षा के ज़रिए,किसी संगठन और उसके कर्मचारियों और परिसंपत्तियों की सुरक्षा की जाती है। मुख्य वक्ता पूर्व डीजीपी आर. के. विज ने साइबर सुरक्षा से जुड़े उपायों के बारे में बताया कि सॉफ़्टवेयर और ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखना। एंटी-वायरस सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल करना। मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना। अज्ञात प्रेषकों से मिलने वाले ईमेल के अटैचमेंट को न खोलना। अज्ञात प्रेषकों या अपरिचित वेबसाइटों से मिलने वाले ईमेल के लिंक पर क्लिक न करना।

शिक्षकों के कौशल उन्नयन के लिए विधायक भावना बोहरा ने किया मंथन स्मार्ट टीचर कार्यशाला का आयोजन

शिक्षकों को बेहतर मार्गदर्शन मिलने से हमारे विद्यार्थियों का भी होगा सम्पूर्ण मानसिक विकास : भावना बोहरा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 16 दिसंबर। शिक्षा, सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं क्षेत्र के विकास हेतु लगातार पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्र में सराहनीय प्रयास एवं पहल की जा रही है। क्षेत्रवासियों को उनकी रुचि अनुरूप शिक्षा एवं जानकारी प्राप्त करने हेतु विधानसभा के 75 ग्राम पंचायतों लाइब्रेरी स्थापना की घोषणा के बाद अब उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए उनके द्वारा ÷मंथन स्मार्ट टीचर÷ एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, कवर्धा में किया गया। इस कार्यशाला में खुद भावना बोहरा ने शिक्षकों के साथ संवाद कर विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम लाने व शिक्षा को और बेहतर बनाने से लेकर उसमें सुधार व बेहतर मैनेजमेंट एवं स्मार्ट क्लास सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान अनुभवी व प्रख्यात कैरियर काउंसलर एवं साइकोलॉजिस्ट डॉ. अजीत वरवंडकर ने भी शिक्षकों का मार्गदर्शन किया।इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि हमारे शिक्षकों के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। वे क्षेत्र की प्रगति के साथ ही इसके सूत्रधार हमारे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अथक परिश्रम करते हैं,उनके ज्ञान का विस्तार करते हैं। वर्तमान समय में हमारी शिक्षा आधुनिकता एवं टेक्नोलॉजी के साथ जुड़ रही है,ऐसे में हमारे

शिक्षक भी स्मार्ट और टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ ही अच्छे परिणाम भी हमें प्राप्त हो सकते हैं।आज इसी उद्देश्य से हमने मंथन स्मार्ट टीचर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें हमारे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के साथ हमने संवाद किया। कैसे हम शिक्षा को तकनीक के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण दें, क्लास रूम मैनेजमेंट, आगामी परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने व पाठ्यक्रम के संबंध में चर्चा की। इसके साथ ही नई शिक्षा नीति व शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के कौशल उन्नयन के संदर्भ में भी इस कार्यशाला में सार्थक संवाद हुआ है वहीं मुख्य वक्ता डॉ. अजीत वरवंडकर जी ने भी शिक्षकों का मार्गदर्शन किया और उनके मन मे निहित प्रश्नों और दुविधाओं का समाधान भी किया। भावना बोहरा ने आगे कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से हमारा प्रयास है कि हम शिक्षक व विद्यार्थियों के मध्य एक बेहतर सामंजस्य स्थापित कर सके। शिक्षकों को भी समय-समय पर वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं, पद्धतियों और पाठ्यक्रम को समय पर पूर्ण कर परिणामों को बेहतर लाने के संदर्भ में संवाद का यह एक अच्छा माध्यम है। हमें विश्वास है कि इस कार्यशाला के माध्यम से हमारे शिक्षकों को नए अनुभव प्राप्त होंगे जिससे हमारे आने वाली पीढ़ियों के भविष्य और भी उज्ज्वल होगा। इसके लिए हम ऐसे प्रयास निरन्तर करते रहेंगे। पूर्व संसदीय सचिव श्री सियाराम साहू ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में विधायक भावना बोहरा द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहें हैं। आज का भी यह कार्यक्रम अपने आप मे बहुत ही महत्वपूर्ण और अनूठा है जिसके लिए मैं उन्हें बहुत बहुत बधाई देता हूँ और ऐसे प्रयासों की जितनी सराहना की जाय वह कम है। आज के इस कार्यक्रम में जिस प्रकार विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर संवाद किया गया साथ ही शिक्षकों को भी इसके लिए सटीक मार्गदर्शन दिया गया वह अपने आप मे एक बेहतरीन प्रयास है।। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों को पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा उनका अभिनंदन किया एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। इस दौरान कार्यशाला में शिक्षकों ने बहुत से प्रकार की एक्टिविटी में भी सहभागिता निभाई। शिक्षकों के लिए विशेष प्रकार के आयोजन भी किये गए थे जिसमें कैसे हम शिक्षा के विस्तार के साथ ही क्लासरूम मैनेजमेंट व बच्चों को परीक्षा के समय उन्हें एकाग्र होकर शिक्षा ग्रहण करने में मदद मिल सके। कार्यशाला में आये सभी शिक्षकों ने कहा कि आज के कार्यशाला में हमें बहुत से चीजे सीखने को मिली है। इस कार्यशाला से हम जो भी अनुभव लेकर जा रहें हैं उसे हम जरूर अपने-अपने विद्यालयों में उसका पालन करेंगे। हम पंडरिया विधायक भावना बोहरा जी को भी साधुवाद देते हैं कि उनके द्वारा लगातार शिक्षा और शिक्षा से जुड़े हर सुविधाओ व हम सभी शिक्षकों के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है।कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. अजीत वरवंडकर ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में शिक्षकों के कौशल उन्नयन के साथ-साथ बच्चों के बेहतर भविष्य के उद्देश्य से पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा जी द्वारा इस कार्यशाला के आयोजन हेतु मैं उन्हें बधाई देता हूँ। ऐसी अनूठे प्रयासों से ही हम शिक्षा के माध्यम से समाज मे सकारात्मक परिवर्तन लाने में जरूर सफल होंगे और आज के इस कार्यशाला का शिक्षकों को शत प्रतिशत लाभ मिलेगा। इसके साथ ही मैं भावना बोहरा जी द्वारा एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने क्षेत्र के विकास, जनसेवा के कार्यों एवं विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे सराहनीय प्रयासों के लिए भी उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव सियाराम साहू जी, कवर्धा जनपद उपाध्यक्ष बीरेंद्र साहू , जिला भाजपा कोषाध्यक्ष रूपेश जैन , सीताराम साहू राजू पारख ,,धरमपाल कौशिक जी,जिला शिक्षा अधिकारी, तीनों विकासखंड के विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं भाजपा के वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

बिना वैध दस्तावेज के निवास कर रहे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 16 दिसंबर। जिले में संदिग्ध गतिविधियों और कानून-व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल तथा श्री पंकज पटेल के मार्गदर्शन में, अब तक जिले में कुल 57 व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जा चुकी है। चौकी पोड़ी और थाना लोहारा क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई। चौकी पोड़ी में 8 व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई एसडीओपी बोड़ला अखिलेश कौशिकऔर चौकी प्रभारी त्रिलोक प्रधान के नेतृत्व में की गई। थाना लोहारा में 10 व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की गई। कार्रवाई का नेतृत्व एसडीओपी लोहारा कृष्ण कुमार चंद्राकर और थाना प्रभारी लालमन साव ने किया। अब तक की कुल कार्रवाई में थाना कवर्धा और पंडरिया क्षेत्र में 39 व्यक्तियों और चौकी पोड़ी तथा थाना लोहारा क्षेत्र में 18 व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई। इन सभी के खिलाफ बी एन एस एस की धारा 128 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा की संदिग्ध व्यक्तियों और बिना वैध दस्तावेज निवास कर रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई जिले की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अत्यावश्यक है। मकान मालिक, होटल संचालक और धर्मशाला प्रबंधकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने यहां ठहरने वाले व्यक्तियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। ऐसा न करने वालों पर भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन आम नागरिकों से अपील करता है कि वे संदिग्ध व्यक्तियों या बिना वैध दस्तावेज के निवास कर रहे व्यक्तियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

चाकू लेकर घूम रहे थे,गिरफ्तार

भिलाई, 16 दिसंबर। भिलाई चाकू लेकर घूम रहे दो बदमाशों को छावनी पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपितों को पावर हाउस बस स्टैंड और नंदिनी रोड अंग्रेजी दारू भट्ठी के पास से पकड़ा गया है। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा के तहत कार्रवाई कर जेल भेजा है पुलिस ने बताया कि देना बैंक के पीछे स्वीपर मोहल्ला निवासी 19 वर्षीय आरोपित एस विनय को पावर हाउस बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया गया है उससे एक बटनदार चाकू बरामद किया गया है वह चाकू दिखाकर वहां से गुजरने वाले लोगों को धमका रहा था वहीं दूसरे मामले में देना बैंक के पीछे स्वीपर मोहल्ला साव किराना स्टोर्स के पास निवासी 26 वर्षीय आरोपित एस सोनू को नंदिनी रोड अंग्रेजी शराब दुकान के पास से गिरफ्तार किया गया है आरोपित भी लोगों को चाकू दिखाकर डरा रहा था गिरफ्तार किए गए ।

अंधियारखोर गांव में सुंदर तालाब के साथ दिखी बेहतर स्वच्छता

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

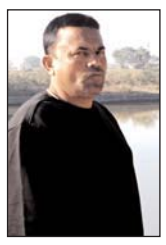

कवर्धा,16 दिसंबर। कबीरधाम जिले में पंडरिया विधानसभा में अंधियारखोर गांव में तरुण छत्तीसगढ़ ने सुबह सुबह स्वच्छता और पौधारोपण का जायजा लिया तो सुंदर तालाब ओर तालाब में जल स्वच्छ दिखी साथ ही तालाब के बाजू में सुंदर पौधारोपण भी दिखी । गांव की गलियों में बेहतर सड़के दिखी साथ ही लोगों के सुंदर सुंदर मकान भी दिखे । सरपंच संघ उपाध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी ने कहा की स्वच्छता ओर पौधारोपण के साथ साथ विकास कार्यों पर हमेशा फोकस रहता है । जिला पंचायत सदस्य चुनाव लड़ने की चर्चा हो रही है सवाल पर सरपंच संघ उपाध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी ने कहा की भाजपा पार्टी जो निर्देश देगी उसका पालन किया जाएगा । भाजपा सरकार के एक साल के कार्यकाल में कबीरधाम जिले में विकास की तस्वीर दिख रही है और सभी ने तय कर लिया है की जिला पंचायत में भाजपा की अधिक से अधिक सीटे जिताएंगे और जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा का फिर से बनेगा । पीएम मोदी के सपने को साकार कर रहे है सरपंच संघ उपाध्यक्ष प्रदीप पूरी गोस्वामी । गांव में स्वच्छता को देखकर कहा जा सकता है ।

दिल्ली एवं रायपुर की टीम आई फूलों के बाजार का निरीक्षण करने

भिलाई, 16 दिसंबर। नगर निगम भिलाई के द्वारा चलाए जा रहे शासन के पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत सुपेला दक्षिण गंगोत्री में फूलों का बाजार को व्यवस्थित ढंग से स्थापित किया गया है। जिसके अंतर्गत बागवानी के पौधे बेचने वाले व्यापारियों का समूह शासन की योजनाओं का लाभ लेकर के अपना रोजगार कर रहा है। शहर में चर्चा का विषय है किसी को भी जब अपने बागवानी के लिए, फूलों के पौधे, फलदार पौधे, पूजा करने वाले पौधे, गमले खाद, दवाई इत्यादि लेना रहता है। दक्षिण गंगोत्री में स्थापित फूलों को बाजार में आते हैं। वहां उन्हें उचित दर पर सब सामग्री मिल जाती है। इस दुकान की स्थापना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत शहरी आजीविका मिशन के माध्यम से किया गया है। वहां पर उन्हें सेड बना कर दिया गया, लोन दिया गया, पानी, लाइट की सुविधा दी गई। व्यवस्थित बाजार बना कर दिया गया है। इसी का निरीक्षण करने के लिए दिल्ली भारत सरकार से इंदु प्रकाश एवं राज्य सरकार रायपुर से दल आया हुआ था। उन्होंने व्यापारियों से बात किया । निगम भिलाई द्वारा प्रदान की जाएगी सुविधाओं की जानकारी ली गई। उन्हें बड़ी खुशी हुई कि भलाई के पौधा बेचने वाले व्यापारियों द्वारा उन्हें पौधों के बारे में, पौधे में किस बीमारी पर कौन सा दवाई डाला जाए, क्या उपयोगी होगा, किस मौसम में कौन सा पौधा लगाना चाहिए इत्यादि की बहुत अच्छी जानकारी है। अपने ग्राहकों को बड़ी बारीकी से जानकारी देते हैं दी। उनको यह भी बताया की नगर निगम भिलाई के यस यल आर एम सेंटर के द्वारा बनाई गई जैविक खाद बहुत उपयोगी है। जिसको वह लोगों को बेच रहे हैं। उसे उनको आय हो रहा है, उनका परिवार अच्छी तरह से चल रहा है।

गोकुल नगर कुरूद में खटालों को किया जाएगा व्यवस्थापित:आयुक्त

भिलाई, 16 दिसंबर। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में संचालित हो रहे खटालों को व्यवस्थित करने के लिए गोकुल नगर कुरूद में व्यवस्थापित किया गया था। गोकुल नगर योजना अंतर्गत ग्राम कुरूद स्थित नजूल भूमि खसरा नंबर 1030 रखवा 13.,12 हेक्टर नगर निगम भिलाई को आवंटित है। उक्त स्थल पर ही शहर में संचालित हो रही 164 पशु मालिकों के खटालों को उनके पशु संख्या के आधार पर ऑफर लेटर देकर के व्यवस्थापित किया गया था। 10 सितंबर 2007 में श्याम बायी एवं अन्य द्वारा 10 सितंबर 2007 को उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका का प्रस्तुत की गई थी। याचिकाकर्ता का कथन था कि उक्त भूखंड पर उनका मालिकाना हक है। जिसमें दिनांक 1.6. 2008 को शासन के पक्ष में यथा स्थिति कायम करने हेतु स्थगन आदेश पारित किया गया था। मतलब खटाल का आवंटन सही था। खटाल संचालित निर्विवाद रूप से हो सकता हो सकता है। पारित आदेश के विरुद्ध याचिका करता श्याम भाई और अन्य द्वारा उच्चतम न्यायालय सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में सुनवाई याचिका दायर की गई थी। जिसमें दिनांक 12.1.2016 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दायर याचिका याचिका खारिज कर दिया गया था। नगर निगम भिलाई के कर्मचारी श्याम भाई के पक्ष में स्टे मानकर चल रहे थे। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा इस केस का संज्ञान लिया गया। उन्होंने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की खोजबीन की तो पता चला कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह मुकदमा 12.01.2016 को खारिज कर दिया गया

है। नगर निगम भिलाई इसमें 164 खटाल संचालकों को जिनको ऑफर लेटर दिया गया था। उनसे पूरा पैसा जमा करवा कर आगे व्यवस्थापन की प्रक्रिया कर सकता है। आयुक्त पाण्डेय, जोन कमिश्नर ऐसा लहरे एवं स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को लेकर के कुरूद गोकुल नगर का निरीक्षण करने गए। वहां पर देखे खटाल मालिकों द्वारा जमीन पर आवंटन से अधिक कब्जा करके खटाल संचालित किया जा रहा है। उनको नगर निगम भिलाई द्वारा पानी, बिजली, सड़क की सुविधा प्रदान की जा रही है। अभी उनसे किसी भी प्रकार का संपत्ति कर एवं अन्य राजस्व कर नहीं लिया जा रहा है। आयुक्त द्वारा सर्वे करने का आदेश जारी किया गया। दल के सदस्य शरद दुबे प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी, अनिल मिश्रा प्रभारी सहायक जोन स्वास्थ्य अधिकारी, रामवृक्ष यादव अनुरेखक, अंजनी सिंह प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक, प्रश्नाधीन क्षेत्र में आवंटित खटाल संचालकों का सर्वे तीन दिन के अंदर सर्वे करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। दशरथ ध्रुव सहायक अधीक्षक, उम्मेष साहू अनुरेखक, संतोष पांडे प्रभारी लिपिक, कार्यालय व्यवस्था के अंतर्गत राजस्व विभाग के माध्यम से गोकुल नगर व्यवस्थापन योजना से संबंधित नस्तियों को संधारित करेंगे। गोकुल नगर व्यवस्थापन योजना के अंतर्गत आवश्यक मूलभूत सुविधा पानी, लाइट, सड़क आदि उपलब्ध कराने जाने के संबंध में अर्पित बंजारे उप अभियंता प्राक्कलन एवं प्रस्ताव तैयार कर लोन कार्यालय के माध्यम से आयुक्त को प्रस्तुत करेंगे। उपरोक्त गठित सर्वे दल द्वारा गोकुल नगर में जाकर के सर्वे का काम शुरू कर दिया है। किस खटाल मलिक को कितना भूखंड आवंटित किया गया था। उनके द्वारा वर्तमान पर कितने पर कब्जा है। कितने लोग खटाल संचालित कर व्यवसाय रहे हैं। कितने लोग बंद कर दिए हैं। इन सभी बिंदुओं पर सर्वे किया जा रहा है। वहां पर 164 पूर्व के खटाल मालिकों को जो व्यवसाय कर रहे हैं उनको व्यवस्थापित तो किया जाएगा ही, शेष जो नगर में अवैध रूप से खटाल संचालित कर रहे हैं उनको भी नियमानुसार व्यवस्थापित किया जाएगा। शासन की योजना अनुसार यह नगर निगम भिलाई का बड़ा कदम होगा। जिससे सफाई व्यवस्था और बेहतर होगी। एक सुंदर व्यवस्थित भिलाई की कल्पना साकार होगी।

ऑपरेशन मुस्कान में कबीरधाम पुलिस को मिली ऐतिहासिक सफलता

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 16 दिसंबर। छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जिले में ऑपरेशन मुस्कान अभियान का प्रभावी संचालन किया गया, जिसमें गुमशुदा बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए सतत प्रयास किए गए। यह अभियान आईजी राजनांदगांव रेंज दीपक झा के मार्गदर्शन और पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। ऑपरेशन मुस्कानन केवल पुलिस की कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाता है, बल्कि समाज में मानवीय मूल्यों की स्थापना का एक बेहतरीन उदाहरण भी है। अभियान की उपलब्धियां (सांख्यिकीय डेटा) जिले में 1 जनवरी 2024 से 15 दिसंबर तक कुल 131 बच्चे (17 बालक और 114 बालिकाएं) गुमशुदा दर्ज किए गए थे। पुलिस की योजनाबद्ध और प्रभावी कार्यप्रणाली के चलते

17 बालक की पूरी दस्याबी की गई। 102 बालिकाएं को सुरक्षित खोजकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। - कुल मिलाकर, 119 बच्चों (90.84त्न)की सफलतापूर्वक वापसी सुनिश्चित की गई। गुमशुदा बच्चों को खोजने के लिए पुलिस ने अपने प्रयास केवल कबीरधाम जिले या छत्तीसगढ़ राज्य में सीमित नहीं रखे। बल्कि तमिलनाडु, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान जैसे दूरस्थ राज्यों तक टीमें भेजी गईं, जहां सतर्कता और मेहनत से बच्चों को खोजा गया और उन्हें सुरक्षित वापस

लाया गया। यह कार्य पुलिस बल की दृढ़ इच्छाशक्ति और उत्कृष्ट टीम वर्क का परिचायक है। इस अभियान की सफलता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, डीएसपी मुख्यालय श्रीमती मोनिका सिंह परिहार साइबर सेल की विशेषज्ञ टीम, सभी एसडीओपी(कवर्धा, पंडरिया, बोड़ला, लोहारा), थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी और पुलिसकर्मियों ने कड़ी मेहनत की। साइबर सेल ने आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर बच्चों की लोकेशन ट्रेस की, वहीं फील्ड टीमों ने विभिन्न राज्यों में जाकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी सफलता हासिल की। कबीरधाम पुलिस ने इस अभियान को केवल कानूनी कार्रवाई तक सीमित न रखते हुए इसे एक मानवीय दायित्व के रूप में लिया। हर गुमशुदा बच्चे की खोज में पुलिस ने परिवारों की भावनाओं को समझते हुए संवेदनशीलता का परिचय दिया। बच्चों की वापसी पर उनके परिजनों ने राहत और खुशी व्यक्त की। कई परिवारों ने पुलिस की मेहनत को सराहते हुए इसे ÷एक नई आशा का प्रतीक÷ कहा। उनके चेहरे पर खुशी और धन्यवाद के भाव पुलिस की लगन और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा ऑपरेशन मुस्कान हमारी पुलिस टीम की कर्तव्यनिष्ठा और मानवता के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह सफलता हमारे संगठित प्रयासों और नागरिकों के सहयोग का परिणाम है। कबीरधाम पुलिस का यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा ताकि हर गुमशुदा बच्चा अपने परिवार से जल्द मिल सके। इस सफलता ने पुलिस और समाज के बीच विश्वास को और गहरा किया है। यह साबित हुआ है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ पुलिस मानवीय संवेदनाओं को भी प्राथमिकता देती है। कबीरधाम पुलिस नागरिकों के सहयोग और अपनी कर्मठ टीम के साथ समाज में सुरक्षा और सेवा के प्रति समर्पित है।

गणतंत्र दिवस परेड-25 के लिए पहली बार काजल निषाद का चयन

भिलाई, 16 दिसंबर। वैशाली नगर महाविद्यालय भिलाई के बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका कुमारी काजल निषाद ने इतिहास रच दिया है। गणतंत्र दिवस परेड 2025 दिल्ली में आयोजित होने वाले कर्तव्य पथ पर वैशाली नगर की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवक इस बार सलामी देने के लिए चयनित हुई है। पूरे मध्य क्षेत्र से लगभग 200 योग्य और कुशल स्वयंसेवकों के बीच प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई थी जिसमें काजल निषाद ने अपनी जगह बनाई है। काजल निषाद वैशाली नगर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई दो की स्वयंसेवक है जिसकी कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर चांदनी मरकाम हैं जिनके निर्देशन में काम करते हुए आगे बढ़ी है। काजल की इस उपलब्धि को प्राप्त करने में महाविद्यालय के प्रोफेसर महेश कुमार शैलेंद्र ने अपना बहुत सहयोग प्रदान किया है। महाविद्यालय की इतनी बड़ी उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती अलका मेश्राम ने प्रसन्नता जताते हुए काजल की इस उपलब्धि पर ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं।

एक नजर

पुलिस ने युवक को बस आफिस के सामने सट्टा पट्टी लिखते पकड़ा

डोंगरगढ़ 16 दिसंबर। मुखबीर से प्राप्त सूचना पर भगत सिंह चौक निवासी सलीम खान नामक व्यक्ति को नया बस स्टैण्ड मां बमलेश्वरी बस आफिस के सामने अवैध रूप से धन लाभ अर्जित करने के लिये अंको के सामने रूपये पैसो का दांव लगाकर कागज में सटटा पटटी लिखकर जुआ खिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। सट्टा खेलने वाले जुआड़िया पुलिस पार्टी को देखकर भाग गए। जहां एक व्यक्ति को कोरे कागज पर अंकों के सामने रूपये पैसों का दाव लगाकर सटटा लिखते हुये रंगे हाथ पकडे। जिसे नाम पता पूछने पर अपना नाम सलीम खान पिता बसरूद्दीन खान उम्र 53 साल निवासी भगत सिंह चौक वार्ड नंबर- 18 डोंगरगढ़ थाना डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव छ.ग. का रहने वाला बताया। जिसके कब्जे से नगदी रकम 1320 रूपये सहित अन्य सामग्री बरामद किया गया। आरोपी का कृत्य अपराध धारा छग जुआ (प्रतिशेध) अधिनियम 2022 धारा 6 का घटित करना पाये जाने से विधिवत दिनांक 14 दिसंबर के 16:00 बजे गिरफ्तार किया जाकर मामला अजमानतीय होने से गिरफ्तारी की सूचना परिजन को दी गई। प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

17 दिसंबर को छपारा मंडई-मेला का आयोजन

डोंगरगढ़ 16 दिसंबर। विकासखंड डोंगरगढ़ के ग्राम छपारा में आज 17 दिसंबर को मंडई- मेला का आयोजन रखा गया है। मड़ई के उपलक्ष्य में लोक धारा परसा के फुल कबीर धाम कवर्धा दानी वर्मा का कार्यक्रम रखा गया है। यह जानकारी उपसरपंच जितेन्द्र गेन्डरे व ग्राम प्रमुख मनोज पटेल के द्वारा दिया गया।

पंचायत और नगरीय चुनाव के लिए जिले में प्रथम चरण का प्रशिक्षण आयोजित

राजनांदगांव 16 दिसंबर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों पंचायत और नगरीय चुनाव का बिगुल बज गया है. इस अवसर पर राजनांदगाव ब्लाक में समस्त शिक्षकों और अन्य विभाग के कर्मचारियो का 14 और 15 दिसम्बर को क्रमशः 2 चरण में सुबह 10 से 1.30 और 2 से 5 बजे के बीच चुनाव का ट्रेनिंग दिया गया।राजनांदगाव ब्लॉक में कुल तीन हायर सेकेण्डरी स्कूलों में प्रशिक्षण दिया गया इसी क्रम में पी. एम. श्री सर्वेश्वर दास हायर सेकेण्डरी स्कूल में सुबह 10 से 1.30 बजे 15 संकुलो के शिक्षकों को ट्रेनिंग दिया गयाद्व इस अवसर पर सुरगी संकुल और सुंदरा संकुल के सभी शिक्षक ट्रेनिंग लिए जिसमे सुरगी हायर सेकेण्डरी से व्याख्याता श्री मती गीतांजलि साहू और समस्त व्याख्यातागणो में योगेश गौतम, बसंती शर्मा, दिनेश सिन्हा, चारुलता भौतमांगे, हेमलता साहू, स्मिता मिश्रा, किरण साहू, गीतांजलि साहू, चित्रलेखा साहू, नीरा ठाकुर, वीरेन्द्र टेम्भुरकर, निशा टेभूरकर,सुशील नारायण शर्मा, अरुणा साहू,देवेंद मंडावी, बलराम आर्य, पी टी आई राजाराम देवांगन,शिवम् झा आदि लोग उपस्थित थे।प्रशासन द्वारा मास्टर ट्रेनर लोगो को अच्छे से ट्रेनिंग दिया गया ।यह जानकारी व्याख्याता श्री मती गीतांजलि साहू ने दी है.

चोरी के आरोपी पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर किया गिरफ्तार

राजनांदगांव 16 दिसंबर। प्रार्थी हिमांशु जैन पिता स्व. डॉ. चंद्र कुमार जैन उम्र 39 साल निवासी साउथ ईस्टर्न कोल फिल्डस लिमि0, सीपत रोड, बिलासपुर, सरकण्डा, बिलासपुर, छत्तीसगढ ने दिनांक 09-12-2024 को थान उपस्थित आकर जबानी रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह साउथ ईस्टर्न कोल फिल्डस लिमिटेड बिलासपुर में मुख्य सर्तकता अधिकारी के पद पर पदस्थ है । दिनांक 08-12-2024 के करीबन 11-00 बजे प्रार्थी के पडोसी श्री मनमोहन तिवारी द्वारा प्रार्थी को फोन कर बताया कि आपके दुर्गा चौक राजनांदगांव स्थित पैतृक मकान के पीछे कमरे का लाईट जल रहा है, बताये तब प्रार्थी सूचना पाकर अपने सहयोगी को अपने घर की चाबी लेकर भेजा घर का मुख्य दरवाजा का कुंडी टुटा हुआ, घर के सभी कमरा के आलमारी खुले हुये हैं एवं समान बिखरे मिला 1 प्रार्थी दिनांक 08-12-2024 के करीबन शाम 06-00 बजे बिलासपुर से राजनांदगांव अपने घर आया तो दरवाजा खोलकर अंदर घुसकर देखा तो घर के सभी कमरा के आलमारी खुले हुये हैं एवं समान बिखरे हुये हैं एवं घर में रखे हुए रखे 05 जोडी सोने का टॉप्स अनुमानित कीमत 40,000/- रूपये, 02 नग सोने का चैन अनुमानित कीमत 80,000/- रू0, एक नग सोने का चैन रूद्राक्ष लगा हुआ अनुमानित कीमत 60,000/- रूपये, एक सोने का मंगलसुत्र अनुमानित कीमत 20,000/- रूपये , 04 नग सोने का अंगुठी अनुमानित कीमत 30,000/- रूपये, चांदी का कुछ बर्तन अनुमानित कीमत 10,000/- रूपये, एक नग टाईटन कपंनी का हाथ घडी अनुमानित कीमत 1,000/- रूपये, एक नग एल0जी0 कंपनी का एलसीडी टी0व्ही0 अनुमानित कीमत 6,000/- रूपये, एक नग फिलिप्स कंपनी का मिक्सी अनुमानित कीमत 1,200/- रूपये एवं तांबे का मोमेंटों एवं और कुछ सामान जो मेरी जानकारी में नहीं है, जुमला कीमती करीबन 2,48,200/- रूपये को कोई अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 532/2024 धारा 331 (4), 305 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

किसानों को परेशान होने की जरूरत नहीं अंतर की राशि एकमुश्त मिलेगी:द्विवेदी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 16 दिसंबर। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक व जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव के डायरेक्टर शशिकांत द्विवेदी ने विगत दिनो राजनांदगांव, खैरागढ़ छुईखदान गंडई व मोहला मानपुर जिला के धान उपार्जन केंद्रों द्वारा, भंडारपुर ,मुड़ीपार और गोटाटोला का आकस्मिक निरीक्षण कर उपार्जन केंद्रों में धान बेचने वाले किसानों से चर्चा की। किसानों ने धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी होने से साफ इनकार करते हुए कहा कि किसानों को धान बेचने में पहले ऑनलाइन टोकन के चलते परेशानी हो रही थी किन्तु अबऑफलाइन टोकन की भी व्यवस्था होने से किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं हो रही है। साथ ही उपार्जन केंद्रों में ही माइक्रो एटीएम के माध्यम से 10 हजार रु तक का भुगतान मिल जाने से छोटी-मोटी समस्याओं का स्थल पर ही निराकरण हो रहा है । श्री द्विवेदी ने बताया कि प्रदेश की विष्णुदेव सरकार किसानों का 21 क्विंटल तक प्रति एकड़ धान खरीद रही है।किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है । श्री द्विवेदी ने यह भी आश्वस्त किया कि धान के अंतर की राशि 3100 रुपए की दर से किसानों को एकमुश्त मिलेगी । पूर्व में कांग्रेस सरकार 2500 रु प्रति क्विंटल के हिसाब से धान खरीदी का वादा की थी परंतु कभी भी 2500 रुपए के हिसाब से धान के अंतर की राशि का भुगतान नहीं किया गया । श्री द्विवेदी ने कांग्रेसियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि किसानों को वह दिन भूला नहीं है जब किसानों से वर्मी कंपोस्ट के नाम पर जबरन वसूली की जाती थी और बारदाना में भी भ्रष्टाचार हुआ करता था। वहीं गिरदावली के नाम पर रकबा कटौती की जाती थी तथा कई किसानों का तो जीरो रकबा कर दिया जाता था। धान के अंतर की राशि चार किश्तों में आधा अधूरा भुगतान किया जाता था। यह सभी मुद्दे ऐसे थे जिससे किसान काफी परेशान थे । कांग्रेसी किस मुंह से धान के समर्थन मूल्य में बढ़ी हुई राशि के भुगतान करने की बात करते हैं।श्री द्विवेदी ने कांग्रेसियों को याद दिलाते हुए कहा कि 2018द्व19 में कांग्रेस सरकार के समय धान का समर्थन मूल्य ?1550 से बढ़कर ? 1750 हो गया था, तब क्या भूपेश सरकार धान के समर्थन मूल्य में बढ़ी हुई राशि को जोड़कर किसानों को ?2700 की दर से धान का भुगतान किया था ? नहीं किया था। इसी तरह 2022-23 तक धान का समर्थन मूल्य बढ़कर ? 2040 हो गया। अर्थात् कांग्रेस के शासनकाल में ही धान के समर्थन मूल्य में 5 साल में लगभग ?500 की वृद्धि हो गई थी किन्तु कांग्रेस सरकार ने तो बढ़े हुए समर्थन मूल्य के हिसाब से कभी भी अतिरिक्त भुगतान नहीं किया।

धूमधाम से मनाया गया केन्द्रीय विद्यालय संगठन का 62 वाँ स्थापना दिवस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 16 दिसंबर। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय राजनांदगाँव में केन्द्रीय विद्यालय संगठन का 62 वाँ स्थापना दिवस बड़े उत्साह एवं धूमधाम से मनाया गया द्य कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ द्य मुख्य अतिथि श्रीमान संजय अग्रवाल(द्बस्) कलेक्टर राजनांदगाँव एवं अध्यक्ष पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय राजनांदगाँव, विशिष्ट अतिथि श्रीमती ताबिश अहमद, सदस्य(1द्बष), पालक प्रतिनिधि श्री श्री अजित ओगरे (डीएसपी, राजनांगाँव), डॉ.श्वेता बंसोड (मेडिकल ऑफिसर राजनांदगाँव), सेवा निवृत शिक्षिका श्रीमती सुरीता सैनी ,भूतपूर्व छात्र श्री चित्रकान्त वर्मा, श्री देव उज्जवल बाफ़ना, सुश्री सोनाली वर्मा उपस्थित रहे द्य इस दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया द्य छात्र - छात्राओं के सामूहिक गीत, अस्बा फातिमा द्वारा प्रस्तुत केविसं. की आत्मकथा कविता, समृद्धि दूबे द्वारा प्रस्तुत नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहा द्य कक्षा 11 वि. के विद्यार्थी समृद्धि राजन एवं कमल महिपाल ने केन्द्रीय विद्यालय संगठन की यात्रा और गौरवान्वित इतिहास के बारे में बताया। भूतपूर्व विद्यार्थियों ने अपने स्कूली जीवन के अनमोल अनुभवो को साझा करते हुए केंद्रीय विद्यालय की विशेषताओं पर प्रकाश डाले । तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने अपने विद्यार्थी जीवन को याद करते हुए बच्चों को पढ़ने और सीखने तथा अपने जीवन में सफलता के शिखर को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किए।

स्काउट गाइड फैलोशिप के शिविर में पहुंचे राष्ट्रीय प्रेसिडेंशियल इन चीफ कल्पेश झावेरी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ 16 दिसंबर। डोंगरगढ़ में चल रहे पांच दिवसीय स्काउट गाइड फैलोशिप के एडवेंचर कैंप में पहले ही दिन अचानक फेलोशिप के राष्ट्रीय प्रेसिडेंशियल इन चीफ झारखंड के मुख्य न्यायाधीश कल्पेश झावेरी शाम 7 बजे पहुंचे। वे रायपुर में आयोजित वर्ल्ड अटास के तीन दिवसीय कार्यक्रम में आए हुए थे। श्री झावेरी अटास के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष है। डोंगरगढ़ पहुंचने में उनका स्वागत स्टेट कमिश्नर भारत स्काउट गाइड गोपाल खेमुका के नेतृत्व में स्काउट गाइड फैलोशिप के सदस्यों ने किया। सर्वप्रथम झावेरी ने रोपवे से ऊपर मंदिर पहुंचकर मां बमलेश्वरी देवी का पूजन अर्चन किये। इस अवसर पर उनके साथ फेलोशिप के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एम मिकी राष्ट्रीय सचिव देवेंद्र साखरे स्टेट कमिश्नर गोपाल खेमुका जसवीर बन्नोआना बमलेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल मंत्री व वरिष्ठ अधिवक्ता महेंद्र सिंह परिहार ट्रस्टी अजय सिंह ठाकुर ट्रस्ट के सहयोगी केशव नरेड़ी भी साथ थे । विधि विधान से मां बमलेश्वरी देवी का पूजन अर्चन आरती कर उन्होंने देश की खुशहाली की कामना की। तत्पश्चात वे ट्रस्ट मंडल के कार्यालय में पहुंचे। जहां ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष व मंत्री ने उनका स्वागत माता की फोटो व चुनरी भेंठकर किया। साथ ही ट्रस्ट मंडल के कार्यों की विस्तृत जानकारी भी उन्हें दी । स्वास्थ्य सेवा के कार्यों की जानकारी सुनकर वे प्रसन्न हुए। ट्रस्ट मंडल के कार्यों की प्रशंसा की। इस दौरान ट्रस्ट मंडल के प्रबंधक सहित अन्य लोग उपस्थित थे। तत्पश्चात श्री झावेरी स्काउट गाइड फैलोशिप कैंप पहुंचे वहां कैंप फायर कार्यक्रम में शामिल होकर देशभर से आए 70 कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने सेवा के क्षेत्र में आगे आकर समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने का आवाहन भी किया और कहा कि हमें जाति धर्म ऊंच नीच से ऊपर उठकर मानव समाज की निस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए तभी स्काउटिंग का उद्देश्य पूरा होगा।

चैत्र नवरात्रि पर्व-25 में ज्योति कलश प्रज्वलित कराने विशेष व्यवस्था 20 दिसम्बर से प्रारंभ

डोंगरगढ़ 16 दिसंबर। श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति डोंगरगढ़ के द्वारा आयोजित चैत्र नवरात्रि पर्व 2025 के लिये जो भक्त जन ऊपर मंदिर में ज्योति कलश स्थापित करवाना चाहते हैं, वे विशेष व्यवस्था के तहत दिनांक 20 दिसम्बर 2024 से ज्योति राशि जमा करा सकते है। ज्योति राशि ट्रस्ट के समस्त कार्यालय में 20 दिसम्बर 2024 से ऊपर मंदिर हेतु 1100 रुपये की राशि नगद, बैंक ड्राप्ट, या मनिआर्डर के द्वारा जमा करवाकर रसीद प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही साथ प्रतिदिन वर्ष भर होने वाले माता जी के विशेष अभिषेक श्रृंगार हेतु ऊपर मंदिर या नीचे मंदिर में 500 रुपये की रसीद कटाकर विशेष अभिषेक पूजन करा सकते है, या अपने विशेष अवसरों पर माता जी की विशेष पूजा के लिये 250 रु. की राशि जमा कराकर विशेष पुजा करा सकते है, तथा अनवरत चल रहे ऊपर मंदिर में भंडारा प्रसाद के लिये भी दान दे सकते है, यह व्यवस्था माता जी के भक्तजनों को बिशेष सुविधा के तहत दी जा रही है। उक्ताशय की जानकारी मंदिर ट्रस्ट समिति के मंत्री महेन्द्र परिहार ने दी है।

समाचार संक्षेप

नाईजीरियन सायबर ठग को पुलिस ने दिल्ली से किया गिरफ्तार

राजनांदगांव 16 दिसंबर। 29 जुलाई को प्राथिर्या ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि अज्ञात आरोपी द्वारा ह्यद्धड्डस्त्रद्ब.ष्शद्व की प्रोफाईल आईडी आलोक देशपांडे के नाम से प्रार्थिया से विवाह के संबंध मे बात कर स्वयं को यूनाईटेड किंगडम मे कार्यरत होना बताया एवं जल्द ही भारत वापस लौटकर प्रार्थिया से शादी कर घर बसाने की बात कहीं गयी। उसी दौरान दिनांक 11.07.2024 को प्रार्थिया के पास एक अनजान महिला के द्वारा फोन कर बताया कि आलोक देशपांडे भारत में दिल्ली एयर पोर्ट में विदेशी मुद्रा के साथ आये हैं, उस मुद्रा को भारतीय मुद्रा मे एक्सचेंज करने के लिये प्रक्रिया के तहत फीस जमा करनी होगी, उसी दौरान अज्ञात आरोपी आलोक देशपांडे ने भी प्रार्थिया को कॉल कर बोला कि पैसों की अर्जेन्ट जरूरत है साथ ही लगातार इमोशनल ब्लेकमेलिंग कर विभिन्न बैंक खातों में कई किस्तो मे कुल 15,72,000/- रूपये प्रार्थीया से डलवा कर ठगी कर लिया हैं साथ ही घटना मे प्रयुक्त सभी मोबाइल को बंद कर दिया गया है। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना डोंगरगांव में अपराध क्रमांक 189/2024 धारा 318 (4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था, विवेचना के दौरान सायबर सेल राजनांदगांव के माध्यम से उक्त ह्यद्धड्डस्त्रद्ब.ष्शद्व की प्रोफाईल आईडी, मोबाईल धारक का पतासाजी किया गया एवं उपयोग किये गये ह्यद्धड्डस्त्रद्ब.ष्शद्व के आईडी के संबंध में तकनीकी सहायता के माध्यम से आरोपी का पतासाजी किया गया। उक्त मोबाईल धारक का लोकेशन दिल्ली तिलक नगर होना पाया गया और घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक राजनादगांव श्री मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में एसडीओपी डोंगरगांव श्री दिलीप सिंह सिसोदिया के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी डोंगरगांव निरीक्षक श्री उपेन्द्र कुमार शाह एवं सायबर प्रभारी निरीक्षक श्री विनय पम्मार के नेतृत्व में थाना डोंगरगाव व साइबर सेल की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर दिल्ली के तिलकनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत चौखण्डी संतनगर एक्सटेंशन पर आरोपी के ठिकाने पर रेड कार्यवही किया गया जहाँ आरोपी किराये के मकान मे रह रहा था।

गायत्री महायज्ञ में शामिल हुई जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू

राजनांदगांव 16 दिसंबर। अंबागढ़ चौकी नगर में चल रहे 24 कुंडीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ मे आज राजनांदगांव जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू जी पहुंच कर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिए। यज्ञ हवन में शामिल होकर क्षेत्रवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की है और इस पुण्य कार्य के लिए गायत्री परिवार एवं नगर वासियों को बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिए। श्रीमती साहू ने कहा कि इस तरह के आयोजन होने से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और कार्यक्रमों के माध्यम से अध्यात्म संस्कृति और जन चेतना को बढ़ावा देने का प्रयास गायत्री परिवार द्वारा किया जा रहा है जो की अनुकरणीय है।

ब्लिसवॉटर इंडस्ट्रीज ने अपनी अवॉर्ड-विनिंग यक्षा को छत्तीसगढ़ में लॉन्च किया

रायपुर 16 दिसंबर। त्योहारी सीज़न के खास मौके पर, भारत की होमग्रोन एल्कोबेव और लाइफस्टाइल कंपनी ब्लिसवॉटर इंडस्ट्रीज ने अपनी अवॉर्ड-विनिंग यक्षा को छत्तीसगढ़ में लॉन्च किया है। यह भारतीय ग्रेन स्पिरिट्स के मिश्रण के लिए जानी जाती है और इसे भारत और विदेशों में खूब सराहा गया है। यह लॉन्च रायपुर के उद्यमी देवराज सिंह परमार के सहयोग से संभव हो पाया है। निर्माण और मेटल सप्लाई उद्योग में 12 वर्षों का अनुभव रखने वाले परमार ने कहा, यक्षा के साथ जुड़ना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा है। छत्तीसगढ़ में इस को लाने का हिस्सा बनकर मुझे गर्व है, और मुझे विश्वास है कि इसे यहां के कद्रदान खूब पसंद करेंगे। यह लॉन्च क्रिसमस और न्यू ईयर सेलिब्रेशन को और खास बनाने का एक बेहतरीन मौका है। यक्षा न सिर्फ एक अनूठा गिफ्ट विकल्प है, बल्कि इसे त्योहारी मौसम में एक यादगार अनुभव के रूप में भी एंजॉय किया जा सकता है। इस लॉन्च के बारे में बात करते हुए, वरना भट, जो ब्लिसवॉटर इंडस्ट्रीज की फाउंडर और मास्टर ब्लेंडर हैं, ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि यहाँ यक्षा को जरूर एंजॉय करेंगे। छत्तीसगढ़ हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मार्केट है, और यह विस्तार इस बात का प्रमाण है कि हम यक्षा को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचाने के लिए कमिटेड हैं।

सड़क डामरीकरण का विधायक सुनील सोनी ने किया भूमिपूजन

रायपुर 16 दिसंबर। पँडित सुन्दर लाल शर्मा वार्ड क्रमांक 42 के मैत्री नगर क्षेत्र और सुन्दर नगर मुख्य द्वार के सामने वाली सड़क के डामरीकरण विकास कार्य का भूमिपूजन रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी , वार्ड पार्षद मृत्युंजय दुबे ने आज किया ।लगभग 26 लाख 35 हजार रुपए की लागत से मैत्री नगर क्षेत्र में 600 मीटर सड़क डामरीकरण का कार्य होगा और सड़क की चौड़ाई पन्द्रह फिट रहेगी । वहीं सुन्दर नगर मुख्य द्वार में 42 फिट चौडाई की 100 मीटर लम्बी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के सामने वाली सड़क का डामरीकरण होगा । भूमिपूजन के अवसर पर रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी जी ने नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के समय उन्होंने रायपुर दक्षिण की जनता को विश्वास दिलाया था कि वे चुनाव के बाद विकास को प्रथमिकता देंगे और दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के एक माह के अन्दर ही करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन प्रारम्भ हो गया है उसी क्रम में आज सुन्दर नगर - मैत्री नगर क्षेत्र की सड़कों का डामरीकरण किया जा रहा है ।

तेज रफ्तार स्कूटी चालक ट्रैक्टर ट्राली से टकराई, एक मृत अन्य दो युवक घायल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 16 दिसंबर। स्कूटी चालक द्वारा तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर डोंगरगढ़-खरखाटोला स्थित पुल में खड़े कुबोटा सोल्ड ट्रेक्टर के ट्राली को पीछे से आकर ठोंक दिया जिससे स्कूटी में सवार तीनों वहीं पर गिर गये। एक्सीडेंट से सुरेश नेताम के सिर में गंभीर चोंट लगा। जिन्हें ईलाज हेतु सीएचसी डोंगरगढ़ लाया गया.जहां डॉक्टर द्वारा चेक करने पर 26 वर्षीय सुरेश नेताम को मृत होना बताया। प्रार्थी पोषण कुमार चंद्रवंशी पिता भोलाशंकर चंद्रवंशी निवासी ग्राम कहुआपानी थाना बोरतलाव ने पुलिस को बताया गांव के ही रहने वाले सुरेश नेताम का ईटभट्ठा ग्राम खरखाटोला में है। जिसमें कभी-कभी ईट, रेत, कुटटी को ले जाने के लिए मेरे कुबोटा कंपनी ट्रेक्टर सोल्ड का उपयोग वह करता था।

दिनांक 13 दिसंबर के सुबह 8 बजे महेश नेताम, सुरेश नेताम, तुलसी साहू के द्वारा कुटटी को ले जाने मेरे घर से सुरेश नेताम ट्रेक्टर को चलाते हुए ग्राम खरखाटोला लेकर गया था। कुटटी छोड़कर वापस आ रहा था तो ट्रेक्टर के डीजल खत्म होने से ट्रेक्टर को चंदन रेस्टोरेंट के सामने खरखाटोला पुलिया के ऊपर साईड में खड़ा कर दिया था। तुलसी साहू अपने स्कूटी को अपने घर से डीजल लाने के लिए खरखाटोला पुल के पास लेकर आए। उसके बाद स्कूटी में तीनों बैठकर डीजल लेने बोरतलाव गये थे। सुबह 11 बजे स्कूटी क्रमांक सीजी 04 एमके 9846 को सुरेश नेताम तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए आ रहा था उसके पीछे में तुलसी साहू, महेश नेताम बैठे हुए थे। स्कूटी को तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर खरखाटोला पुल में खड़े सोल्ड ट्रेक्टर के ट्राली को पीछे से आकर ठोंक दिया, जिससे तीनों वहीं पर गिर गये। एक्सीडेंट से तुलसी साहू के बायें गाल, नाक, महेश नेताम के सिर, बायें आंख तथा सुरेश नेताम के सिर में गंभीर चोंट लगा था, जिन्हें ईलाज हेतु सीएचसी डोंगरगढ़ लेकर गये जहां डॉक्टर द्वारा चेक करने पर सुरेश नेताम पिता आशाराम नेताम उम्र 26 वर्ष निवासी कहुआपानी थाना बोरतलाव को मृत होना बताया।

समाज सेवा के क्षेत्र में आगे आकर मुक्त हस्त से कार्य करें

स्काउट गाइड फैलोशिप का राष्ट्रीय एडवेंचर शिविर प्रारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 16 दिसंबर। मां बमलेश्वरी देवी की नगरी डोंगरगढ़ में स्काउट गाइड फेलोशिप के पांच दिवसीय राष्ट्रीय एडवेंचर शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ने किया इस अवसर पर साउथ कोरिया से पधारे वर्किंग प्रेसिडेंट एम ए मिकी, बमलेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम अनुविभागीय अधिकारी मनोज मरकाम अग्रवाल समाज के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण अग्रवाल फेलोशिप के प्रदेश कोषाध्यक्ष रमेश जैन व डॉक्टर पन्नालाल बाफना मंचस्थ थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने कहा कि यह लेने वाली नहीं बल्कि देने वाली संस्था है स्काउट गाइड 25 वर्ष तक युवाओं की संस्थाएं 25 वर्ष से कुमार वाले स्काउट गाइड फैलोशिप के सदस्य बन सकते हैं समाज सेवा के क्षेत्र में यह एक अच्छा सेवा का प्रकल्प माध्यम है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय वर्किंग प्रेसिडेंट एम मिकी ने संस्था की बारीकियां बताते हुए कहा कि इस संस्था के बैनर तले समाज सेवा के क्षेत्र में हम सभी लोग मिलजुल कर काम कर रहे हैं यह संस्था वयस्क लोगों की संस्था है जो देश में समाज सेवा करते हैं और लोगों को इसके लिए प्रेरित भी करते हैं संस्था के बारे में उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी भी उन्होंने दी। राष्ट्रीय एडवेंचर शिविर के बारे में बताते हुए राष्ट्रीय सचिव देवेंद्र साखरे ने 5 दिनों तक चलने वाले कैंप की जानकारी दी और बताया कि देश के 17 राज्यों से स्काउट गाइड फेलोशिप के सदस्य यहां एकत्र हुए हैं जिनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे दक्षिण पूर्व रेलवे केरल कर्नाटक दमन दीप गुजरात राजस्थान छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र सदन रेलवे मध्य प्रदेश दिल्ली स्टेट वेस्ट बंगाल वेस्टर्न रेलवे उत्तर प्रदेश डीएनएच के प्रतिनिधि मंडल शामिल हुए हैं मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा की छत्तीसगढ़ राज्य के डोंगरगढ़ में इस तरह का आयोजन होना गौरव की बात है क्योंकि इस कार्यक्रम में भारत के 17 राज्यों से प्रतिनिधि मंडल शामिल हो रहे हैं यह नगर के लिए गौरव की बात है उन्होंने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व स्टेशन मास्टर विश्वनाथ यादव ट्रस्ट मंडल के सदस्य गोविंद चोपड़ा अजय सिंह ठाकुर जसबीर बन्नोआना अजय बिंदल शंकर वर्मा पूर्व पालिकाध्यक्ष धीरज मेश्राम गणेश नरेड़ी के अलावा स्काउट गाइड फैलोशिप की स्थानीय टीम सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। पांच दिनों तक चलने वाले इस शिविर की प्रमुख मधु कालिया दिल्ली उपप्रमुख गोपाल खेमुका लीडर सीमा राठी जयपुर सहायक लीडर देवेंद्र साखरे समन्वयक संजय सरजारे प्रमुख रूप से आयोजक के रूप में उपस्थित थे।

संपादकीय

संविधान का सम्मान कम अपमान ज्यादा

इस देश में संविधान के सम्मान की बातें कम करने वाले तो बहुत है, खासकर राजनीति में संविधान का सम्मान रोज के आचरण में करने की बात आती है तो सौ में नब्बे राजनीतिक दल फेल हो जाते हैं क्योंकि संविधान उनके लिए व्यवहार व आचरण की बात नहीं है,वह तो सिध्दांत के तौर पर ही ठीक लगता है। क्योंकि राजनीतिक दल यदि संविधान के अनुसार आचार व विचार करेंगे तो उनके लिए राजनीति करना मुश्किल हो जाएगा।क्योंकि राजनीतिक दलों को रोज झूठ बोलना पड़ता है, रोज किसी के साथ छल फरेब करना होता है। रोज देश व समाज को बांटने वाली बातें की जाती हैं।वोट बैंक के लिए एक वर्ग को हर तरह से संतुष्ट करने का प्रयास किया जाता है और एक वर्ग की उपेक्षा की जाती है। इसलिए राजनीतिक दलों के लिए सुविधा की बात यह होती है कि कौन संविधान का सम्मान करता है कौन संविधान का सम्मान नहीं करता है। इस पर बहस की जाए और साबित किया जाए कि संविधान का अपमान तो इसने ज्यादा किया है क्योंकि सत्ता में जो राजनीतिक दल ज्यादा समय तक रहता है, स्वाभाविक रूप से वहीं संविधान का अपमान ज्यादा करता है। देश की सत्ता में कांग्रेस ज्यादा समय तक सत्ता में रही है इसलिए उसके पास संविधान का अपमान करने का मौका ज्यादा था,वह तो एक समय में सोचती थी, उसका तो कोई विकल्प नहीं है,इसलिए वह खुद को संविधान से ऊपर से समझती थी, वह सोचती थी कि वह देश में जो चाहे कर सकती है। उसके लिए लोकतंत्र व संविधान खिलवाड़ करना रोज की बात थी। उसने किया भी है, आपातकाल इस देश में वही लगा सकता है जो खुद को लोकतंत्र व संविधान से ऊपर समझता है जिसको यह वहम हो कि इस देश के जनता के सामने कांग्रेस का कोई विकल्प नहीं है, इस देश की जनता की मजबूरी है कि वह कांग्रेस को चुनेगी और बार बार चुनेगी।कांग्रेस के लिए राज्यों में दूसरे दलों की चुनी हुई सरकारे कोई मायने नहीं रखती थी, जनादेश उसके लिए कोई मायने नहीं रखता था, वह जब चाहे सरकार गिरा देती थी और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा देती थी, इसका सबसे ज्यादा दुरुपयोग कांग्रेस के समय किया गया इसलिए माना जाता है कि कांग्रेस ने संविधान का सबसे ज्यादा अपमान किया है।लोकसभा में संविधान के 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा का आयोजन किया गया तो कांग्रेस को समझ जाना था कि इसमें उसकी सबसे ज्यादा खिंचाई होने वाली है क्योंकि कांग्रेस की शासनकाल संविधान के अपमान की अपमान की घटनाओं के भरा पड़ा है। माना तो यह जाता है कि संविधान का अपमान करना कांग्रेस की आदत हो गई है। इसी बात को पीएम मोदी ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा है कि कांग्रेस ने संविधान का खून चखने के बाद संविधान को बार-बार लहूलुहान किया। उन्होंने कांग्रेस को संविधान का शिकार करने वाली पार्टी बताया।यही वजह है कि छह दशक में कांग्रेस ने 75 बार संविदान बदला। जब संविधान को लागू हुए कुछ ही महीने हुए थे तो पं.नेहरू सरकार ने संविधान में पहला संशोधन किया था अभिव्यक्ति की आजादी को नियंत्रित करने के लिए। कुछ पत्रिकाओं ने उनकी सरकार की आलोचना की थी तो यह आलोचना उनसे सहन नहीं हुई और पत्रिकाओं पर बैन लगा दिया गया था,जिसे कोर्ट ने गलत कहा था तो नेहरू सरकार ने अभिव्यक्ति आजादी को कम करने के लिए संविधान में संशोधन किया था। इसके बात को अपने राजनीतिक फायदे के लिए कांग्रेस किस तरह संविधान संशोधन किए यह तो इतिहास की बात है। मुसलमानों के तुष्टिकरण तक के लिए संविधान में संशोधन किया गया।संविधान चर्चा के दौरान इन बातों को कांग्रेस के पास पहले भी कोई जवाब नहीं था, संसद में नहीं था, उसके नेता संविधान पर चर्चा के बहाने अपने मन की भड़ास निकालते रहे। मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की लेकिन उनके पास मोदी सरकार ने संविधान का अपमान कब किया इसका कोई जवाब नहीं था, मोदी सरकार ने आज तक किसी राज्य सरकार को भंग कर वहां राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया है, सरकार के गिरने के बाद ही राष्ट्रपति शासन लगाया है। पं, बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर होने पर मोदी सरकार ने वहां राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया। मोदी सरकार पर राहुल गांधी व कांग्रेस अघोषित आपातकाल लगाने का आरोप लगाते हैं लेकिन यह आरोप जब झूठा साबित हो जाता है जब कांग्रेस मोदी सरकार की खुलकर आलोचना करती है, मीडिया वाले खुल कर आलोचना करते है, यहां तक मोदी के लिए अपशब्दों का प्रयोग भी किया जाता लेकिन मोदी सरकार ने किसी के बोलने पर कोई रोक नहीं लगाई, किसी चैनल, किसी मैगजीन पर मोदी सरकार कोई रोक नहीं लंगाई है। बात जब देश व राष्टहित की आई है जरूर कुछ यू ट्यूब चैनलों पर रोक लगाई है। मोदी सरकार पर संविधान बदलने, संविधान को नष्ट करने का प्रयास करने का आरोप लगाया जाता रहा है लेकिन दस साल में ऐसा कुछ हुआ नहीं है और आरोप लगाने वाले ही झूठे साबित हुए हैं। लोकसभा में पहली बार प्रियंका गांधी बोली लेकिन उन्होंने जो कुछ कहा उससे साफ था कि जो लोग राहुलगांधी को लिखकर देने वाले लोग हैं वही लोग प्रियंका गांधी को भी लिखकर देने वाले थे, इसलिए कहीं कहीं तो लगा कि प्रियंका गांधी बोल रही है लेकिन ज्यादातर समय यही लगा कि राहुल गांधी बोल रहे हैं, राहुल गांधी जैसी गलती करते हैं, वैसी ही गलती प्रियंका गांधी ने भी की हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है और वह कांग्रेस सरकार की ही संसद में आलोचना करती रहीं। प्रियंका गांधी बोलने में राहुल गांधी से बेहतर हैं लेकिन उनको अभी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। जहां तक राहुल गांधी सवाल है तो वह वामपंथियों के घिरे हुए है तो वही बोलते हैं जो वह चाहते हैं। इस बार वामपंथियों की रची हुई झूठी एकलव्य की कहानी के बहाने मोदी सरकार की आलोचना की लेकिन इस कहानी की हकीकत देश के लोगों को मालूम है इसलिए राहुल गांधी की एकलव्य की कहानी का कोई असर देश पर नहीं होने वाला है, इससे तो साबित हो गया हैकि इन दिनो राहुल गांधी वामपंथियों की तरह सोच रहे हैं, बोल रहे हैं। जिस तरह वामपंथी देश में बुरी तरह अपनी सोच के कारण फेल हुए राहुल गांधी भी हो रहे है और आगे भी होंगे।

यादें

जाकिर हुसैन को किसने दिया उस्ताद नाम

तबले पर उंगलियां थिरकाकर लोगों को बैठे-बैठे उनकी सीट पर झुमा देने वाला उस्ताद जाकिर हुसैन अब इस दुनिया में नहीं रहे। भारत के सबसे प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकारों में से एक मशहूर तबला वादक (ळुं" स्त्र"८-ी१) जाकिर हुसैन का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में सोमवार सुबह (भारतीय समय के अनुसार) 73 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। परिवार ने सोमवार अल सुबह उनके मौत की पुष्टि की है। जाकिर हुसैन को किसने उस्ताद नाम दिया?, किसने उन्हें तबले की जादुगरी सिखाई?, कैसे उनकी शादी हुई? उस्ताद की अनसुनी कहानियों को हम यहां छुने की कोशिश करते हैं।

पंडित रविशंकर ने दिया उस्ताद नाम-सदी के सबसे महान सितारवादकों में से एक पंडित रविशंकर के साथ उस्ताद जाकिर हुसैन की जुगलबंदी की पूरी दुनिया मुरीद है। जब भी दोनों की जुगलबंदी शुरू होती थी तो वहां मौजूद सभी लोग झूमने लगते थे। सभी लोगों को एक अलग ही दुनिया में होने का एहसास होता था। तबले पर उंगलियां थिरकाकर लोगों को बैठे-बैठे उनकी सीट पर झुमा देने वाले हुनर को देखते हुए महान सितारवादक पंडित रविशंकर ने ही जाकिर हुसैन को सबसे पहले उस्ताद नाम दिया था। इसके बाद से ही जाकिर हुसैन उस्ताद जाकिर हुसैन के नाम से पूरी दुनिया में पहचाने गए।

पिता ने सिखाई तबले पर उंगलियां थिरकाने की जादुगरी-20वीं सदी के सबसे विख्यात तबलावादक उस्ताद अल्लाह रक्खा कुरैशी ने जब अपने बेटे को गोद में लिया था तो कान में आयत नहीं पढ़ी, बल्कि तबले के बोल कहे। जब परिवार ने वजह पूछी तो कहा, तबले की ये तालें ही मेरी आयत है। वो बच्चा था जाकिर हुसैन, जिसने दुनियाभर को तबले की थाप पर झूमने का मौका दिया। उनके पिता का भी मौसिकी की दुनिया में बड़ नाम था। वो भी तबला वादक थे। तबले पर जुगलबंदी करने का शौक उस्ताद को पिता को देखकर लगा। पिता ने भी बेटे को शिद्दत से तबले की बारीकियां सिखाई. उस्ताद ने भी उन्हें नाराज नहीं किया, अपने समर्पण से उस्ताद ने बहुत जल्द तबले की हर बारीकी को न सिर्फ समझा, बल्कि उसे अपनी सांसों में समाते हुए जिंदगी में उतार लिया और पूरी दुनिया उनकी मुरीद है।

पहली कमाई में मिले 5 रुपये-जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को महाराष्ट्र में उस्ताद अल्लाह रक्खा और बावी बेगम के घर हुआ था। बचपन पिता की तबले की थाप सुनते ही बीता और 3 साल की उम्र में जाकिर को भी तबला थमा दिया गया, जो फिर उनसे कभी नहीं छूटा। जाकिर हुसैन ने अपने पिता से तीन साल की उम्र में ही मृदंग (एक शास्त्रीय वाद्य) बजाना सीख लिया था। 12 साल की उम्र से ही वह म्यूजिक शो में परफॉर्मेंस देने लगे थे। उस दौरान आयोजकों में से किसी एक ने छोटे से जाकिर को अल्ला रक्खा खान के सुपुत्र होने की वजह से स्टेज पर पुकारा. उम्दा प्रदर्शन की वजह से उस दिन उन्हें इनाम में 5 रुपए मिले थे। उस दौर में वो बड़ी रकम थी। उससे बड़ी बात ये कि उन्हें ये कमाई संगीत की कई महान विभूतियों के बीच मिली। ये किस्सा बताते हुए जाकिर हुसैन साहब ने कहा था कि वो उनके लिए सबसे कीमती तोहफों में से था।

उस्ताद का निकाह-जाकिर हुसैन ने 1978 में एक कथक परफार्मर एंटोनिया मिनेकोला से शादी की. एंटोनिया इटैलियन अमेरिकी थीं। फैमिली की बात करें तो उनकी दोनों बेटियां अनीसा और इसाबेला कुरैशी हैं।

एकसाथ तीन ग्रैमी अवॉर्ड समेत 5 बार यह अवार्ड जीतने वाले इकलौते भारतीय-इसी साल, 2024 में इस बैंड को 3 ग्रैमी अवॉर्ड से नवाजा गया है। वे एकसाथ 3 ग्रैमी अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय हैं। छह दशकों के शानदार करियर के दौरान, उन्होंने पांच ग्रैमी अवॉर्ड सहित कई अंतरराष्ट्रीय सम्मान हासिल किए हैं। एकसाथ तीन ग्रैमी अवॉर्ड समेत 5 बार यह अवार्ड जीतने वाले इकलौते भारतीय हैं।

दो बार मिल चुका है पद्म विभूषण-उस्ताद जाकिर हुसैन को उनकी पीढ़ी का सबसे महान तबला वादक माना जाता है। भारत के सबसे प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकारों में से एक जाकिर हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया जा चुका है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन रोजगार की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको अपने किसी परिजन की याद सता सकती है। बिजनेस में आप किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखा सकते हैं, जिसमें आपसे गड़बड़ी होने की संभावना है। आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें, नहीं तो वह आपकी चुगली लगा सकते हैं। आप अपने वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखें, जिससे आपके आपसी रिश्ते भी अच्छे रहेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको किसी बात को लेकर अपनी माताजी से बहसबाजी होने की संभावना है। आप अपने घर के कामों को लेकर जीवनसाथी को कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। आप भाई बहन से यदि धन संबंधित मदद मांगेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगी। आपको किसी काम में बेवजह बोलने से बचना होगा, नहीं तो इससे आपका कोई लड़ाई झगड़ा होने की संभावना है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसान देगा। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी। आपको किसी मित्र की याद सता सकती है। यदि आप जीवनसाथी के लिए किसी बिजनेस की शुरूआत करने की सोच रहे थे, तो उसके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आप अपने घर में कुछ बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। परिवार में कोई सदस्य आपसे नाराज हो सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है। आपके घर आज किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जहां आपकी साख चारों ओर फैलेगी। आपके कुछ नए मित्र भी बनेंगे। आपने यदि किसी से कोई वादा किया था, तो उसे भी आप पूरा करने की कोशिश करेंगे। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। आप बेवजह किसी मामले में ना बोलें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपकी इनकम बढ़ने से आपको खुशी होगी। आप किसी नए मकान दुकान प्लाट आदि की खरीदारी भी कर सकते हैं। आपके मित्र के रूप में आपके कुछ नए शत्रु हो सकते हैं, जिन्हें आपको पहचाना होगा। आपके बिजनेस की योजनाओं को गति मिलेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। माता-पिता की सेहत पर आप पूरा ध्यान दें, क्योंकि उसमें गड़बड़ी होने से आप परेशान रहेंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अपने बढ़ते खर्च पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चले, तभी आप अपने खर्चों को कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। आपने यदि खर्चों को कंट्रोल नहीं किया, तो आप अपने संसाधन को भी काफी हद तक समाप्त कर सकते हैं। आप जीवनसाथी को कहीं शॉपिंग पर लेकर जाएंगे, जिसमें आप अपनी जेब का ख्याल अवश्य रखें। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। आपकी मान व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए कानूनी मामलों में अच्छा रहने वाला है। आपकी आय में वृद्धि होने से खुशी होगी और आपको किसी पैतृक संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आपने यदि किसी काम को लेकर ढील, तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा होगा। परिवार में संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती है, जिसे आप पूरी अवश्य करेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा में यदि कुछ समस्याएं आ रही थी, तो वह भी उनके किसी मित्र की मदद से दूर होते दिख रही हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। कार्य क्षेत्र में आपसे कामों में कोई गड़बड़ी हो सकती है। आपका कोई सहयोगी आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को इन्वेस्टमेंट करना अच्छा रहेगा। आपको यदि करियर को लेकर कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने घर किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम को लेकर आ सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्य से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी। धार्मिक आयोजनों में आप सम्मिलित हो सकते हैं, जिससे आपका मन खुश रहेगा। आप किसी के प्रति अपने मन में ईर्ष्या द्वेष की भावना ना रखें। कोई काम को करने के लिए आप अपने पिताजी से सलाह मशवरा कर सकते हैं, जो आपको कोई अच्छी सलाह देंगे। भाई व बहन आपके कामों में आपका पूरा साथ देंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपके कुछ नए मित्र बन सकते हैं, लेकिन कामों में आपके शत्रु भी आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आपको अपने किसी सहयोगी की बात बुरी लग सकती है। आप अपने आसपास रह रहे लोगों से दूरी बनाकर रखे, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। किसी नए काम की शुरूआत करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपनी माताजी को ससुराल पक्ष के लोगों मेल मिलाप कराने लेकर जा सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है। आपको किसी दूर रहने पर परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। बिजनेस में भी किसी डील को लेकर आप यदि परेशान चल रहे थे, तो वह भी फाइनल हो सकती है। आपको अपने पिताजी से किसी मन की बात को कहने का मौका मिलेगा। विद्यार्थियों किसी स्कॉलरशिप से संबंधित एग्जाम को दे सकते हैं, जिसके लिए उन्हें मेहनत थोड़ी अधिक करनी होगी। आपका कोई लिया गया निर्णय आपके लिए अच्छा रहेगा, जिससे आपको खुशी होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। आपने यदि किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखाई, तो उसमें गड़बड़ी होने की संभावना है। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। पारिवारिक समस्याओं को आप मिल बैठकर दूर करें, नहीं तो आपकी टेंशन बढ़ेगी।

दिल छूती थी तबलावादक जाकिर हुसैन की थाप

देश के लोकप्रिय कलाकार और संगीत रत्नों में से एक तबला वादक जाकिर हुसैन अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका 73 वर्ष की आयु में सैन फ्रांसिस्को में इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस के कारण निधन हो गया, सोमवार को उनके परिवार की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में इसकी पुष्टि की गई है। रविवार को हालत खराब होने पर उन्हें सैन फ्रैंसिस्को के अस्पताल में भर्ती किया गया है और शाम को उनके सीरियस होने की खबर आई थी। उनके मित्र बांसुरी वादक राकेश चौरसिया ने पीटीआई को बताया था कि जाकिर की हालत काफी खराब है और उनके परिवार के लोग उन्हें लेकर बहुत ज्यादा परेशान हैं। आपको बता दें जाकिर हुसैन संगीत की दुनिया के वो सितारा थे, जिनकी चमक को शब्दों में परिभाषित करना मुश्किल ही नहीं नामुमकीन है। भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में जब तबला का नाम लिया जाता है तो उस्ताद जाकिर हुसैन का नाम सबसे पहले जेहन में आता है। अपनी कला से उन्होंने न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में तबला को एक अलग पहचान दिलाई । उनकी उंगलियों से तबले पर निकलने वाली धुनें मानो आत्मा को छू जाती हैं, जो भी उनकी थाप सुनता था, वो कहता था- 'वाह उस्ताद वाह।'

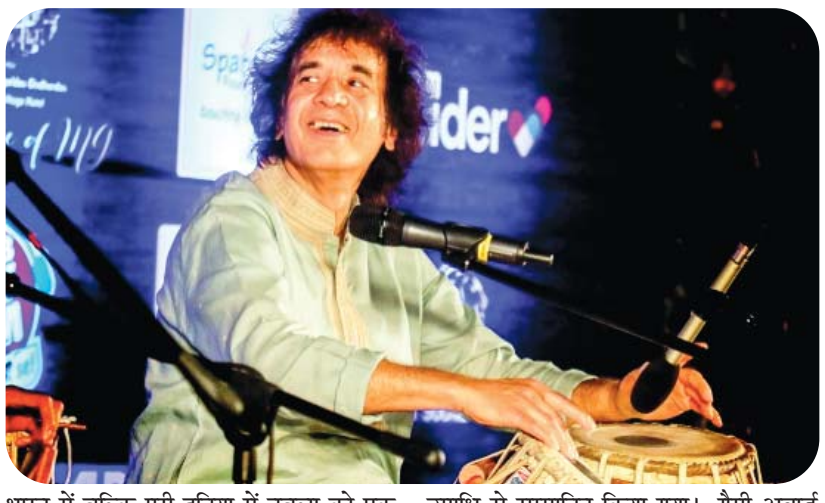

जन्म 9 मार्च 1951 को महाराष्ट्र के मुंबई शहर में हुआ-उस्ताद जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को महाराष्ट्र के मुंबई शहर में हुआ। उनके पिता उस्ताद अल्ला रक्खा खान, तबले के महान उस्ताद थे उन्होंने ही अपने बेटे को तबले की सारी विद्याएं बताई थीं। संगीत जाकिर हुसैन को विरासत में मिला लेकिन उन्होंने अपने हूनर से नई ऊंचाईयां दीं। उन्होंने कम उम्र में ही अपने पिता से तबले की विधिवत शिक्षा लेना शुरू कर दिया था।

संगीत का सफर-जाकिर हुसैन ने अपने करियर की शुरूआत छोटी उम्र में कर दी थी। वे 11 साल की उम्र में स्टेज प्रोग्राम करने लगे थे। उन्होंने न केवल भारतीय शास्त्रीय संगीत में बल्कि पश्चिमी संगीत में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था।उन्होंने पंडित रवि शंकर, उस्ताद अली अकबर खान, पंडित शिवकुमार शर्मा और हरिप्रसाद चौरसिया जैसे दिग्गज संगीतकारों के साथ काम किया। उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान तब बनी जब उन्होंने यो-यो मा, जॉन मैकलॉफलिन और मिकी हार्ट जैसे प्रसिद्ध पश्चिमी कलाकारों के साथ शो किए।

कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित - 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया। ग्रैमी अवार्ड (1992), जो उन्हें 'प्लैनेट ड्राम्स' एल्बम के लिए मिला। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार - फिल्म मृगया और इन कुस्तोडिया डेल कोंडोर के लिए संगीत निर्देशन में।

भारतीय और पश्चिमी संगीत का बेजोड़ संगम-वे शक्ति नामक विश्व प्रसिद्ध बैंड के सह-संस्थापक भी रहे हैं, जिसमें भारतीय और पश्चिमी संगीत का बेजोड़ संगम देखने को मिलता है।

विश्लेषण

संसदीय गरिमा पर अविश्वास

प्रियंका सौरभ

राज्यसभा में सभापति के खिलाफ विपक्ष खेमे ने अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। भारतीय संसद के इतिहास में यह पहला मौका होगा, जहां राज्यसभा में किसी सभापति के खिलाफ अविश्वास का नोटिस आया हो। दरअसल, यह मौका इसलिए सामने आया, क्योंकि सभापति के सदन में रुख से सभी विपक्षी दल नाखुश थे। विपक्ष का आरोप है कि सभापति हमेशा सत्तारूढ़ खेमे का पक्ष लेते हैं और विपक्ष की आवाज दबाते हैं। विपक्ष आसन को निष्पक्ष देखना चाहता है, लेकिन पिछली लोकसभा के बाद जब 18वीं लोकसभा में भी राज्यसभा में चीजें नहीं बदलीं तो पिछले सत्र में प्रस्ताव लाने की चर्चा चलाकर विपक्ष ने कोई कड़ा कदम उठाने का संदेश देने की कोशिश की।

संसद में पीठासीन अधिकारियों की भूमिका तटस्थता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि संसदीय कार्यवाही निष्पक्ष और निष्पक्ष तरीके से संचालित हो। हाल ही में, विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव उठाया, जिसमें उन पर पक्षपात करने का आरोप लगाया गया। यह स्थिति लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता के लिए प्रमुख नेतृत्व भूमिकाओं में निष्पक्षता बनाए रखने के महत्त्व को उजागर करती है। संसदीय कार्यवाही की तटस्थता बनाए रखने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका बहस में निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। पीठासीन अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि सभी सांसदों को, चाहे वे किसी भी पार्टी से सम्बद्ध हों, बहस में भाग लेने के समान अवसर दिए जाएँ। निर्णयों में निष्पक्षताः अध्यक्ष द्वारा किए गए निर्णय पक्षपातपूर्ण झुकाव के बजाय संसदीय प्रक्रियाओं पर आधारित होने चाहिए। अध्यक्ष को सरकार और विपक्ष के बीच संघर्षों में मध्यस्थता करनी चाहिए, शिष्टाचार बनाए रखते हुए रचनात्मक संवाद के लिए जगह बनानी चाहिए। एक तटस्थ पीठासीन अधिकारी संसद की अखंडता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है, लोकतांत्रिक बहस के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देता है। यदि अध्यक्ष को तटस्थ माना जाता है, तो संसदीय प्रणाली में विश्वास मजबूत होता है, जिससे स्वस्थ लोकतांत्रिक चचाओं को बढ़ावा मिलता है, जैसा कि यू.के. जैसे परिपक्व लोकतंत्रों में देखा जाता है। संसदीय संस्था की वैधता की रक्षा के लिए पीठासीन अधिकारी को हमेशा निष्पक्षता का प्रदर्शन करना चाहिए। यदि अध्यक्ष को पक्षपाती माना जाता है, तो इससे संसदीय कार्यवाही में विश्वास कम हो सकता है और विधायी प्रक्रिया में जनता का विश्वास कम हो सकता है। अध्यक्ष के कार्यों में पक्षपात की धारणा के परिणामस्वरूप जनता में यह धारणा बन सकती है कि संसद को एक पार्टी के हितों की सेवा के लिए हेरफेर किया जा रहा है। पक्षपातपूर्ण अध्यक्ष संसद के भीतर राजनीतिक विभाजन को बढ़ा सकता है, जिससे सरकार और विपक्ष के बीच संघर्ष बढ़ सकता है। ऐसे परिदृश्य में, सरकार और विपक्ष अध्यक्ष के निर्णयों को चुनौती देने के लिए चरम रणनीति का सहारा ले सकते हैं, जिससे संसद में अधिक शत्रुतापूर्ण और कम उत्पादक वातावरण बन सकता है। अध्यक्ष में कथित पक्षपात संसद की संस्था को ही कमजोर करता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। यदि अध्यक्ष पक्षपातपूर्ण है, तो संसद के भीतर जवाबदेही के तंत्र विफल हो सकते हैं, जिससे अनियंत्रित कार्यकारी शक्ति की अनुमति मिलती है। यदि अध्यक्ष को किसी एक राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करते हुए देखा जाता है, तो इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राजनीतिक संस्थाओं के प्रति जनता का मोहभंग हो सकता है। पीठासीन अधिकारी की भूमिका के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित करने से निर्णय लेने में निरंतरता और निष्पक्षता बनाए रखने में मदद मिलेगी। यू.के. संसद में, अध्यक्ष एक औपचारिक आचार संहिता का पालन करता है जो तटस्थता सुनिश्चित करता है, पक्षपात पर चिंताओं को दूर करने और संसदीय कार्यवाही में पारदर्शिता को बढ़ावा देने में मदद करता है। पीठासीन अधिकारियों के लिए लंबे कार्यकाल सुनिश्चित करने से उन्हें अपनी नेतृत्व भूमिकाओं में विश्वास, स्थिरता और तटस्थता बनाने की अनुमति मिल सकती है। जर्मन बुंडेस्टैग अध्यक्ष का निश्चित कार्यकाल दीर्घकालिक नेतृत्व स्थिरता सुनिश्चित करता है, राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान भी पक्षपातपूर्ण निर्णय लेने की धारणा को कम करता है। अध्यक्ष के निर्णयों की समीक्षा करने के लिए स्वतंत्र निरीक्षण तंत्र शुरू करने से अधिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है और पक्षपातपूर्ण कार्रवाइयों को रोका जा सकता है। पीठासीन अधिकारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें संसदीय कार्यवाही की जटिलताओं को निष्पक्ष रूप से संभालने के लिए आवश्यक कौशल से लैस कर सकते हैं। निष्पक्ष निर्णय लेने और संघर्ष समाधान पर केंद्रित नेतृत्व प्रशिक्षण अध्यक्ष को तटस्थता बनाए रखते हुए राजनीतिक दबावों को बेहतर ढंग से नेविगेट करने में मदद कर सकता है। संसदीय समितियों और चचाओं में द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देने से निर्णय लेने के लिए अधिक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है। संसदीय समितियों के भीतर अंतर-दलीय संवाद और सहयोग को प्रोत्साहित करने से मतभेदों को दूर करने में मदद मिल सकती है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सरकार और विपक्ष के बीच मध्यस्थता में अध्यक्ष तटस्थ रहें। संसदीय कार्यवाही की तटस्थता सुनिश्चित करने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए, अध्यक्ष के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना, द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देना और स्पष्ट दिशा-निर्देशों और लंबे कार्यकाल के माध्यम से निष्पक्ष नेतृत्व सुनिश्चित करना आवश्यक है। दरअसल, इसके जरिए विपक्ष कहीं न कहीं संसद के दोनों सदनों में आसन को एक संदेश देना चाह रहा है कि अगर आसन निष्पक्ष नहीं दिखता है तो विपक्ष अपने संवैधानिक अधिकारों को इस्तेमाल करने में नहीं हिचकिचाएगा। पिछले सत्र में लोकसभा स्पीकर को लेकर भी राजनीतिक गलियारे में ऐसी चर्चा थी।

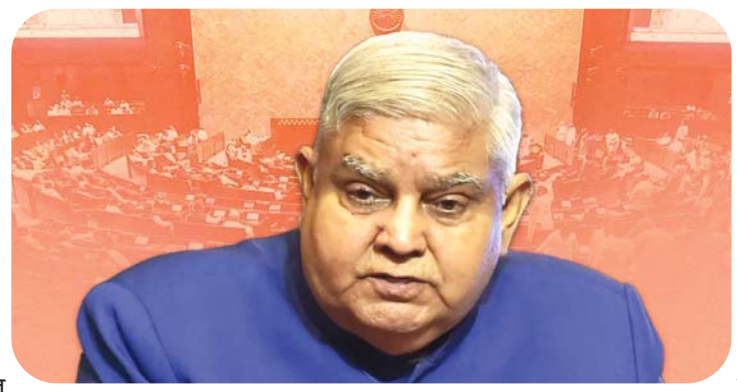

एक नजर

आंध्रप्रदेश का प्रतिनिधिमंडल बस्तर की संस्कृति और मेहमाननवाजी से अभिभूत

सुकमा, 16 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । बस्तर में चल रहे संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक के तहत आंध्र प्रदेश के प्रतिनिधि मंडल का आगमन राज्य अतिथि के रूप में हुआ है। उक्त प्रतिनिधि मंडल 16 दिसंबर तक बस्तर में प्रवास रहेगा। बस्तर पहुंचने पर जिला प्रशासन अधिकारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया। शनिवार को प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने सुबह रामाराम मंदिर में चिटपिट्टिन माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने रॉक गार्डन का भ्रमण किया। प्राकृतिक सुंदरता और स्थानीय कला से सुसज्जित इस स्थल ने प्रतिनिधियों को बेहद प्रभावित किया। बस्तर की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के दर्शन से प्रतिनिधि मंडल के सदस्य उत्साहित नजर आए। इसके बाद प्रतिनिधि मंडल ने आकार आवासीय संस्थान सुकमा का दौरा किया। इस संस्थान में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों से मिलकर प्रतिनिधि बेहद खुश हुए। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए सामूहिक गीत और संगीत कार्यक्रम ने उन्हें प्रभावित किया। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा और हौसले की प्रशंसा करते हुए संस्थान को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। संस्थान में बच्चों द्वारा बनाए गए कलाकृति और पेंटिंग्स के प्रदर्शन को भी सराहा गया। इस दौरान उन्होंने इस मौके को अपने मोबाइल में कैप्चर करते नजर आए। इसके साथ ही प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान की लाइब्रेरी और पीएससी कोचिंग सेंटर का दौरा किया। उन्होंने यहां छात्रों को दिए जा रहे मार्गदर्शन और सुविधाओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रतिनिधि मंडल की मुलाकात जिले के अपर कलेक्टर श्री गजेंद्र सिंह ठाकुर और एडिशनल एसपी श्री अभिषेक वर्मा से भी हुई। इस दौरान अपर कलेक्टर ने मंडल को जिले की उपलब्धियों और विकास योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, और खेल के क्षेत्र में जिले द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोंटा ने सरकार के कुशासन के खिलाफ किया आंदोलन

सुकमा 16 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । विष्णु देव साय के एक वर्ष के शासन में बढ़ते अपराध भ्रष्टाचार कुशासन के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा सविधान बचाओ कार्यक्रम में डॉ भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा में पुष्प अर्पित कर साय सरकार के कुशासन के खिलाफ आंदोलन किया गया एवं जमकर नारेबाजी किया गया इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष सुन्नाम नागेश, नगर पंचायत अध्यक्ष मौसम जया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर पांडे, पार्षद सूरज, पार्षद सेमल कुमारी, सोयम भीमा, दयावती मरकाम, नामीर अली, पोडियम सुक्का, शेख शब्बीर, जोगा सरपंच, एवं अन्य कार्यकर्ता रहे मौजूद।

मुख्यमंत्री ने शहीद जवानों की शहादत को किया नमन

जगदलपुर 16 दिसंबर। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने अपने बस्तर प्रवास के दूसरे दिन आज जगदलपुर स्थित अमर शहीद वाटिका पहुंचकर अमर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अमर जवान स्तम्भ में पुष्प चक्र अर्पित कर नक्सल अभियान के दौरान शहीद जवानों की शहादत को नमन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने अमर वाटिका परिसर में शहीदों के नाम के शिला पट्ट का अवलोकन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्री शाह ने एक पेड़ शहीदों के नाम (पोदला उरस्कना) अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण किया। उन्होंने परिसर में पीपल का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भी परिसर में शहीदों की स्मृति में रुद्राक्ष का पौधा लगाया। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने आज अमर वाटिका में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के उपरांत विजिटर बुक में अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने सुरक्षाबल के जवानों की शहादत को नमन करते हुए लिखा कि देश सदैव उनका ऋणी रहेगा।

माओवादी हिंसा में हुए दिव्यांग पर नहीं टूटा हौसला

जगदलपुर, 16 दिसंबर। परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हो पर यदि सपनों को परवान देने की ताकत है और मजबूत इरादे हैं, तो हौसले कभी नहीं टूटते और इसकी एक बानगी देखने को मिली बस्तर ओलंपिक में, जहां पर नक्सल हिंसा में दिव्यांग हुए खिलाड़ियों ने अपने मजबूत इरादे के साथ उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऐसे ही नक्सली हिंसा को छोड़ मुख्य धारा में आएं आत्मसमर्पित आरक्षक बने सुकमा जिले के अंतर्गत दोरनापाल के गांव पालेमपाठ निवासी पुनेम सन्ना ने भी व्हील चेयर में दौड़ लगाई। उन्होंने बताया कि वह करीब 22 साल की उम्र में सन् 2000 में नक्सलियों के सम्पर्क में आया। मुझे बताया गया कि सशस्त्र विद्रोह से ही हमारे जीवन में बदलाव आएगा, मुझे तो खाना मिल जाता था पर मेरे घर वाले भूखे ही रहते थे और वे मुश्किल से जीवन-यापन करते थे। ये सब देखकर मैं छत्तीसगढ़ सरकार की समर्पण नीति से प्रभावित होकर 2012 में समर्पण कर मुख्य धारा में आया। मुख्य धारा में आने के बाद सन 2013 मुझे डीआरजी में आरक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। मुझे और मेरे परिवार को इसकी कीमत भी चुकानी पड़ी।

सरकारी आदेश को पलीता लगाते अधिकारी, संलग्नीकरण के नाम पर स्कूल खाली

शिक्षक कर रहे बाबू व अधिकारियों का काम, व्यवस्था के नाम पर बच्चों के साथ हो रहा अन्याय

- सहायक शिक्षक से लेकर व्याख्याता स्कूल छोड़ कार्यालयों में संलग्न.
- शिक्षा समिति के संलग्नीकरण खत्म करने के प्रस्ताव पर भी कोई सुनवाई नहीं करते जिलाधिकारी.
- जिम्मेदार खुद ही शिक्षण व्यवस्था को रसातल पर ले जाने में लगे हैं तो कैसे सुधरेगी स्कूल की व्यवस्था.
- शिक्षकों से लिया जा रहा है गैर शिक्षकीय कार्य. बीईओ, बीआरसी व एसी कार्यालय में दशकों से अटैच हैं शिक्षक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता,संतोष चौहन

दंतेवाड़ा 16 दिसंबर। प्रदेश भर सहित दंतेवाड़ा जिले में शिक्षकों का संलग्नीकरण एक विकराल समस्या बनकर छात्रों का भविष्य चौपट कर रहा है। संलग्नीकरण समाप्त करने का आदेश तो प्रतिवर्ष जारी किया जाता है, परंतु जिलाअधिकारी से लेकर शिक्षा विभाग के अफसर सरकार के इस आदेश को ढेंगा दिखाते हुए अपने मन मुताबिक शिक्षकों को ईधर से उधर कर संलग्नीकरण का खेल खेलते रहते हैं। इसमें नुकसान उन छात्रों का होता है जो पढ़ने के लिए स्कूल तो जाते हैं मगर उन्हें वह शिक्षा नहीं मिल पाता जिनके वो हकदार होते हैं। शिक्षकों की कमी से छात्र विषयवार पढ़ाई भी नहीं कर पाते परिणाम यह होता है कि जब रिजल्ट आता है तो छात्र गणित, अंग्रेजी, विज्ञान जैसी महत्वपूर्ण विषयों पर या तो फेल हो जाते हैं या फिर नंबर अपेक्षानुरूप नहीं आ पाता। उनका साल बर्बाद हो जाता है। संलग्नीकरण के वजह से छात्रों की पढ़ाई बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। शिक्षकों को उनके पदस्थापना स्थान से कहीं अन्यत्र अटैचमेंट कर उनसे गैर शिक्षकीय कार्य लिया जा रहा है जो पूरी तरह से स्कूली छात्रों के साथ अन्याय है।

गौरतलब है कि प्रदेश भर में हर वर्ष संलग्नीकरण का मुद्दा जोर शोर से उठता है और इसे समाप्त करने के लिए शासन द्वारा कड़ा पत्र विभागों को लिखा जाता है। इसी साल राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के अवर सचिव पुलक भट्टाचार्य के हस्ताक्षर से 28.02.2024 को जारी एक आदेश में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि गैर शैक्षणिक कार्यो में संलग्न शिक्षक संवर्ग के कर्मचारियों का संलग्नीकरण समाप्त कर उन्हें तुरंत ही उनके मूल पदस्थापना स्थान पर भेजा जाए। शासन के स्पष्ट आदेश के बावजुद जिला स्तर पर अधिकारी आदेश को अनसुना कर अपनी मनमानी चला रहे हैं। दिखावे मात्र के लिए कुछ शिक्षकों और कर्मचारियों का संलग्नीकरण वापस लिया जाता है। थोड़े दिनों बाद फिर से शिक्षकों का संलग्नीकरण का खेल शुरू हो जाता है। दंतेवाड़ा जिले में बड़ी तादात में सहायक शिक्षकों, व्याख्याताओं, एचएम स्तर के शिक्षकों, मिडिल एवं प्रायमरी स्कूल शिक्षकों को खण्ड शिक्षा कार्यालय, खण्ड स्रोत कार्यालय, जिला परियोजना-समग्र शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, तहसील, जिला पंचायत, डाईट, लक्ष्य समेत कई अन्य कार्यालयों में सालों से अटैचमेंट पर रखा गया है और उनसे गैर शैक्षणिक कार्य लिया जा रहा है। मिडिल स्कूल के एक एचएम तो करीब 15 वर्ष से भी ज्यादा समय से जिला पंचायत में ही डटे हुए हैं। गणित, अंग्रेजी, विज्ञान विषय के व्याख्याता एसी कार्यालय समेत अन्य कार्यालयों में कई वर्षो से अटैचमेंट पर हैं। एक शिक्षक तो सालों से प्रतिस्पर्धा केंद्र लक्ष्य में जमे हैं तो एक को ग्रन्थालय की देखरेख में लगा रखा है। जिले के चारों ब्लाकों में मंडल संयोजक की जिम्मेदारी शिक्षक ही देख रहे हैं। शिक्षक स्कूलों में पढ़ाना छोड़ आश्रमों का निरीक्षण करने के कार्य में अपना समय व्यतीत कर रहे हैं। एक शिक्षक बीआरसी कार्यालय में 12 वर्षो से कम्प्यूटर चला रहा है। कोई क्षेत्र संयोजक की जिम्मेदारी लेकर अधिकारियों का पीए बनकर उनके आगे पीछे घुम रहा है।

शा.क.हा.स्कूल दंतेवाड़ा के करीब 3 शिक्षकों को संलग्नीकरण कर उन्हें दुसरे जगह पर भेजा गया है। कन्या हाईस्कूल की भौतिक विषय की एक शिक्षिका को अभी हाल ही में स्कूल से हटाकर उसे समग्र शिक्षा विभाग में भेजने का आदेश जारी हुआ है जिससे छात्र काफी नाराज और परेशान हैं। परीक्षा सर पर है कोर्स पूरा हुआ नहीं और बीच में ही शिक्षक को अटैचमेंट पर भेजा जा रहा है। आलम यह है कि विधायकों और मंत्रियों के कार्यालयों में भी शिक्षक संलग्न कर दिए जाते हैं। संलग्नीकरण के चलते छात्र अंग्रेजी, भौ0वि0, गणित, साइंस जैसे महत्वपूर्ण विषय नहीं पढ़ पा रहे। संलग्नीकरण का दंश आखिर कब तक झेलेंगे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे? शिक्षकों का काम छात्रों को स्कूल में शिक्षा देना होता है उन्हें इससे वंचित क्यों किया जा रहा है? यह किस तरह की शिक्षा व्यवस्था का निर्माण हम कर रहे हैं? क्या इस तरह से सरकारी स्कूलों की स्थिति कभी सुधरेगी? शिक्षक काम कहीं कर रहे और वेतन कहीं और से निकल रहा है।

पैसे दो और मनचाहे स्कूलों में संलग्न हो जाओ का चलता है खेल

शिक्षा विभाग के इस अटैचमेंट के खेल में यूं कहें तो पैसे दो और जिला मुख्यालय में या असपास अपने पसंदीदा स्कूल में संलग्न हो जाओ वाला सिस्टम सालों से चलता आ रहा है। अटैचमेंट वाले शिक्षक कभी स्कूलों में पढ़ाने ही नहीं जाते। इन शिक्षकों को अधिकारियों का पूरा संरक्षण प्राप्त होता है। शिक्षक स्कूलों में वापस जाना भी नहीं चाहते। क्योंकि उन्हें मूल स्कूल से अधिक आराम अटैचमेंट वाले स्कूलों या कार्यालयों में मिलता है जिसके चलते वे अपना अटैचमेंट खत्म नहीं करना चाहते। शिक्षकों के अटैचमेंट के चलते ग्रामीण क्षेत्रों की शालाओं में अध्यापन कार्य प्रभावित होता है इससे भी अधिकारियों को कोई लेना देना नहीं होता।

संलग्नीकण खत्म नहीं होने का मुख्य कारण राजनैतिक संरक्षण भी है

सरकार भले ही संलग्नीकरण खत्म करने जिलाधिकारियों को पत्राचार करती हो मगर सच यह है कि अटैचमेंट पर गए शिक्षक कभी मूल पदस्थापना स्कूलों पर वापस जाना नहीं चाहते। ऐन केन प्रकारेण अपने शिक्षाधिकारियों को अपने पाले में कर शिक्षक वहीं जमे रहना चाहते हैं। संलग्नीकरण समाप्त नहीं होने का एक मुख्य कारण राजनैतिक भी है क्योंकि बहुत से शिक्षक राजनैतिक संरक्षण प्राप्त कर अटैचमेंट पर कार्य कर रहे होते हैं । जिन शिक्षकों को मनपसंद जगह पर जाना होता है वे विधायक या सांसद प्रतिनिधियों के माफर्त लेटरपेड पर अनुशंसा करवाकर अटैचमेंट करवा लेते हैं ऐसे में भला अधिकारी भी अब क्या ही कर सकता है।

आश्रम अधीक्षकों की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं शिक्षक

आदिवासी आवासीय बालक आश्रमों, पोटा केबिन आश्रमों में भी बड़े पैमाने पर प्रायमरी एवं मिडिल स्कूल के शिक्षकों को संलग्न कर उनसे अधीक्षक का कार्य लिया जा रहा है जबकि आश्रमों में अधीक्षक का पद सृजित होता है। अधीक्षक की जिम्मेदारी अधीक्षक को ही होनी चाहिए लेकिन यहां भी शिक्षकों से ही काम लिया जा रहा है। जिले में 90 फीसदी आश्रमों में प्रायमरी एवं मिडिल स्कूल के शिक्षक अधीक्षक की जिम्मेदारी सम्हाल रहे हैं। स्कूली छात्रों की पढ़ाई बर्बाद हो रही है इससे अधिकारियों को कोई मतलब नहीं रहता। क्या संलग्नीकरण की व्यवस्था कहीं से भी न्यास संगत है? शिक्षा के स्तर को बनाए रखने स्कूलों में शाला प्रबंधन समिति/शिक्षा स्थायी समिति भी बनाए गए है मगर इन समितियों का भी कोई कोई सुनता नहीं। शैक्षणिक अव्यवस्था पर कोई संघ, संगठन छात्र हित में कभी आंदोलन नहीं करता। छात्रों के भविष्य के लिए कोई सड़क पर नहीं उतरता।

कुल मिलाकर संलग्नीकरण का लब्बोलवाब यह कि शिक्षा विभाग में अव्यवस्था लंबे समय से बनी है जिसे सुधारने की बेहद सख्त आवयश्कता है । मंत्रालय से संलग्नीकरण खत्म करने हर साल आदेश जारी किया जाता है मगर ये केवल दिखावे के लिए ही होता है। जिला स्तर के अधिकारियों को भी पता होता है कि कुछ होने वाला नहीं इसलिए वे बिंदास होकर संलग्नीकरण कर शिक्षकों को मनचाहा विभागों में अटैच कर उनसे गैर शैक्षणिक कार्य लेते हैं यह सिलसिला सालों से चला आ रहा है और आगे भी चलता रहेगा। आवश्यकता है राजनीति से उपर उठकर, अपने निहित स्वार्थ छोड़कर छात्र हित में सोचने की, एक ईमानदार पहल की, तभी जाकर हमारी बदहाल शिक्षण व्यवस्था में बदलाव एवं सुधार की कुछ गुंजाईश होगी अन्यथा जो चल रहा है वो तो सबके सामने ही है। ऐसे में हम एक बेहतर शिक्षा प्रणाली और सरकारी स्कूलों में अच्छे परिणाम की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? संलग्नीकरण का खेल जब तक बंद नहीं होगा तब तक सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार की उम्मीद बेमानी ही होगी।

> शिक्षकों का अन्य विभागों या कार्यालयों में संलग्नीकरण अथवा अटैचमेंट किया जाना पूर्णतः गलत है। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है। सामान्य सभा एवं शिक्षा स्थायी समिति की बैठक में समय समय पर हमारे द्वारा संलग्नीकरण को समाप्त करने का प्रस्ताव दिया जाता रहा है मगर अधिकारी इस पर कोई अमल नहीं करते। संलग्नीकरण के चलते अंदरूनी क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों की कमी होती है जिससे अध्यापन कार्य प्रभावित होता है। इस पर अंकुश लगना चाहिए।
>
> **सुभाष सुराना, सभापति शिक्षा स्थायी समिति दंतेवाड़ा**

शिक्षा और सेहत से खिलवाड़,बीआईओपी स्कूल में कचरे के ढेर में भोजन करते हैं बच्चे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 16 दिसंबर। लौहनगरी बी.आई.ओ.पीं स्कूल परिसर में आये दिन होती है शादी जन्मदिन सालगिराह संस्कृतिक कार्यक्रम जैसे सैकड़ो समारोह का आयोजन ऐसे में बच्चों की पढ़ाई पर इसका क्या प्रभाव पड़ता होगा। जिसकी सुद आज तक किसी भी जिम्मेदार शिक्षक अधिकारी एनएमडीसी प्रबंधक व जनप्रतिनिधियों ने नहीं ली हैं इस बी,आई,ओ, पी,हायर सेकंडरी स्कूल में बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं जहाँ नगर के बी,आई ,ओ,पी,स्कूल में आये दिन शादी जन्मदिन सालगिराह संस्कृतिक कार्यक्रम जैसे सैकड़ो समारोह का आयोजन के लिए भोजन केटरिंग टेंट साउंड आदि की व्यवस्था स्कूल परिसर में ही की जाती हैं । ऐसे में किस प्रकार स्कूल के बच्चे पढ़ाई करते होंगे। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है आप को बता दें कि इस स्कूल में रोजाना सैकड़ो बच्चे पढ़ाई करने के लिए आते है और किसी भी स्कूल परिसर में इस तरह का समारोह करना उचित नहीं है ये बात शायद एनएमडीसी प्रबंधन भूल गया है सूत्रों से मिली जानकारी है कि बी,आई, ओ,पी, स्कूल को एनएमडीसी के अंतर्गत चलाया जाता है जिससे एनएमडीसी द्वारा किसी भी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन बी,आई,ओ पी स्कूल में अपनी मनमानी के आधार पर कराते हैं अब देखना है जिला प्रशासन और जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा एनएमडीसी प्रबन्धन के अधिकारियों पर किस तरह की कारवाही करते हैं आप को बता दें कि किरन्दुल एनएमडीसी परियोजना के द्वारा कई ऐसे भवनों का निर्माण किया गया है जिसमें ऐसे कार्यक्रम हो सकते है लेकिन उन भवनों में समारोह और आयोजन ना कराकर स्कूल प्रांगण में ऐसे आयोजनों को किया जाना इससे एनएमडीसी प्रबंधन पर कई सवाल खड़े कर रहे है अब देखना है जिला प्रशासनिक अधिकारी इस पर किस तरह की कार्यवाही करते हैं।

यूथ एवं युवा क्लब ने पर्यावरण के प्रति जागरूक करने छात्र-छात्राओं को दिया जिला स्तरीय प्रशिक्षण

सुकमा 16 दिसंबर। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ संपूर्ण पर्यावरण के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन एवं प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा यूथ एवं इको क्लब के सहयोग से दो दिवसीय जिलास्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन 13 एवं 14 दिसम्बर को विवेकानंद बहुउद्देशीय सभागार सुकमा के सभाकक्ष में जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.आर.मण्डावी एवं जिला मिशन समन्वयक श्री उमाशंकर तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री कमलेश नागवंशी और श्री धनंजय ध्रुव के द्वारा विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनरों को प्लास्टिक प्रबंधन एवं स्कूल पोषण वाटिका के संबंध में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने वाली विभिन्न गतिविधियों को विस्तार से बताया गया।

छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर बस स्टैंड में लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी

सुकमा 16 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ÷सुशासन का 1 साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल के थीम पर छायाचित्र प्रदर्शनी शनिवार को जिले के हृदय स्थल बस स्टैंड में लगाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष श्री धनीराम बारसे के द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान जिला भाजपा उपाध्यक्ष श्री नूपुर वैदिक और श्री विश्वराज सिंह चौहान भी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से संबंधित सफलता की कहानी पर आधारित एवं विभिन्न योजनाओं का समुचित प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से लगाए गए छायाचित्र प्रदर्शनी का लोगों ने उत्साहपूर्वक अवलोकन किया।

डीओ ने कहा,दोषी लोगों पर उचित कार्रवाई की जाए , मामला बचेली वार्ड-4 में स्थित आदर्श सरस्वती स्कूल का

वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए कई पेड़ काट दिए गए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 16 दिसंबर। पेड़ पौधे हमारे पर्यावरण और मानव कल्याण के लिए अमूल्य महत्व रखता है वही सरकारी संस्थाओं ,जनप्रतिनिधियों एवं एनजीओ द्वारा समय-समय पर पर्यावरण सरंक्षण के लिए वृक्षारोपण भी करवाया जाता है एवं लोगो को वृक्षारोपण की प्रेरणा भी दी जाती है। पर्यावरण दिवस, हरिहर अभियान, पीएम की एक पेड़ माँ के नाम, एवं अन्य दिवसो व कार्यो में भी वृक्षारोपण कराया जाता है। एक पेड को पौधे से पेड़ का रूप लेने में कई वर्ष लगते है। लेकिन बचेली में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने के लिए पेड़ो को ही काट दिया गया। यह मामला है बचेली नगर के वार्ड क्रमांक 4 स्थित शासकीय सरस्वती एवं आदर्श विघालय का वर्तमान में स्कूल को पीएमश्री का दर्जा भी मिल चुका है। स्कूल परिसर के पीछे की ओर कई पेड़ो को काटकर उस जगह पर वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम बनाया गया है जो कि महत्वहीन नजर आ रहा है। यह स्कूल 2017 में एनएमडीसी सीएसआर के द्वारा निर्माण किया गया था। उदघाटन के दौरान कई पौधे स्कूल परिसर में रोपे गये थे। इसके अलावा भी एक व्यक्ति द्वारा समय-समय पर विघालय परिसर में नीम, आंवला, काजू, आम, जामुन के पौधे लगाये जाते रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पेड़ को लगाने व बचाने की बात कर रहे है लेकिन दूसरी तरफ बचेली के सरस्वती स्कूल में हरेभरे पेड़ो को ही काट दिया गया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी एस, के, अमबस्ता से दूरभाष पर चर्चा करने पर उन्होने कहा कि पेड़ो को काटना गलत है, ऐसा क्यो किया गया गया है पता कर, इसकी जांच के बाद दोषी पाये जाने पर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी, साथ ही इस संबंध में नोटिस जारी किया जाएगा।

समाचार संक्षेप

बेहतर शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना हमारी पहली प्राथमिकताः कलेक्टर

सुकमा,16 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के द्वारा जिले के स्कूलों में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लगातार आकस्मिक निरीक्षण किया जा रहा है। स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति, स्कूल में मूलभूत सुविधा बिजली-पानी की उपलब्धता, आवश्यक पंजियों का संधारण, शाला परिसर की स्वच्छता, शौचालय की साफ़-सफ़ाई, बच्चों के शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए आश्रम-शालाओं का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में विगत 12 दिसंबर को कलेक्टर श्री ध्रुव ने शासकीय प्राथमिक शाला कोमटीगुड़ा में बच्चों से बातचीत की। कलेक्टर ने बच्चों से अंग्रेजी और गणित से संबंधित सवाल पूछे। बच्चों ने कलेक्टर के सवालों का सही सही जवाब दिया। कलेक्टर श्री ध्रुव ने स्कूल के दिव्यांग सहायक शिक्षक श्री महेंद्र कोर्राम के उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यों की सराहना की। इसी तरह से बालक आश्रम तातीपारा में सुंदर वाल पेंटिंग को देखकर कलेक्टर ने प्रशंसा की। गादीरास क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही को गंभीरता से लिया है। निरीक्षण के दौरान शासकीय हाई स्कूल गादीरास में 2 से 3 बजे के बीच सड़क पर बच्चों को बिना किसी देखरेख के घूमते हुए पाया। इस स्थिति से संभावित अप्रिय घटना हो सकती थी, जो बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में शिक्षकों की जिम्मेदारी की कमी को दर्शाती है। कलेक्टर के निर्देशानुसार पदीय दायित्व निर्वहन में लापरवाही, अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता मानते हुए शासकीय हाई स्कूल गादीरास के प्रभारी प्राचार्य श्री जीआर नाग को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। इसी तरह से बालक आश्रम मुत्तोड़ी के प्रभारी अधीक्षक श्री मंगलूराम नाग को निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए जाने पर, सहायक शिक्षक श्री हीरालाल साहू और सहायक शिक्षक श्रीमती सुमन कंवर को डेली डायरी और अन्य आवश्यक पंजीयों के संधारण में लापरवाही बरतने के कारण कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। नोटिस का जवाब समाधानकारक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर श्री ध्रुव ने कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

छात्रावासों में पांच माह से अतिरिक्त छात्रों की भोजन सहायक राशि नही मिलने से हो रही है परेशानी

सुकमा 16 दिसंबर। छात्रावासो मे अतिरिक्त छात्रो का भोजन सहायक राशि नही मिलने से हो रहे है 5 महिने से परेशान। दूसरे तरफ से तरह तरह के परीक्षा के नाम से छात्रो से पैसा वसूला जा रहा है, गौ विज्ञान परीक्षा के नाम से छात्रों का पैसा वसूला जा रहा है, प्रत्येक छात्रो का अलग अलग राशि लिया जा रहा है, बताया जा रहा है कि अलग अलग कक्षा के हिसाब मीडिल स्कूल स्तर 50 रु. , हाई, हायर सेकंडरी स्कूल स्तर 70 रु. तथा महाविधालयीन छात्रो का 90 से 100 रु. जमा कराया जा रहा है, यह परीक्षा शिक्षा विभाग से संबंधित नही है, बताया जा रहा है, किसी संस्था के माध्यम से कराया जा रहा है बताया जा रहा है, तो बच्चो से क्यों फीस लिया जा रहा है? अधिकांश छात्रावासो से परीक्षा के नाम से पैसा वसूली का दबाव बनाया जा रहा है, क्या प्रशासन भी दबाव में है? हमे नही पता प्रशासन किस हद तक बच्चो का पैसा को किसी सरकार या संगठन, संस्था के दबाव से छात्रो का पैसा को दुरुपयोग करवाएगा , छात्रावासो में अतिरिक्त सीट मे रहकर पढ़ाई कर रहे छात्र छात्राओ के लिए भोजन सहायक,शिष्यवृत्ति राशि दिलाने अनगिनत मांग कर रहे है छात्रो के साथ,ढूस्स्न, दूसरे तरफ से तरह तरह का नाम से छात्रो का पैसा दबाव बनाकर वसूला जा रहा है, अगर कोई संस्था कोई कार्यक्रम करा भी रहा है तो छात्रो से क्यों वसूला जा रहा है, बड़ी मोटी रकम है अलग अलग वसूला जा रहा है।

एक नजर

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने साझा की सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियां

महासमुंद 16 दिसंबर। राज्य सरकार गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित जनादेश परब कार्यक्रम अंतर्गत जिले में प्रेस वार्ता का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम में खाद्य एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में राज्य सरकार के पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, रेडक्रॉस सोसायटी के सभापति श्री संदीप दीवान, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह मौजूद थे।प्रेस वार्ता के दौरान खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने राज्य में पिछले एक वर्ष में हुए विकास कार्यों और जन-कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने वादों को पूरा करते हुए जनहित में कई महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया है। सबसे पहले 18 लाख पीएम आवास स्वीकृत किए गए। यह सरकार पर जनता के भरोसे की बहाली का सबसे पहला कदम है। सुशासन दिवस पर 13 लाख किसानों को दो साल के बकाया धान की बोनस राशि दी। 3100 रुपए प्रति क्विंटल और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की। लाख उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं वितरण प्रणाली में सुधार करते हुए गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क चावल और अन्य खाद्यान्न उपलब्ध कराए गए।

पीएम फसल बीमाः कृषक 31 दिसम्बर करा सकते हैं फसलों का बीमा

रायगढ़, 16 दिसम्बर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत जिले में ग्राम स्तर पर गेहूं सिंचित एवं राजस्व निरीक्षक मण्डल स्तर पर राई-सरसों फसल अधिसूचित किया गया। गेहूँ सिंचित के लिए प्रति हेक्टेयर बीमित राशि 35 हजार रुपये है व प्रति हेक्टेयर कृषक प्रीमियम 525 रूपये तथा राई-सरसों फसल के लिए प्रति हेक्टेयर बीमित राशि 22 हजार रुपये है, वहीं प्रति हेक्टेयर किसान प्रीमियम राशि 330 रूपये है जो कि 1.5 प्रतिशत है।जिले के ऋणी किसान 31 दिसम्बर 2024 के पहले निकटतम बैंक शाखा/समिति, सीएससी डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल(एनसीआईपी) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। जिसके लिए आवश्यक दस्तावेज नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र(बी 1, पी 2) की कॉपी, बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर खाता संख्या/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो। फसल बुआई प्रमाण पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, किसान का वैध मोबाईल नंबर, बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र शामिल है। ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र संबंधित मौसम के लिए पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों नामांकन के लिए तय की गई तिथि रबी 2024 के लिए 31 दिसम्बर 2024 से कम से कम 7 दिन पूर्व संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जाएगा।

नगरीय निकाय के वार्डों का आरक्षण 19 दिसम्बर को

गरियाबंद, 16 दिसंबर। जिले के नगर पालिका एवं नगर पंचायत के वार्डों के आरक्षण की कार्यवाही 19 दिसम्बर 2024 को दोपहर 12 बजे ऑक्शन हॉल गरियाबंद में सम्पन्न किया जायेगा। इसके तहत नगर पालिका एवं नगर पंचायत निर्वाचन वर्ष 2024-25 हेतु वार्डों का आरक्षण प्रक्रिया पूर्ण किया जायेगा। इसके अंतर्गत नगर पालिका गरियाबंद, नगर पंचायत छुरा, फिंगेश्वर, राजिम एवं कोपरा में 15-15 वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया सम्पन्न किया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया में यदि कोई नागरिक उपस्थित रहना चाहते है तो निर्धारित तिथि, समय एवं स्थल पर उपस्थित रह सकते है। विहित प्राधिकारी कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल द्वारा उपस्थित नागरिकों के समक्ष आरक्षण की प्रक्रिया सम्पन्न की जायेगी।

17 दिसम्बर को आयोजित होने वाला जनदर्शन स्थगित

गरियाबंद, 16 दिसंबर। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मंगलवार 17 दिसम्बर 2024 को आयोजित होने वाले जनदर्शन अपरिहार्य कारण से स्थगित की गई है। दर्शन जन्म दर्शन में अपना समस्या मांग पत्र को लेकर दूर-दूर से पहुंचते हैं जिसके चलते आम जनों तक उक्त सूचना दी जा रही है

आने वाले दिनों में विकास की यशोगाथा बनेगा बस्तर ओलंपिक : अमित शाह

रायपुर, 16 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव सायमुख्यमंत्री श्री विष्णु देव सायमुख्यमंत्री श्री विष्णु देव सायमुख्यमंत्री श्री विष्णु देव सायकेन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने आज बस्तर जिले के जगदलपुर में आयोजित बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि बस्तर ओलंपिक आने वाले दिनों में बस्तर के विकास की यशोगाथा बनेगा और शांति, सुरक्षा, विकास और नई उम्मीद की नींव डालने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि हम देश से नक्सलवाद को पूर्ण रूप से 31 मार्च 2026 तक समाप्त करेंगे।केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर से नक्सलवाद समाप्त होने पर यहां कश्मीर से ज्यादा पर्यटक आएंगे। मां दंतेश्वरी की कृपा से बस्तर को प्रकृति के अनुपम सौंदर्य का वरदान मिला है। हम यहां पर पर्यटन को आगे बढ़ाएंगे। हम यहां पर छोटे-छोटे उद्योगों को आगे बढ़ाकर रोजगार के अवसरों का सृजन करेंगे।

उन्होंने बस्तर के युवाओं से कहा कि हार मानने वाला कभी नहीं जीतता। जीतता वह है जो कभी हार नहीं मानता। बस्तर के अंदर अनेक संभावनाएं हैं। यहां जो 3000 बच्चे मेरे सामने बैठे हैं उसमें से कोई बच्चा अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक में गोल्ड मेडल लेकर आएगा तो पूरा भारत इस पर गर्व करेगा।उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ हमने दोनों मोर्चे पर काम किया है। एक ओर वह नक्सली जो सरेंडर नहीं हुए और जो हिंसा करते थे उनके खिलाफ सुरक्षा बलों को खड़ा करके उनको मार गिराने का काम किया। जो सरेंडर हुए उनको बसाने का काम किया और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में जो विकास से पिछड़ गए थे, उनको विकसित करने का अभियान भी चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों के आशीर्वाद से राज्य में डबल इंजन की सरकार बनी और नक्सलवाद के

खिलाफ हमारा अभियान तेज हुआ और नक्सल उन्मूलन की दिशा में हमें लगातार सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बस्तरवासियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सभी ने पूरे उत्साह के साथ बस्तर ओलंपिक में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाया है। इस आयोजन में 1 लाख 65 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के लिए प्रबंधन करना एक चुनौती थी, बस्तर संभाग के सातों जिलों की पूरी टीम ने इसे बखूबी पूरा किया, इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूँ।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुझे यह कहते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि बस्तर ओलम्पिक के माध्यम से हम सभी बस्तर अंचल के युवाओं की ऊर्जा को खेल के माध्यम से एक सकारात्मक दिशा देने में सफल रहे हैं।

बस्तर ओलंपिक का यह आयोजन केवल खेल नहीं है, बल्कि बस्तर की संस्कृति, उत्साह, और प्रतिभा का उत्सव है। यह आयोजन एक संदेश देता है कि बस्तर का असली चेहरा इसकी सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता है, न कि माओवाद की हिंसा।इस आयोजन के माध्यम से हमने युवाओं को शासन-प्रशासन से जोड़कर विकास के कार्यों में सहभागी बनने की ओर उन्मुख किया है। आज जब लाखों युवा इस ओलंपिक में भाग लेते हैं और अपनी ऊर्जा को खेलों में लगाते हैं, तो यह हमारे लिए एक सुखद संकेत है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलम्पिक का सफल आयोजन हमें विश्वास दिलाता है कि बस्तर के युवाओं की क्षमता और उनकी शक्ति को अगर सही दिशा में प्रेरित किया जाए, तो विकास और खुशहाली का रास्ता कोई नही रोक सकता है। ओलंपिक में शामिल खिलाड़ियों ने यह संदेश भी दिया कि बस्तर में बदलाव की बयार चल पड़ी है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से हमने न केवल बस्तर के युवाओं की छुपी प्रतिभा को देखा, बल्कि उन आत्मसमर्पित भाइयों और बहनों की प्रतिभा को भी देखा, जिन्होंने हिंसा की माओवादी विचारधारा को छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की। नक्सलवाद का समाधान केवल पुलिस कार्रवाई से नहीं, बल्कि शिक्षा, खेल, रोजगार और सकारात्मक अवसर प्रदान करने से होगा और बस्तर ओलंपिक इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। आज आपके चेहरों पर जो मुस्कान है, वह एक खुशहाल और शांतिपूर्ण बस्तर का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि माओवादी हिंसा से प्रभावित दिव्यांगजनों ने भी इन खेलों में हिस्सा लिया। उनकी हिम्मत और जज्बा ने दिखा दिया है कि बस्तर के लोग कभी हार नहीं मानते। बस्तर ने लम्बे समय से माओवाद के दंश को झेला है। लेकिन आज, बस्तर शांति और विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह उपलब्धि हमारे केंद्रीय गृह मंत्री जी के सतत मार्गदर्शन और हर संभव सहयोग के कारण संभव हो पाई है। उनके बेहतर अंतरराज्यीय समन्वय और निरंतर प्रोत्साहन से हम माओवाद को जड़ से समाप्त करने की ओर अग्रसर हैं।

विजय मिश्रा सहित अन्य साहित्यकारों को चतुर्भुज मेमोरियल कृति सम्मान

रायपुर,16 दिसंबर। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से बहुमत संस्था तथा श्री चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन के द्वारा साहित्य संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन भिलाई निवास में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध लेखक डॉ संजय अलंग (आई ए एस) ने मानव समाज में सभ्यता -संस्कृति की उपादेयता को रेखांकित किया।विशिष्ट अतिथि पद्मश्री अजय मंडावी,ई व्ही मुरली ने भी लोकजीवन पर विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में लोकनाट्य,चित्रकला जनजातीय जीवन, तालाब और जनजीवन पर क्रमशः विजय मिश्रा %अमित,डॉ सुनीता वर्मा, डुमन लाल ध्रुव और गोविंद पटेल ने रोचक जानकारियों से संगोष्ठी को सार्थक किया। इसी क्रम में आयोजित सम्मान समारोह के अंतर्गत सर्वश्री लोक बाबू, दुर्गा प्रसाद पारकर, देवेंद्र गोस्वामी, राजेंद्र सोनबोईर, मयंक चतुर्वेदी, मो.जाकिर हुसैन, श्वेता उपाध्याय, रौनक जमाल, कमलेश चंद्राकर, डॉ संजय दानी, डुमन लाल ध्रुव एवं विजय मिश्रा %अमित% को साहित्य धर्मिता के कुशल निर्वहन हेतु चतुर्भुज मेमोरियल कृति सम्मान से विभूषित किया गया।इस अवसर बहुमत के संस्थापक विनोद मिश्र ने स्वागत उद्बोधन के साथ ही बहुमत और चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं का निर्वहन डॉ अरुण श्रीवास्तव,राजीव चौबे ,मुमताज, नरेंद्र बंछोर, सीमा श्रीवास्तव,श्वेता उपाध्याय सुमन कन्नौजे,जसवीर कौर ने सफलता पूर्वक किया। समारोह में दुर्ग,भिलाई, रायपुर के साहित्यकार बड़ी संख्या में शामिल हुए।

युवाओं को खेल के मैदान में आगे बढ़ाने की पहल

बीजापुर, 16 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आज नगर पालिका के पार्षद जितेंद्र हेमला ने बीजापुर में संचालित शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पहुंचकर विद्यालय के छात्रा-छत्राओं से भेंट कर उन्हें क्रिकेट किट, फुटबॉल, रस्सी कूद, बैडमिंटन किट, और लूडो आदि खेल सामग्री भेंट स्वरूप प्रदान किया, इस दौरान विद्यालय के बच्चों सहित विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री सुरेन्द्र कुमार एंड्रिक, वरिष्ठ शिक्षक श्री आर.एस. कुलदीप, श्रीमती ज्योति अवलम मौजूद रहे।

विद्यार्थियों में उद्यमिता की मानसिकता विकसित करने के लिए सक्षम रायगढ़ कार्यक्रम प्रारंभ

रायगढ़, 16 दिसम्बर। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर तथा स्कूल शिक्षा विभाग रायगढ़ के संयुक्त प्रयास से रायगढ़ जिले के चयनित 50 हाई एवं हायर सेकेंडरी शालाओं में अध्यनरत विद्यार्थियों में स्वयं के आइडिया को एक सार्थक रूप देने के उद्देश्य से सक्षम कार्यक्रम के द्वारा उद्यमिता मानसिकता कार्यक्रम रायगढ़ जिला मुख्यालय के क्षेत्रीय पंचायत सचिव प्रशिक्षण केंद्र में रायगढ़ में चयनित 50 विद्यालयों के प्राचार्य की एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम तथा 50 विद्यालयों में कक्षा 9वीं एवं गर्मी के दिनों में विद्यार्थियों को अध्यापन करने वाले व्याख्याताओं का दो दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ की गई।

कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत श्री जितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम 14 दिसंबर 2024 तक क्षेत्रीय पंचायत सचिव प्रशिक्षण केंद्र रायगढ़ में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एवं एडीपीओ आलोक स्वर्णकार ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से अध्यनरत विद्यार्थियों की मानसिकता में यह परिवर्तन करना कि उनकी छोटी सी आइडिया भी किस तरह एक बड़ा उद्यम का रूप ले सकती है तथा भविष्य में एक क्रांति ला सकती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्राचार्य एवं व्याख्याता को प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक प्रशिक्षण विभिन्न गतिविधियों के माध्यम प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। प्रशिक्षण में व्याख्याता को यह महसूस कराया गया कि वे विद्यालय में एक विद्यार्थी के रूप में अपने शिक्षकों एवं विद्यालयों से क्या अपेक्षा करते हैं, जो उनके स्वयं के आइडिया को मूर्त रूप प्रदान करने में बच्चों को किस प्रकार सहयोग प्रदान कर सकते हैं। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया की कक्षा नवमी के विद्यार्थियों की सोच को हम सुरक्षित रूप में कैसे एक सकारात्मक दिशा दे सकते हैं तथा कक्षा ग्यारहवीं के आते तक उस आइडिया को विकसित करने के लिए एक सीड मनी के माध्यम से कैसे उसे एक उद्यम का रूप देने में सहायक बन सकते हैं। कार्यक्रम को प्रारंभ करते हुए प्रथम दिवस में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के व्ही राव ने नई शिक्षा नीति 2020 के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए यह बताया कि किस तरीके से 21वीं सदी में शिक्षा नए रूप में परिवर्तित हो रहा है तथा बच्चों को स्वावलंबी बनाने के लिए नई शिक्षा नीति में किस तरह के प्रयास किये जा रहे हैं। जिला मिशन समन्वय नरेंद्र चौधरी ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए इसे शासन के निर्देशानुसार विद्यालयों में पालन करने के निर्देश दिए।

इस प्रशिक्षण के बाद उद्यम लर्निंग फाउंडेशन की एक टीम रायगढ़ में नियमित रूप से रहकर चयनित विद्यालयों में इसके क्रियान्वयन पर सतत नजर रखते हुए उनके द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को मार्गदर्शन देगी तथा बच्चों के आइडिया को प्रोत्साहित करते हुए उसे शिक्षा से जोड़ते हुए एक मूर्त रूप प्रदान करेगी। 11 एवं 12 दिसंबर को रायगढ़, घरघोड़ा एवं तमनार विकासखंड के 50 प्राचार्य एवं रायगढ़ विकासखंड के 30 विद्यालय के व्याख्याता को यह प्रशिक्षण दिया गया तथा 13 एवं 14 दिसंबर को घरघोड़ा एवं तमनार विकासखंड के बीस विद्यालयों के कक्षा नवमी एवं 11वीं अध्यापन करने वाले व्याख्याता को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है । 4 दिवसीय इस प्रशिक्षण में उद्यम लर्निंग फाउंडेशन की टीम के 10 ट्रेनर द्वारा द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। लर्निंग फाउंडेशन से मंजू गर्ग, सचिन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्राचार्यों और शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने के लिये उनकी टीम के से अदिति, कुंदन, सौम्या, उदय, प्रियंका, प्रियंक, विनय एवं योगिता के द्वारा महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार एवं प्रभावशाली ढंग से प्रशिक्षण कराया जा रहा है।

गौठानों व रीपा केंद्रों को बंद करने का दुष्परिणाम है पलायन : विनोद चंद्राकर

महासमुंद,16 दिसंबर। पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के उस बयान को हास्यास्पद बताया है जिसमें उन्होंने गौठानों व रीपा ;रूरल इंडस्ट्रीयल पार्कद्ध को लेकर दी है। श्री चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गौठानों के उपयोगिता को लेकर होमवर्क तथा रीपा केंद्रों में महिला स्व.सहायता समूहों के माध्यम से रेडी.टू.ईट निर्माण की बात कही हैए जो कांग्रेस शासन के समय प्रदेश के 300 रीपा केंद्रों तथा गोठानो से जुड़ी महिलाओं तथा किसानों के साथ धोखा है। चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में गौठान गोधन न्याय योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 21 जुलाईए 2020 को की थी। इसके तहतए राज्य सरकार पशुपालकों और किसानों को कई तरह के फायदे दे रही थी। सरकार गाय और भैंस के गोबर को 2 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदी कर पशुपालकों को अतिरिक्त आय प्रदान कर रही थी। इस योजना से पशुपालकों की आय में

वृद्धि हो रही थी। साथ ही गौ पालन और गौ संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा था। किसानों ने जैविक उर्वरकों का इस्तेमाल बढ़ाया और रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल कम किया। स्थानीय स्तर पर जैविक खाद आसानी से उपलब्ध हो रही थी। जिससे भूमि की उर्वरता में सुधार हो रहा था। इसके अलावा रीपा योजना के तहत श्री बघेल ने 300 रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क की निर्माण का महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किया। 2 अक्टूबर 2022 गांधी जयंती के अवसर पर श्री बघेल ने रीपा योजना का शुभारंभ किया था।उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के महत्वाकांक्षी योजना में से एक रीपा से ग्रामीणों एवं महिलाओं की जिन्दगी खुशहाल हो रही थी। रीपा से ग्रामीण माताओं.बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास के सकारात्मक और बेहतर परिणाम सामने आने लगे। महिलाएं खुद हुनरमंद होकर छोटे.छोटे रोजगार के जरिए स्वावलंबी बन रहे थे। गांव में उद्यमिता को बढ़ावा मिलने से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन भी हुआ था। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजी.रोटी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ा। श्री बघेल के गोठान और रीपा योजना का एक बेहतर प्रतिफल यह भी रहा की ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन रूक गया था।चंद्राकर ने आगे कहा गांव में ही रूरल इंडस्ट्रियल पार्क खोले जाने से महिलाओं को घर के पास ही रोजगार मिल रहा था। साथ ही उनकी आमदनी भी दोगुनी हो रही थी। महिलाएं चूल्हे चौके से बाहर निकलकर अत्याधुनिक मशीन चला रही थी। महिलाओं को मशीन चलाने का प्रशिक्षण भूपेश सरकार द्वारा दिया गया। जिसके बाद महिलाएं पेंटए ईंटए दोना.पत्तल समेत 100 से ज्यादा प्रकार के सामान का उत्पादन कर स्वावलंबी बन रही थी तथा दूसरों को रोजगार उपलब्ध करा रही थी। लेकिन सरकार बदलते ही भाजपा ने दुर्भावनावश गौठान व रीपा का संचालन बंद कर दिया। महिला स्व.सहायता समूह की हजारों महिलाएं बेरोजगार हो गई। इसी तरह गौठान बंद होने से गौ पालकों को गोबर तथा गौ मूत्र बेचकर जो अतिरिक्त आय मिल रहा थाए वह भी बंद हो गया। महिलाएं घर की जिम्मेदारियां उठा रही थी। गौठान व रीपा बंद करने का दुष्परिणाम आज गांवों में पलायन के रूप में देखने को मिल रहा है। पूरे देश में भूपेश सरकार के जिस योजना को सराहा गया थाए उन योजनाओं को लेकर आज भाजपा के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कह रहे हैं कि गौठानों की क्या उपयोगिता हो सकती है उन पर होमवर्क कर रहे हैं।

गुरु घासीदास जयंती 18 दिसम्बर को शुष्क दिवस घोषित

रायगढ़, 16 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गुरू घासीदास जयंती 18 दिसम्बर 2024 को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने उक्त शुष्क दिवस पर जिले की समस्त देशी मदिरा (सी.एस.-2 घघ), कम्पोजिट मदिरा (सी.एस.-2घघ कंपोजिट) एवं विदेशी मदिरा (एफ.एल.-1 घघ), समस्त विदेशी कम्पोजिटल मदिरा (एफ.एल.-1 घघ कम्पोजिट) दुकानों, देशी मदिरा भंडारण भंडागार एवं समस्त होटल बार अनुज्ञप्ति (एफ.एल.-3), शॉपिंग मॉल रेस्टोरेंट बार अनुज्ञप्ति (एफ.एल.3 क) एवं समस्त देशी/देशी कम्पोजिट अहाता, समस्त विदेशी/विदेशी कम्पोजिट अहाता को पूर्ण रूप से बंद रखे जाने हेतु आदेश जारी किया

डीआरजी बीजापुर एवं थाना भैरमगढ़ की संयुक्त कार्रवाई, 4 जन मिलिशिया सदस्य गिरफ्तार

बीजापुर, 16 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत् दिनांक 14.12.2024 को डीआरजी बीजापुर एवं भैरमगढ़ की टीम चिहका, बिरियाभूमि की ओर निकली थी।अभियान के दौरान पुलिस पार्टी द्वारा चिहका से 04 जनमिलिशिया सदस्यों को पकड़ा गया 1.जिला राम मण्डावी ऊर्फ दलाल पिता अर्जुन मण्डावी उम्र 20 वर्ष निवासी बिरियाभूमि थाना भैरमगढ 2.बोटी मुचाकी ऊर्फ वड्डे ऊर्फ बोरिंगमोंडा पिता स्व0 हड़मो मुचाकी उम्र 25 निवासी बिरियाभूमि थाना भैरमगढ़ 3.राजूराम पोड़ियाम ऊर्फ जोल्टू पिता स्व0 बुधु पोड़ियाम उम्र 27 वर्ष जाति मुरिया निवासी ग्राम बिरियाभूमि थाना भैरमगढ़4.राजाराम पोड़ियाम पिता स्व0 जोगा पोड़ियाम उम्र 42 वर्ष जाति मुरिया निवासी दारमेर थाना भैरमगढ़। पूछताछ पर गिरफ्तार माओवादियों के द्वारा भूतपूर्व सरपंच की हत्या में शामिल होना स्वीकार किये है। पकड़े गये माओवादियों के विरूद्ध थाना भैरमगढ़ में वैधानिक कार्यवाही उपरान्त न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया है।

होंडा ने अंबिकापुर में चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, युवाओं को दी जिम्मेदार राइडिंग की प्रेरणा

बीजापुर, 16 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। अंबिकापुर, होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूशटर इंडिया (एचएमएसआई) ने सड़क सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में एक विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सैनिक स्कूल और बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों और कर्मचारियों को सुरक्षित सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक बनाना था। इस पहल के तहत 2100से अधिक छात्रों को सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाने और जिम्मेदार राइडिंग की आदतें विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।युवाओं की सड़क सुरक्षा में अहम भूमिका को पहचानते हुए, एचएमएसआई ने इस अभियान को रोचक और संवादात्मक बनाया, ताकि प्रतिभागी इसे आसानी से समझ सकें और अपनाएं। सरकारी और निजी स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों में ऐसे अभियानों के जरिए, एचएमएसआई सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और सुरक्षित सड़क व्यवहार को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार काम कर रहा है।इस पहल का उद्देश्य युवाओं को यह सिखाना है कि सड़क पर सुरक्षित रहना और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखना कितना महत्वपूर्ण है। खासतौर पर युवा राइडर्स को जिम्मेदार तरीके से वाहन चलाने की आदत डालने के लिए ऐसे कार्यक्रम एक अहम कदम हैं। एचएमएसआई का यह अभियान सड़क सुरक्षा के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रभावी प्रयास है।अंबिकापुर में हुए इस अभियान में सड़क सुरक्षा को प्रभावी और आकर्षक बनाने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को सुरक्षित राइडिंग के सिद्धांत सिखाए गए, उन्हें संभावित खतरों की पहचान करना सिखाया गया और सड़क पर सुरक्षित रहने के लिए जरूरी उपाय बताए गए।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

गरियाबंद, 16 दिसंबर। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए ऑन लाईन आवेदन आमंत्रित किये गये है। जिला व्यापार एवं उद्योग के महाप्रबंधक श्री दीनबन्धु ध्रुव ने बताया कि इसके लिए जिले में निवासरत 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति आवेदन कर सकते है। शैक्षणिक योग्यता 8वीं उत्तीर्ण एवं एक परिवार से एक व्यक्ति पात्र होंगे। इसमें कुल परियोजना लागत का ×5 प्रतिशत अनुदान प्राप्त होगा। अधिकतम अनुदान 10 लाख प्रति उद्यमी होगा। लाभार्थी का अंशदान न्यूनतम 10 प्रतिशत होगा, शेष राशि बैंक से ऋण के रूप में प्राप्त होगा। योजनान्तर्गत खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योग जैसे पोहा उद्योग, आचार, मसाला निर्माण एवं पैकेजिंग, पापड़ बडी निर्माण, टमाटर सॉस, मक्का प्रोसेसिंग, गेहू, बाजरा, कोदो कुटकी, रागी आधारित उत्पाद बेकरी प्रोडक्टस् सेवईया निर्माण, डेयरी उत्पाद (पनीर घी, दही, मिठाई निर्माण) एवं नमकीन निर्माण, पशु आहार निर्माण उत्पादन इकाई स्थापना में सहायता की जायेगी। हितग्राही ऑनलाईन आवेदन डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट पीएमएफएमई डॉट एमओएफपीआई डॉट जीओवी डॉट इन पर कर सकते है। आवश्यक दस्तावेज के रूप में शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र न्यूनतम 8वीं पास, आधार कार्ड, पेन कार्ड, राशन कार्ड, अंतिम 06 माहिनो का बैंक स्टेटमेन्ट की फोटोकापी, मशीनरी का कोटेशन, मोबाईल नम्बर, ई मेल आई.डी. की जानकारी देनी होगी। डीआरपी डिस्ट्रीक्ट रिसोर्स पर्सन्स की होगी नियुक्ति जिला स्तर पर लाभार्थियों को हैंड होल्डिंग सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्टेट नोडल एजेंसी द्वारा डीआरपी नियुक्त किया जाना है। डीआरपी के पास शैक्षणिक योग्यता अंतर्गत खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य इंजीनियरिंग में डिप्लोमा, डिग्री खाद्य प्रसंस्करण उद्योग बैकिंग एवं डीपीआर तैयार करने में अनुभवी व्यक्ति पात्र होंगे। डीआरपी लाभार्थियों को डीपीआर तैयार करने बैक से ऋण लेने एफएसएसएआई के खाद्य मानकों, उद्यम राजिस्ट्रेशन, जीएसटी आदि सहित पंजीकरण एवं लायसेन्स प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगें। प्रत्येक लाभार्थी को उपलब्ध कराई गई सहायता के आधार पर डीआरपी के प्रत्येक मानदेय का भुगतान बैक से ऋण स्वीकृति के उपरांत किया जायेगा। डीआरपी को प्रति प्रकरण ऋण स्वीकृति के 20 हजार की दर से भुगतान किया जायेगा। 50 प्रतिशत का भुगतान बैक से ऋण स्वीकृति के पश्चात तथा शेष 50 प्रतिशत का भुगतान एफएसएसएआई के मानकों के अनुपालन परियोजना के इम्प्लीमेन्टेशन तथा ट्रेनिंग प्रदाय करने के पश्चात किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, गरियाबन्द, संयुक्त जिला कार्यालय कक्ष क्रमांक 92 में सम्पर्क कर सकते है या दूरभाष क्रमांक 07706-241268 पर भी फोन करके जानकारी ले सकते हैं।

ग्राम डोंगरीगांव में श्रमिक सम्मेलन एवं श्रम शिविर का आयोजन 17 दिसम्बर को

गरियाबंद, 16 दिसंबर। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर गरियाबंद जिला मुख्यालय स्थित लाईवलीहुड कॉलेज मे श्रमिक सम्मेलन एवं श्रम शिविर का आयोजन मंगलवार 17 दिसम्बर को दोपहर 02 बजे से शाम 6 बजे तक किया जायेगा। श्रम पदाधिकारी ऐलन मिंज ने बताया कि इस शिविर में मजदूर चौड़ी, निर्माण स्थल, उद्योगिक क्षेत्र, श्रमिक बस्ती जैसे स्थलों पर श्रमिको की अधिक से अधिक संख्या में विभागीय योजनाओं एवं श्रम कानूनों के प्रचार - प्रसार तथा लोगों में जागरूकता लोने के यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने श्रम निरीक्षक परीक्षित कुमार को नोडल अधिकारी बनाया गया है। फूलचंद साहू को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। उनके सहयोग के लिए श्रम उप निरीक्षक सुश्री रश्मि ठाकुर, श्रम कल्याण अधिकारी श्रीमती प्रीति ठाकुर, मनीष कुमार बंजारे एवं पूर्णानंद साहू , निकेश सिन्हा, गणेश साहू एवं लुकेश सेन की ड्यूटी लगाई गई है।

चिंताग्रसित प्रत्येक मानव को सच्ची राह दिखाती है गीता : ब्रह्माकुमारी भारती दीदी

- श्रीमद् भागवत सप्ताह का भव्य शुभारंभ
- मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ से बड़ी तादाद में लोग लाभ लेने पहुंचे कथा में
- शोभा यात्रा से शहर का वातावरण धार्मिक व निर्मल हुआ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 16 दिसम्बर। वर्तमान समय प्रत्येक मानव मोह व चिंता से ग्रसित अर्जुन की तरह अनेक मनोविकारों में शंका में डूबा हुआ है, उसे सत्य राह दिखाई नहीं दे रही है। ऐसे में प्रत्येक मानव की दशा को देखकर स्वयं गीता ज्ञान दाता शिव भगवान अपने गीता में किए वायदे के अनुसार इस सृष्टि पर आकर प्रत्येक निराशा में डूबे मानव को आशा की किरण दिखा रहे हैं।सत्यमार्ग दिखलाकर मानव मन को सुख, शांति, शक्ति की प्राप्ति कर रहे हैं। यह विचार कटनी से पधारे श्रीमद् भागवत कथा वाचक राज योगिनी भारती दीदी ने राधा कृष्ण मंदिर में आयोजित 15 दिसंबर से 21 दिसंबर तक भागवत सप्ताह के प्रथम दिन के अवसर पर जनमानस को संबोधित किया। इससे पूर्व शोभा यात्रा प्रात 10:00 बजे राधा कृष्ण मंदिर से प्रारंभ होकर गंज रोड, बस स्टैंड, सदर बाजार होते हुए पुनः राधा कृष्ण मंदिर पर कथा के रूप में समापन हुई। शोभा यात्रा के शुभारंभ

सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा बहन ने झंडा दिखाकर किया। अपने संबोधन में बताया कि माघ शीर्ष पूर्णिमा के अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ बड़ा शुभ माना जाता है। यह अवसर अपने जीवन को समझने व श्रेष्ठ कर्म करके 21 जन्म अपनी तकदीर को श्रेष्ठ बनाने का। इस अवसर पर धार्मिक प्रभाग के राष्ट्रीय कार्यकारीराजयोगी ब्रह्मा कुमार नारायण भाई इंदौर ने बताया कि गीता ज्ञान निर्मल जल की तरह है जो भी व्यक्ति इस ज्ञान सागर में डुबकी लगा देता है उसके सभी मनोविकार मिट जाते हैं। मन निर्मला पवित्र होकर परमात्मा शिव से लगन लग जाती है जिससे आत्मा स्वच्छ पवित्र बन जाती है सत चित आनंद स्वरूप में ढल जाती है। इस कार्यक्रम की भव्यता इससे लगती है इसका लाभ लेने के लिए स्थानीय जनता के अलावा छत्तीसगढ़ से बिलासपुर मध्य प्रदेश से कटनी, शहडोल छत्तीसगढ़ से गुंडरदेही, दुर्ग, बालोद व नवापारा के आसपास से काफी संख्या में इसका लाभ लेने पहुंचे हैं। कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से 5:00 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रतिदिन समापन आरती के द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक दिन प्रातः 5:30 बजे से 7:00 बजे म्यूजिकल एक्सरसाइज व राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया जाएगा।

समाचार संक्षेप

कौवाडीह में विकासखंड स्तरीय पशु प्रदर्शनी मेला का आयोजन

बलौदाबाजार, 16 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विकासखंड पलारी के ग्राम कौवाडीह में शनिवार को विकासखंड स्तरीय पशु प्रदर्शनी एवं मेला का आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न ग्रामों से आये हुए कुल 85 पशु पालको एवं ग्रामीण जनों के द्वारा लगभग 300 पशुओं का पंजीयन कराकर पशु प्रदर्शनी में भाग लिया गया। इस. दौरान गौ पूजन एवं पशु पलकों का सम्मान किया। पशु प्रदर्शनी मेले में दुधारू गाय, बैल, भैंस, स्वस्थ बछड़ा, उन्नत संकर बछिया, बकरी- बकरा, मुर्गी- मुर्गा एवं सुकर कुल 8 वर्गों में प्रतियोगिता करायी गयी तथा प्रत्येक वर्गों में क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर पशु पालकों एवं 15 चरवाहों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष खिलेन्द्र वर्मा, कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रवीण धुरंधर, पूर्व मण्डी सदस्य सनथ वर्मा, डॉ रश्मि लता राकेश, डॉ रूपेश बघेल, विकास खण्ड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ निर्मल चेलक, डॉ श्वेता बंजारा, डॉ चंदन कुर्रे सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित थे।

शासन के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की व्यवस्था, सुशासन पर पॉलीटेक्निक कालेज में वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी स्पर्धा

बलौदाबाजार, 16 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के एक वर्ष पूर्ण होने पर राज्य सरकार द्वारा सुशासन और शासन व्यवस्था पर केंद्रित स्व. करूणा शासकीय पॉलीटेक्निक बलोदाबाज़ार के सेमिनार हॉल में 10 दिसंबर को वाद-विवाद एवं 12 दिसंबर को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफलता पूर्ण आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का सुरुआत संस्था के प्राचार्य डॉ. आर. के. अग्रवाल एवँ कार्यक्रम के सँयोजक गणेश राम, व्याख्याता यांत्रिकी के प्रस्तावना उल्बोधन उपरांत प्रारंभ किया गाया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राज्य में सुशासन की दिशा में किए गए प्रयासों को विद्यर्थियों को अवगत कराते हुए जानकारी उपलब्ध कराना था। प्रतियोगिताओं में विद्यर्थियों द्वारा उत्साह पूर्ण हिस्सा लिया। वाद-विवाद के दौरान प्रतिभागियों ने राज्य सरकार द्वारा पिछले एक वर्ष में किए गए विकास कार्यों, सुशासन संबंधी पहलों और आगामी चुनौतियों पर अपने विचार रखे। प्रश्नोत्तरी सत्र में विद्यर्थियों ने राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित प्रश्नों के साथ- साथ सुशासन व्यवस्था के भी के उत्तर दिए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में सिविल ब्रांच के तृतीय सेमेस्टर के छात्र अभिषेक कुर्रे तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में यांत्रिकी ब्रांच के तृतीय सेमेस्टर के छात्र भुपेंद्र कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किये। इस अवसर पर संस्था के समस्त छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

महात्मा गाँधी ने आत्मनिर्भर और सुराजी गांव की कल्पना की थी : भूपेश बघेल

भखारा, 16 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ग्रामीण कांग्रेस कमेटी कोलियारी के तत्वाधान में आयोजित महात्मा गाँधी की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मूख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वरिष्ठ कांग्रेसी स्व. पुराणिक साहू की स्मृति में पत्नी श्री मति पारबती साहू व पुत्र डोमार डीकेशवरी साहू के द्वारा उनके पुण्य स्मृति मे प्रदत्त महात्मा गाँधी की मूर्ति का अनावरण किया और ग्रामीण कांग्रेस कोलियारी के कार्यकर्ताओ की इस पहल की भी सराहाना की और उन्होंने कहा कि महात्मा गाँधी भारत कि आजादी के प्रणेता थे जब तक जिए पूरा जीवन भारत माता की सेवा मे अर्पण किया।कोलियारी गांव उस महात्मा गाँधी कि प्रेरणा को लेकर देश मे हो रहे अन्याय व असमानता के खिलाफलड़ाई लड़नी है गाँधी जी के सपनो का भारत अमीर गरीब, ऊंच नीच, प्रेम सद्भाव से परिपूर्ण है और आज फिर से हमें उसी गाँधी के भारत का निर्माण करना है शनिवार को भारत माता की जय और महात्मा गाँधी अमर रहे के नारों से पूरा गांव गूंज उठा।पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने देश प्रदेश कि स्थिति और तत्कालीन सरकार में किये गए छत्तीसगढ़ के लिए किये गए कार्यों को याद दिलाकर भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों की नाकामी बताई। श्री बघेल ने कहा कि हमारी सरकार में महिलाओ, युवाओं व किसानों को मजबूत करने का काम किया और ये सरकार मजबूर करने का काम कर रही है गाँधी जी इसी विषमता को हटाकर प्रेम, सद्भाव भाईचारा कि बात करते थे आत्मनिर्भर भारत और सुराजी गांव जहाँ जन आवश्यकता की सब चीज गांव मे ही प्राप्त हो ऐसे भारत की परिकल्पना को मूर्त रूप देने का काम हमने किया लेकिन भाजपा सरकार उन सभी योजनाओं को बंद कर जनमानस के साथ कुठाराघात कर रही है इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शरद लोहाना, सिहावा विधायक अम्बिका मरकाम, पूर्व विधायक गुरूमुख सिंह होरा, धमतरी विधायक ओंकार साहू, धमतरी महापौर विजय देवगन, जिला पंचायत अध्यक्ष कांति सोनवानी, जिप सभापति तारिणी नीलम चंद्राकर, राजकुमारी दिवान, जिप सदस्य गोविन्द साहू, भरत नहर, आशीष शर्मा, डिहु राम, परमेश्वरी महेंद्र साहू, सुमन संतोष, बिसौहा, राधा मनमोहन, डोमार, रामरतन, इन्द्रजीत, कुलेश्वर, हरि राम, राधिका ध्रुव, गेंद लाल, बिसौहा राम, मुकेश, गौतम, रघुनंदन, रामेश्वर, नंदलाल, फोश, महेन्द्र, रामेश्वर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व आसपास के कांग्रेस जन उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम का मंच संचालन भखारा ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजू साहू ने किया एवं आभार मनमोहन साहू ने किया।

एक नजर

आकाशवाणी का प्राइमरी चैनल प्राय: बंद रहता है,शिकायत है लोगों की

सिमगा, 16 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ की राजधानी स्थित आकाशवाणी रायपुर रेडियो श्रोताओ का एक प्रमुख रेडियो स्टेशन है गत कुछ दिनों से आकाशवाणी का प्राइमरी चैनल बेहद खराब स्थिति से गुजर रहा है प्राया बंद रहता है यदि प्रसारण चालू रहता है तो कभी भी बंद हो जाता है साथ ही कभी अ स्पष्ट आवाज का प्रसारण कर रहा है प्राय प्रसारण बंद रहता है रेडियो प्रेमी आकाशवाणी रायपुर के प्रतिरोध व्याप्त है।

जुआ खेलते 4 लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 16 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ऑपरेशन विश्वास के तहत थाना पलारी पुलिस द्वारा जुआ, सट्टा आदि अंवैधानिक कार्यों में लिप्त आरोपियों एवं अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में 14 दिसम्बर को थाना पलारी पुलिस द्वारा पलारी के खार में मुरूम खदान के पास जुआ खेलते हुए 04 जुआरियो को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जुआरियों से नगदी 55, 900 एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया गया। आरोपी जुआरियों के विरूद्ध थाना पलारी में छ.ग. जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध क्र. 562/2024 पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है।

शराब की अवैध बिक्री करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 16 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 13 दिसम्बर को थाना सिटी कोतवाली पुलिस टीम द्वारा अलग-अलग मामलों में अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले हुए 02 आरोपियों को पकड़ा गया है। आरोपियों से 14, 080 कीमत मूल्य का कुल 120 पाव देशी मसाला शराब जप्त किया गया है। साथ ही प्रकरण में अवैध रूप से शराब परिवहन में प्रयुक्त एक स्कूटी जूपिटर वाहन बिना नंबर भी जप्त किया गया है। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

विभाग की मेहरबानी या ठेकेदार की मनमानी

लाखों की लागत से दो साल पहले बनी टंकी से पानी ही नहीं मिल रहा

- कही टंकी निर्माण अधूरा तो कही पाइप लाइन व स्टैंड पोल का निर्माण अधूरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 16 दिसम्बर। जलजीवन मिशन के तहत छुरा ब्लाक मे बने टंकी मात्र शो पीस बनकर रह गये है दो साल पहले बने टंकियों से लोग पानी का इंतजार करते करते थक गये है केंद्र सरकार कि मंशा थी कि जलजीवन मिशन योजना से जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो जिसके लिये केंद्र सरकार ने बजट का खजाना खोल दिया लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ठेकेदार से मिलीभगत कर जलजीवन मिशन योजना का बंठाधार करने मे कोई कसर बाकी नहीं छोड़ा है योजना के तहत बन रहे अधिकतर पानी टंकिया आधे अधूरे पड़े है या तो पूरा बनकर तैयार हो जाने के बाद भी लोगो को शुद्ध पेयजल के लिये इंतजार करना पढ़ रहा है ग्राम पंचायत दादरगांव पुराना टेंगनाही पारा के लोगो को पिने के पानी के लिये भारी मशक्कत करनी पढ़ रही है मोहल्ले मे ही पानी टंकी का निर्माण दो साल पहले हो चुका है टंकी मे पानी भरने बोर भी हो चुका है लेकिन बोर से टंकी तक पानी कि सप्लाई के लिये ठेकेदार द्वारा व्यवस्था नहीं करने से दो साल बाद भी पानी कि सप्लाई नहीं हो पाई है जिस वजह से लोगो को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है इधर पीएचई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कार्यालय मे बैठकर कागजो मे घोड़ा दौड़ा रहे है ठेकेदार द्वारा दादरगांव के सरपंच से पूर्णता व उपयोगिता प्रमाण पत्र पर दस्तखत कराकर विभाग को कार्य पूर्ण बता दिया गया है जबकि दादरगांव ठेकेदार द्वारा बनाये गये टंकी व टोटीयो से जल नहीं मिल रहा है।

उद्घाटन के पहले ही जर्जर न होने लगा है पानी टंकी व स्टैंड पोल: ब्लाक मे अधिकतर पानी टंकीया खुद ही अपनी घटिया निर्माण कि कहानी बयां कर रही है कई टंकिया तो उद्घाटन के पहले ही जर्जर स्थिति मे नजर आ रहे है ग्राम लोहझर मे बने पानी टंकी बनने के बाद से ही सिपेज़ करने लगा है तो वही पानी टंकी के ऊपर तक पहुंचने के लिये बनाये गये सीढ़िया क्रेक हो गये है और सीढ़ियों पर चलने पर सीढ़िया हिलने लगी है वही छुरा नगर से लगे रावणाभाठा मे ठेकेदार कि मनमानी चल रही है ठेकेदार द्वारा दो वर्ष बीत जाने के बाद भी रावणाभाठा के कुछ मोहल्लो मे स्टैंड पोल का कार्य नहीं किया गया है वही ठेकेदार द्वारा पाइपलाइन बिछाने खोदे गये सीसी सड़क को खोदकर पाइपलाइन बिछाने के बाद सीसी सड़क को कंक्रीट नहीं किये जाने से गलियों से गुजरने वाले लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे है, ग्राम कूड़ेमा मे ठेकेदार द्वारा पाइपलाइन व स्टैंड पोल का का काम एक वर्ष पूर्व कर लिया गया है लेकिन ठेकेदार द्वारा टंकी का निर्माण अधूरा कर छोड़ दिया गया है ठेकेदार द्वारा जहा घर नहीं वहा भी स्टैंड पोल का निर्माण कर दिया गया है।

पीएचई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी आखिर क्यू मेहरबान है ठेकेदार पर?

केंद्र कि भाजपा सरकार द्वारा हर घर जल पहुंचाने जल जीवन मिशन योजना के तहत अरबो रूपये का बजट कि स्वीकृति दी गई थी योजना के तहत दिसंबर 2024 तक पूर्ण करना था लेकिन विभाग द्वारा सही मानिटरिंग नहीं करने के चलते केंद्र सरकार कि महत्वकांक्षी योजना सिर्फकागजो मे नजर आ रही है

क्या कहते है अधिकारी

इस संबंध मे पीएचई विभाग के एस. डी.ओ.नवीन साहू से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा नया कनेक्शन जोड़ने नहीं दिया गया है जो पुराना कनेक्शन है उसी से पानी सप्लाई करने कि बात कही गई, विभाग के द्वारा पानी टंकी के पास बोर खनन किया गया है लेकिन खोदे गये बोर मे शरारती तत्वों के द्वारा पत्थर गिट्टी व लकड़ी डाल दिया गया है अगर सरपंच सचिव बोल दे कि टंकी से गांव मे पानी सप्लाई किया जाए तो हम जल्द ही पानी कनेक्शन जोड़ देंगे।

हमारे द्वारा बोर किया गया था लेकिन शरारती तत्वों द्वारा बोर मे पत्थर लकड़ी डालकर बोर को बंद कर दिया गया है इस संबंध मे मेरे द्वारा दादरगांव के सचिव को बोर साफकराने बोला गया था क्युकी इसके लिये पंचायत मे पैसा आता है लेकिन सचिव द्वारा अभी तक साफनहीं कराया गया है अभी विभाग का बोर मशीन बाहर है बोर मशीन लाकर बोर को साफकराकर एक सप्ताह कि भीतर गांव मे जल कि सप्लाई टंकी से चालु किया जाएगा।

-किशोर सिंग,
इंजीनियर पीएचई विभाग

बाइक रैली निकालकर युवा कांग्रेसियों ने किया पूर्व सीएम भूपेश बघेल का स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भखारा, 16 दिसम्बर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भखारा क्षेत्र के ग्राम कोलियारी में स्व.पुरानिक राम साहू की स्मृति में पत्नी पार्वती साहू, पुत्र डोमार डिकेश्वरी साहू के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति प्रदत्त किया गया जिसका अनावरण शनिवार को ग्राम कोलियारी में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा किया गया पूर्व मुख्यमंत्री के आगमन पर ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष पुखराज साहू के नेतृत्व में कांग्रेस के युवाओं ने ग्राम थुहा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का स्वागत किया एवं ग्राम थुहा से कोलियारी तक बाइक रैली कर भव्य स्वागत किया गया उक्त बाइक रैली में कुरुद नगर पंचायत अध्यक्ष तपन चंद्राकर, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेंद्र सोनवानी, ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री अविनाश गौर, एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ पाल, रूपेंद्र साहू, लेखराम यादव, एवन साहू, लोकेन्द्र साहू, पन्नू सिन्हा, नवागांव उपसरपंच उपेन्द्र साहू, कामता साहू, लोकेश साहू, पुष्पेंद्र साहू, तोरण साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसियों ने स्वागत किया।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक बढ़ते हादसों पर जताई चिंता

बलौदाबाजार, 16 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर दीपक सोनी की अध्यक्षता में आज सड़क सुरक्षा का बैठक संपन्न हुआ। जिसमें बढ़ती सड़क दुर्घटनाओ पर चिंता जाहिर की गयी। जिला परिवहन अधिकारी, ट्रैफ्फिक डीएसपी एवं अन्य सम्बंधित अधिकारियों को जिले के ब्लैक स्पॉट क़ो चिंहाकित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है। साथ ही दुर्घटना से बचाव सम्बंधित व्यवस्था दुरुस्त करनें कहा गया है। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफसख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही हाई वे एवं प्रमुख चौक में दुर्घटना से बचाव सम्बंधित व्यवस्था दुरुस्त करनें रडियम साइनेज लगाने एवं मार्मिक स्लोगन बोर्ड लगाने क़ी भी निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल अजिला परिवहन अधिकारी सी एल देवांगन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी गण उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में 500 युवाओं ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

विजेता प्रतिभागी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 16 दिसम्बर। खेल एवं युवा कलयाण विभाग जिला बलौदाबाजार भाटापारा द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें 500 युवाओं ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति से सबंधित नृत्य एवं संगीत क़े साथ खेल व विज्ञान विकास क़ो प्रदर्शित किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी अब राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए हुनर दिखाएंगे। इसके साथ ही जिला स्तरीय महिला खेल -कूद प्रतियोगिता में करीब 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया। शनिवार क़ो नगर भवन बलौदाबाजार में आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में भारत स्काउट एवं गाइड क़े राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी ने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों क़ो पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर वंदना तिवारी, नेहरू युवा केंद्र क़े जिला अधिकारी अर्पित तिवारी, वरिष्ठ खेल अधिकारी प्रीति बंछोर, नोडल अधिकारी पलरी ईश्वर साहू, नोडल अधिकारी सिमगा हरबंश निषाद उपस्थित थे।

प्राप्त जानकारी क़े अनुसार सामूहिक लोक नृत्य में विकासखंड भाटापारा प्रथम, पलारी द्वितीय एवं बलौदाबाजार तृतीय स्थान प्राप्त

हुआ। इसीप्रकार व्यक्तिगत लोक नृत्य में विकासखंड भाटापारा प्रथम एवं पलारी द्वितीय, सामूहिक लोक गीत में विकासखंड पलारी प्रथम एवं भाटापारा द्वितीय, व्यक्तिगत लोकगीत में विकासखंड पलारी प्रथम, सिमगा द्वितीय एवं भाटापारा तृतीय, कहानी लेखन में मृणाल बाजपेयी प्रथम, गुंजा साहू द्वितीय, ममता साहू तृतीय, चित्रकला में डाकेश्वरी साहू प्रथम, योगेश निर्मलकर द्वितीय, निखिल यदु तृतीय, तात्कालिक भाषण में लुबना सोनी प्रथम, सुमित्रा फेकर, चेलश्वरी साहु, कविता में ओजस्वी वर्मा प्रथम, सुमित्रा फेकर द्वितीय, हिमेश धृतलहरे तृतीय, विज्ञान मेला में विकासखंड बलौदाबाजार प्रथम, भाटापारा द्वितीय, पलारी तृतीय, हस्तशिल्प में विकासखंड विकासखंड बलौदाबाजार प्रथम, पलरी द्वितीय, कृषि उत्पाद में प्राची पटेल प्रथम, यमुना वर्मा द्वितीय, आदित्य साहू तृतीय। महिला खेल कूद प्रतियोगिता एथलेटिक्स 100 मीटर दौड़ में मोगरा साहू प्रथम, श्वेता पैकरा द्वितीय, 400 मीटर दौड़ में मोगरा साहू प्रथम, सान्या महिलांगे द्वितीय, तवा फेंक सान्या महिलांगे, चांद साय द्वितीय, खो खो टीम चैम्पियन भाटापारा प्रथम, पलारी द्वितीय, बैडमिंटन सिंगल हर्षिता साहू प्रथम, अंशु साहू द्वितीय, डबल्स पुष्पांजलि साहू प्रथम, अंशु साहू द्वितीय, व्हालीबाल रागिनी चौहान प्रथम, लक्ष्मी सोनवानी द्वितीय, रस्सा कसी कसडोल प्रथम, बलौदाबाजार द्वितीय स्थान पर रहे।

लैंगिक हिंसा जागरूकता अभियान का हुआ समापन

बलौदाबाजार, 16 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी टिक्रेन्द्र जाटवर के मार्गदर्शन में सुश्री मंजू तिवारी जिला संरक्षण अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक प्रीति नवरत्न एवं जेण्डर विशेषज्ञ सरिता जांगड़े द्वारा 25 नवम्बर से महिलाओं के विरूध हिंसा उन्मूलन अंतराष्ट्रीय दिवस से लेकर 10 दिसम्बर मानव अधिकार दिवस तक विश्वभर में 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के रूप में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता अभियान जिले के सभी विकासखण्डों में विभिन्न ग्राम पंचायतों में जाकर बाल विवाह, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन, घरेलू हिंसा अधिनियम पास्को एक्ट, सी-बॉक्स मिशन शक्ति की जानकारी जनसमुदाय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में दिया गया। जिसका समापन कार्यक्रम कलेक्ट्रेट परिसर के जनसुनवाई कक्ष में किया गया। उक्त कार्यक्रम में पुलिस विभाग से सुश्री निधि नाग, विजय शक्ति संस्था से नीलम सोनी एवं ललीता यदु, समाज सेवी श्रद्वा दुबे सहित अन्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एक नजर

विधानसभा में पूर्व सांसद गोपाल व्यास को श्रद्धांजलि

रायपुर 16 दिसंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत आज से हुई। सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राज्यसभा के पूर्व सांसद गोपाल व्यास को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सत्ता पक्ष से उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। सदन में गोपाल व्यास के राजनीतिक कार्यशैली, उनके अनुभव और सलवा जुडुम अभियान में उनकी भूमिका को याद किया गया। सदस्यों ने उनकी सादगी, दूरदर्शिता, और सरलता की सराहना की। इसके साथ ही उनके द्वारा देहदान करने के निर्णय को भी सम्मानित किया गया, जिसे सदन में सभी ने प्रशंसा की। गोपल व्यास का योगदान छत्तीसगढ़ की राजनीति और समाज के लिए महत्वपूर्ण रहा है, और आज के सत्र में उनके कार्यों को याद करते हुए सदस्यों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

घर के बाहर खड़ी बाइक पार

रायपुर, 16 दिसंबर। गोल चौक रोहिणीपुरम के पास घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी नीलम कुमार वर्मा 38 वर्ष गोल चौक रोहिणीपुरम का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी होण्डा साइन बाइक क्रमांक सीजी 07 सीई 7388 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

देशी शराब के साथ बाइक सवार गिरफ्तार

रायपुर, 16 दिसंबर। नेवरा पुलिस ने ग्राम सिनोधा रोड स्थित तालाब के पास एक बाइक सवार के पास से 36 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार नेवरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम सिनोधा रोड स्थित तालाब के पास बाइक सवार युवक की रोककर तलाशी लिए, तो उसके पास से 36 पाव देशी शराब मिला। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ किया तो उसने अपना नाम राहुल निषाद 21 वर्ष बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

चाकू लहराते युवक गिरफ्तार

रायपुर, 16 दिसंबर। मौदहापारा पुलिस ने रजबंधा मैदान के पास चाकू लहराते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार मौदहापारा पुलिस को सूचना मिली कि रजबंधा मैदान के पास एक युवक चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी रूपेश यादव 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सरेआम शराब पीते 10 पकड़ाए

रायपुर, 16 दिसंबर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई किया है। मिली जानकारी के अनुसार मोवा पुलिस ने दलदल सिवनी नाला के पास सरेआम शराब पीते आरोपी अरूण साहू 23 वर्ष व संजू साहू 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं देवेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी सौरव सिंह चौहान 35 वर्ष, विवेक चौधरी 36 वर्ष व सैलेन्द्र भोई 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

5 आरा मिलों में वन विभाग की दबिश

रायपुर, 16 दिसंबर। राजधानी रायपुर के अभनपुर में वन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है, नवापारा और अभनपुर में वन विभाग ने अवैध रूप से गिला कहुआ अर्जून की लकड़ी मिलने पर 5 आरा मिलो को सील कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 5 मिलो पर कार्रवाई हुई है, कई दिनों से मिल वाले कहुआ अर्जुन लकड़ी की इस्तमाल कर रहे थे, वहीं आज वन विभाग ने अभनपुर में 1 तो नवापारा की 4 मिलो पर कार्रवाई की है, अभी कई आरा मिलो में और भी कार्रवाई हो सकती है।

निधन

ब्रजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

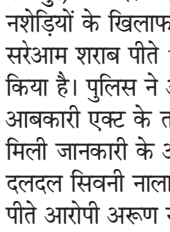

रायपुर। न्यू शांति नगर शंकर नगर निवासी सेवा निवृत वाणिज्यकर अधिकारी, श्री ब्रजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव जी का निधन 91 वर्ष में होगया । वे श्री विनय श्रीवास्तव (आयकर सलाहकार), संजय श्रीवास्तव(प्रदेश महामंत्री भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़), श्रीमती आरती श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी रायजादा के पिता थे। उनका अंतिम संस्कार दिनांक 16.12.2024 को समय 3 बजे, मुक्ति धाम देवेंद्र नगर, रायपुर छत्तीसगढ़ में किया जाएगा।

नगर निगम रायपुर के वार्डों का आरक्षण 19 दिसंबर को

नगर निगम प्रशासन ने राज्य शासन को भेजा प्रस्ताव

मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 16 दिसम्बर। नगर निगम रायपुर ने राज्य शासन को 70 वार्डों के आरक्षण के संबंध में प्रस्ताव भेज दिया है। 19 नवम्बर को कलेक्टर रायपुर की उपस्थिति में वार्डों के आरक्षण की स्थिति घोषित की जाएगी। रायपुर जिले के एक नगर निगम और शेष 11 नगरीय निकायों के लिए लॉटरी निकाली जाएगी। महापौर के आरक्षण का काम शासन को दिया गया है। संचालक अथवा सचिव नगरीय निकाय इस संबंध में अधिकृत घोषणा करेंगे।

नगरीय निकाय चुनाव के आरक्षण को लेकर संभावित दावेदारों में भारी उत्सुकता है। नगर निगम रायपुर के चुनाव कार्य देख रहे यूएस अग्रवाल ने बताया कि शहीद स्मारक भवन में 19 दिसम्बर को लॉटरी के माध्यम से वार्डों के आरक्षण की स्थिति तय की जाएगी। वर्तमान में 12 अनुसूचित जाति, जनजाति तथा 18 पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित है। वार्ड में जनसंख्या के चक्रीय अनुपात के आधार पर आरक्षण होगा। वर्तमान में महिला एवं पुरुष के लिए भी लॉटरी निकाली जाएगी। सभी संभावित दावेदार इस लॉटरी के दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सूर्यकांत राठौर ने बताया कि उनके वार्ड में आरक्षण की क्या स्थिति होगी इसके पश्चात ही वे रणनीति तय करेंगे। वरिष्ठ पार्षद श्रीकुमार मेनन ने भी यही बात दोहराई है। भाजपा से महापौर पद के दावेदार प्रफुल्ल विश्वकर्मा ने कहा कि वे आरक्षण की स्थिति देखने के बाद ही अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे। पार्षद मीनल चौबे को लेकर भी पेंच फंस गया है। मीनल चौबे मेयर के लिए राजेश मूणत की पसंदीदा प्रत्याशी हैं। जबकि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

महापौर का आरक्षण तय करेंगे सचिव अथवा संचालक : प्रदेश में 13 नगर निगम हैं। वर्तमान में रायपुर महापौर का पद सामान्य होने के कारण एजाज ढेबर मेयर हैं। वर्तमान महापौर और निर्वाचित जनप्रतिनिधि सभा का कार्यकाल 5 जनवरी को समाप्त हो रहा है इसलिए यहां पर प्रशासक बैठा दिया जाएगा। चुनाव कार्य देख रहे यूएस अग्रवाल ने बताया कि महापौर के आरक्षण की घोषणा सचिव बसव राजू अथवा संचालक कुंदन कुमार करेंगे। बीरगांव नगर पालिका का चुनाव अभी नहीं होगा। इसका कार्यकाल शेष है। पूरे प्रदेश में आरक्षण की तिथि अलग-अलग रखी गई है। कुल मिलाकर 180 नगरीय निकाय हैं। लंबे अरसे पश्चात यहां पर प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव हो रहा है इसको लेकर व्यापक उत्साह है।

पंचायत चुनाव की सुगबुगाहट तेज: प्रदेश में नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। पंचायत स्तर पर भी आरक्षण की व्यवस्था की गई है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। यह चुनाव जिला पंचायत के सीईओ के द्वारा कराया जाएगा। पंचायत चुनाव के लिए मतदान बैलेट के माध्यम से कराया जाएगा। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र का उपयोग किया जाएगा। रायपुर जिला जनपद में सदस्यों की संख्या 16 वर्तमान है। वर्तमान अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा है। पंच-सरपंच चुनाव के बाद जिला जनपद सदस्य का चुनाव लड़ने के लिए संभावित दावेदार अपना संपर्क तेज कर रहे हैं।

रायपुर। गोवा के खेल मंत्री गोविन्द गावड़े से साक्षात्कार लेते हुए वरिष्ठ खेल पत्रकार जसवंत क्लाडियस।

एरोप्लेन नजदीक से देखने एयरपोर्ट में घुसा युवक, मचा हड़कंप

रायपुर, 16 दिसंबर। माना एयरपोर्ट की सुरक्षा में भारी चूक हो गई। एक शराबी दीवार फांदकर एयरपोर्ट परिसर में घुसा और नए एटीसी टावर की ओर से रन-वे पर आ गया। वह एरोप्लेन को नजदीक से देखना चाहता था। इसके लिए वह महासमुंद से रायपुर आया था। युवक को दौड़ता देखकर एयरपोर्ट में हड़कंप मच गया।

सीआईएसएफ के जवान युवक की ओर दौड़े और उसे दबोच लिया। पकड़कर बाहर लाया गया। उससे पूछताछ की गई। वह ठीक से जवाब नहीं दे पा रहा था। उसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने युवक के खिलाफ सेंधमारी का केस दर्ज किया है। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। माना टीआई भावेश गौतम ने बताया क सरायपाली निवासी पारसमणि ध्रुव (24) मजदूरी करता है। वह 13 दिसंबर की सुबह बस से रायपुर आया। फिर माना एयरपोर्ट पहुंचा। वह बरौंदा और रमचंडी गांव के आसपास भटकता रहा और मौका देखकर एयरपोर्ट की दीवार फांदकर भीतर आ गया। वह नए एटीसी टावर की ओर से दौड़ते हुए रनवे पर आ गया। वह आने वाली फ्लाइट को देखने लगा।

अमित शाह को पुरंदर ने दिया अनूठा गिफ्ट

रायपुर 16 दिसंबर। उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक खूबसूरत कोलाज भेंट किया जिसे देखकर शाह खूब प्रसन्न हुए लेकिन पुरंदर के साथ खड़े नेता भौंचक्क रह गए। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि अचानक पुरंदर यह गिफ्ट भेंट कर देंगे। दरअसल कल केंद्रीय कृषि अमित शाह छत्तीसगढ़ के दौरे पर आए थे। माना विमान तल पहुंचे तो सारे मंत्री, विधायक, मुख्यमंत्री और भाजपा नेता उन्हें विदाई देने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे तथा शाह का स्वागत करने के लिए एयरपट्टी पर खड़े थे। जब पुरंदर मिश्रा के स्वागत करने की बारी आई तो उन्होंने अमित शाह को खूबसूरत प्रतिकृति स्कल्पचर भेंट किया। इस देखकर शाह प्रसन्नचित हो गए।

बीएफ ने प्रवासी मजदूरों को बांटे कंबल व वस्त्र

रायपुर 16 दिसंबर। प्रवासी मजदूर जो अपने घर से दूर सीमित साधनों और सामान के साथ काम करने के लिए आते हैं , ऐसे परिवारों को ठंड से अपनी और बच्चों की सुरक्षा करना कठिन हो जाता है । वर्तमान में शीत लहर में अपना और परिवार का ठंड से बचाव करने के लिए उनके पास कोई साधन नहीं होता । रायपुर ब्राइट फाउंडेशन ने इसका संज्ञान लेते हुए आज खमारडीह क्षेत्र में कार्यरत प्रवासी मजदूरों को वस्त्र एवं कंबल का वितरण किया। साथ ही उन्हें, काफी चॉकलेट व मेगी का भी वितरण किया गया । इन उपहारों को प्राप्त कर प्रवासियों के उत्साह

का ठिकाना नहीं रहा । संस्था के अध्यक्ष प्रदीप गोविंद शितूत ने बताया कि हमारी संस्था प्रति वर्ष ऐसे ही जरूरतमंद लोगों को चिन्हांकित करती है जिन्हें इन उपहारों की अत्यंत आवश्यकता होती है । इस अवसर पर संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ मनोज ठाकुर , राम भरोसा अग्रवाल , अंजली शितूत , सुषमा ध्रुव , अन्नपूर्णा शर्मा , चंपालाल साहू , आदि उपस्थित थे । रोटरी क्लब ऑफ रायपुर के पूर्व अध्यक्ष भरत डागा का इस अवसर पर विशेष सहयोग प्राप्त हुआ ।

शीतलहर से कांप रहा है समूचा छत्तीसगढ़

रायपुर, 16 दिसंबर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बीते दो वर्ष से भी कम पारा गिर गया है। रविवार को 12.1 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पहले 15 दिसंबर न्यूनतम तापमान में 12.8 डिग्री व दो दिसंबर को न्यूनतम तापमान में 12.2 डिग्री दर्ज किया गया था।

इसके अलावा सरगुजा में भी पांच साल का रिकॉर्ड टूट गया है। यहां 2019 में 3.8 डिग्री पारा दर्ज किया गया था। रविवार को पारा 3.7 डिग्री दर्ज किया गया है। प्रदेश के उत्तरी भाग में कुछ पैकेट में शीतलहर चल रही है। साथ ही साथ उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ पैकेट में शीतलहर जैसी स्थिति बनी हुई है। सरगुजा संभाग के अनेक जिलों में पाले की स्थिति बनी हुई है। अगले तीन दिनों में उत्तरी छत्तीसगढ़ के जिलों के न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री तथा दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों के न्यूनतम तापमान में चार से छह डिग्री की क्रमिक वृद्धि हो सकती है। 17 दिसंबर से प्रदेश में बादल छाए रहने तथा 18 दिसंबर से दक्षिण छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है।रविवार को सर्वाधिक

अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सुकमा में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 02.4 डिग्री बलरामपुर में दर्ज किया गया। आगामी 24 घंटों में दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। तत्पश्चात अगले दो दिनों में इसके और अधिक स्पष्ट होने व पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में तमिलनाडु तट की ओर बढ़ने की संभावना है। जिससे आगामी तीन दिनों में मौसम बदलने के आसार हैं। प्रदेश में बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक गिर गया है। अंबिकापुर में अधिकतम 23.6 डिग्री और न्यूनत तापमान 3.7 डिग्री, बीजापुर में अधिकतम पारा 29.2 और न्यूनतम 10.8 डिग्री, बिलासपुर में अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री और न्यूनतम पारा 11.0 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर हो चुकी 50 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

रायपुर 16 दिसम्बर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य में किसानों से समर्थन मूल्य पर अब तक कुल 50 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन कियाजा चुका है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राइस मिलर और घोषित हड़ताल से वापस आ रहे हैं। राइस मिलों के पंजीयन, अनुमति अनुबंध एवं मिलिंग अनुबंध में लगातार वृद्धि हो रही है। अब तक रायपुर संभाग में 14.52 लाख मीट्रिक टन, बिलासपुर संभाग में 9.76 लाख मीट्रिक टन, दुर्ग संभाग में 17.79 लाख मीट्रिक टन, बस्तर संभाग में 4.13 लाख मीट्रिक टन और सरगुजा संभाग में 3.80 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। प्रदेश में कुल 27.78 लाख पंजीकृत किसानों में से अब तक 10.66 लाख किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान बेचा है। इनमें 2.92 लाख लघु एवं सीमांत कृषक और 6.26 लाख दीर्घ कृषक शामिल हैं। किसानों को उनकी फसल का भुगतान तेजी से किया जा रहा है। अब तक विपणन संघ द्वारा 10,770 करोड़ रुपये की राशि अपेक्स बैंक को अंतरित की जा चुकी है। इसके तहत, संबंधित किसानों के बैंक खातों में नियमित रूप से राशि स्थानांतरित की जा रही है।किसानों की सुविधा हेतु उपार्जन केंद्रों पर माइक्रो एटीएम की व्यवस्था की गई है। साथ ही, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों को पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। धान उपार्जन के लिए बारदानों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। भारत सरकार की नीति के अनुसार, पुराने और नए बारदानों का उपयोग 50:50 अनुपात में किया जा रहा है। प्रदेश में अनुमानित 160 लाख मीट्रिक टन धान के उपार्जन के लिए 4 लाख गठान नए बारदानों की आवश्यकता है, जिसमें से अब तक 3.65 लाख गठान उपलब्ध कराए जा चुके हैं। शेष बारदान अगले 15-20 दिनों में प्राप्त हो जाएंगे। अब तक पीडीएस बारदानों के रूप में 54,153 गठान, मिलर बारदानों के रूप में 1,40,924 गठान और किसान बारदानों के रूप में 12,747 गठान उपयोग किए जा चुके हैं।

सुपर बाजार में लगी भीषण आग

रायपुर 16 दिसंबर। राजधानी रायपुर के अशोका रत्न सोसाइटी के सुपर बाजार में भीषण आग लग गई है, हादसे में भारी तादात में सामान जलकर ख़ाक हो गया है, सुचना पर पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत जे बाद आग पर काबू पा लिया। वहीं आग लगने का कारण अज्ञात बताया जा रहा है। मामला पंडरी थाना इलाके का है।

छात्रहित के मुद्दों को लेकर एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

रायपुर 16 दिसंबर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 13 से 17 दिसंबर तक भाजपा सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। जिसके तहत छात्र हित के मुद्दों को लेकर एनएसयूआई ने प्रदर्शन किया। घड़ी चौक अंबेडकर मूर्ति के सामने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय के नेतृत्व में प्रदर्शन किया।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा साय सरकार की नाकामी का 1 साल पूरा हो गया जिसमें प्रदेश के छात्र छात्राएँ अपने आपको असहाय महसूस कर रहे हैं। स्कूल कॉलेजों में शिक्षक प्रोफ़ेसर नहीं हैं। 33 हज़ार शिक्षकों की भर्ती के नाम पर धोखा दिया गया। किसी भी सरकारी विभाग में भर्ती नहीं निकल रही है। कॉलेजों में सीट नहीं बढ़ रही हैं। कानून व्यवस्था की खुलेआम धज्जियां उड़ रही है, प्रदेश में अराजकता की स्थिति है। असामाजिक तत्वों को बढ़ावा मिल रहा है जिससे स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं समेत माता- बहनें असुरक्षित महसूस कर रही और प्रदेश की भाजपा सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा कि बीजेपी के कार्यकाल में स्कूल कॉलेजों की बिल्डिंग का हैं काम ठप है कॉलेज के नाम से मिली ज़मीन को भी बिल्डर को दे दिया जा रहा है। भिलाई के डीपीएस स्कूल में चार साल की मासूम बच्ची के साथ छेड़छाड़ की गई। सरकारी स्कूलों में प्रिंसिपल और हेडमास्टर शराब के नशे में आए दिन हंगामा कर रहे हैं। सरगुजा में 11वीं की छात्रा से वहां के प्रिंसिपल, लेक्चरर, हेडमास्टर और डिप्टी रेंजर ने गैंगरेप किया। राजधानी में कॉलेज में पढ़ने वाले आदिवासी छात्र की पता पूछने पर हत्या हो जाती है। बढ़ती अपराधिक घटनाएँ, चाकूबाज़ी, हत्या, बलात्कार, छेड़-छाड़ के कारण छात्र छात्राओं की पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा है। प्रदर्शन में एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा, महामंत्री हेमंत पाल, मीडिया चेयरमैन संकल्प मिश्रा, प्रदेश सयुक्त महासचिव निखिल वंजारी, कुणाल दुबे, अंकित पांडे, आयुष अग्रवाल, वैभव मुजेवार, रजत ठाकुर, शुभम शर्मा, संस्कार पांडे, अनुज शुक्ला, भूपेंद्र साहू, शिवांक सिंह, ओजप्रकाश पांडे, प्रियांशु सिंह, दिव्यांश श्रीवास्तव, आलोक सिंह, राजा नायक, प्रतीक ध्रुव, सौरभ नाग, विनायक तिवारी, कृष जायसवाल, प्रबीर दस, अंशु, गोपाल, प्रथम अन्य उपस्थित हुए।

पुण्यतिथि पर पावन स्मरण

जन्म
10 जुलाई 1964

पुण्यतिथि
16 दिसंबर 2002

स्व. कुलदीप निगम

सबके लिए समर्पित रहकर, सबका आदर पाया। परिजन और सभी मित्रों का, हरदम साथ निभाया।
मृदु स्वभाव हित चिन्तन सबका, यही आदर्श जीवन था। अपने हित से बड़ा सदा ही, सबके लिए समर्पण था।
सौरभ सदा बांटते सबको, कहलाते उपवन थे। तुम आकर जग में कितने मोती जोड़ गए।
पर जाने क्यों बीच राह में हमें बिलखता छोड़ गए।

आज आपकी पावन स्मृतियों को शत्- शत् बार नमन है...

श्रद्धानवत

कृष्णकुमार, विनय, विपिन, नवीन, राजेंद्र
एवं समस्त निगम परिवार

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26